दैनिक

बढ़ता राजस्थान

संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर एवं कोटा

Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ

वर्ष : 15 | अंक : 30 जयपुर | सोमवार, 02 दिसम्बर, 2024 | मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष प्रतिपदा संवत्-2081 भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य :₹2 | पृष्ठ : 12

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

नवंबर में जीएसटी कलेक्शन 1.82 लाख करोड़ रहा

नवंबर 2023 के मुकाबले 8.5% ज्यादा, इस साल अब तक 19.74 लाख करोड़ कलेक्शन

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने नवंबर 2024 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स, यानी जीएसटी से 1.82 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। सालाना आधार पर इसमें 8.5% की बढ़ोतरी हुई है। रविवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, एक साल पहले यानी नवंबर 2023 में सरकार ने 1.68 लाख करोड़ रुपए जीएसटी कलेक्ट किया था। वहीं, इस साल अब तक 19.74 लाख करोड़ रुपए जीएसटी से आए हैं।

इस साल अक्टूबर में सरकार ने जीएसटी से 1.87 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे, जो पिछले साल अक्टूबर के मुकाबले 9% ज्यादा था। वहीं नवंबर लगातार नौवां महीना है, जब मंथली कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा है। साल के पहले छह महीनों में जीएसटी कलेक्शन 10.87 लाख करोड़ रुपए रहा, जो वित्त वर्ष 24 की पहली छमाही की तुलना में 9.5% ज्यादा था।

अब तक का तीसरा सबसे बड़ा कलेक्शन ग्रॉस टैक्स कलेक्शन के लिहाज से नवंबर महीने में अब तक का तीसरा सबसे बड़ा कलेक्शन है। इससे पहले अप्रैल 2024 में सबसे ज्यादा 2.10 लाख करोड़ रुपए जीएसटी के रूप में वसूले गए थे। वहीं, अप्रैल-2023 और अक्टूबर-2024 में 1.87-1.87 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी सरकार ने वसूला था।

सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 34,141 करोड़ पीटीआई के मुताबिक नवंबर में डोमेस्टिक ट्रांजैक्शन के जरिए सरकार को ज्यादा रेवेन्यू हासिल हुआ है और इसका असर जीएसटी कलेक्शन में बढ़ोतरी के रूप में देखने को मिला है।

सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 34,141 करोड़ रुपए, स्टेट जीएसटी कलेक्शन 43,047 करोड़ रुपए, इंटिग्रेटेड आईजीएसटी 91,828 करोड़ रुपए और उपकर 13,253 करोड़ रुपए रहा है।

नेट जीएसटी कलेक्शन 11% बढ़कर 1.63 लाख करोड़ नवंबर के महीने के दौरान डोमेस्टिक ट्रांजेक्शन से जीएसटी रेवेन्यू 9.4% बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि इम्पोर्ट पर टैक्स से रेवेन्यू लगभग 6% बढ़कर 42,591 करोड़ रुपए हो गया। इस महीने के दौरान 19,259 करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए गए, जो नवंबर-2023 की तुलना में 8.9% कम है। रिफंड को एडजस्ट करने के बाद नेट जीएसटी कलेक्शन 11% बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपए है।

भारतीय अर्थव्यवस्था का फायदा सिर्फ गिने-चुने अरबपतियों को; बेरोजगारी ने 45 साल का रिकॉर्ड तोड़ा : राहुल

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को ट्वीटर पोस्ट में भारत की जीडीपी दर कम होने पर चिंता जताई। उन्होंने लिखा- जब तक मुट्ठीभर अरबपतियों को देश की अर्थव्यवस्था का लाभ मिलता रहेगा, तब तक इकोनॉमी आगे नहीं बढ़ सकती। उन्होंने लिखा- भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट दो साल में सबसे नीचे 5.4% पर आ गई है। बात साफ है भारतीय अर्थव्यवस्था तब तक तरक्की नहीं कर सकती जब तक इसका फायदा सिर्फ गिने-चुने अरबपतियों को मिल रहा हो। किसान, मजदूर, मध्यमवर्ग और गरीब तरह-तरह की आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। राहुल ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपया 84.50 के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। बेरोजगारी पहले ही 45 सालों का रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। पिछले 5 सालों में मजदूरों, कर्मचारियों और छोटे व्यापारियों की आमदनी या तो ठहर गई है या काफी कम हो गई है।

राहुल की ट्वीटर पोस्ट में शामिल मुद्दे...

खुदरा महंगाई दर बढ़कर 14 महीने के हाई लेवल 6.21% पर पहुंच गई है। पिछले साल अक्टूबर की तुलना में इस साल आलू और प्याज की कीमत लगभग 50% बढ़ी। आमदनी कम होने से मांग में भी कमी आई है। 10 लाख से कम कीमत वाली कारों की बिक्री में हिस्सेदारी घटकर 50% से कम हो गई है, जो 2018-19 में 80% थी। सस्ते घरों की कुल बिक्री में हिस्सेदारी घटकर करीब 22% रह गई है, जो पिछले साल 38% थी। स्वस्थ्त्न प्रोडक्ट्स की मांग पहले से ही कम होती जा रही है। कॉर्पोरेट टैक्स का हिस्सा पिछले 10 सालों में 7त्न कम हुआ है, जबकि इनकम टैक्स 11% बढ़ा है।

संघ प्रमुख भागवत बोले- 3 बच्चे पैदा करें : जनसंख्या में कमी चिंता का विषय, वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत से नीचे तो समाज नष्ट हो जाएगा

बढ़ता राजस्थान

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या में कमी को चिंता का विषय बताया है। भागवत ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि दर 2.1% से नीचे नहीं होनी चाहिए। इसके लिए 2 की बजाय 3 बच्चे पैदा करें। यह संख्या इसलिए जरूरी है, ताकि समाज जिंदा रहे। देश की जनसंख्या नीति 1998-2002 में तय की गई थी। इसके अनुसार अगर किसी समाज की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज अपने आप नष्ट हो जाएगा। भागवत रविवार को नागपुर में कठाले कुल सम्मेलन में एक सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा- कुटुंब समाज का हिस्सा है और हर परिवार एक इकाई है।

पहले भी कई बार जनसंख्या पर बयान दिए

अक्टूबर 2021: जनसंख्या दर में अंतर के कारण मुस्लिम आबादी बढ़ी विजयादशमी उत्सव के दौरान संघ प्रमुख ने कहा कि वर्ष 1951 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर में भारी अंतर के कारण देश की जनसंख्या में जहां भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायियों का अनुपात 88% से घटकर 83.8% रह गया है। वहीं मुस्लिम जनसंख्या का अनुपात 9.8% से बढ़कर 14.24% हो गया है। असंतुलन पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा था कि जनसंख्या नीति होनी चाहिए। जुलाई 2022: फर्टिलिटी रेट 2.1 से नीचे आना खतरनाक हो सकता है भागवत ने एक साल बाद फिर कहा- एक व्यापक जनसंख्या नियंत्रण नीति की जरूरत है। जो सभी पर बराबरी से लागू होती हो। जनसंख्या असंतुलन पर हमें नजर रखनी होगी। जब सभी पर बराबरी से एक नीति लागू होगी तो किसी को भी रियायतें नहीं मिलेंगी। कुछ साल पहले फर्टिलिटी रेट 2.1 था।

आज मिलेगा महाराष्ट्र को सीएम!

शिंदे मुंबई रवाना, दावा : महायुति में मतभेद नहीं; लेकिन गृह मंत्रालय के सवाल पर चुप्पी साधी

बढ़ता राजस्थान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आए 8 दिन बीत चुके हैं, लेकिन मुख्यमंत्री को लेकर स्थित अभी भी साफ नहीं हुई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने शनिवार को कहा कि नई सरकार का शपथ ग्रहण 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में होगा। प्रधानमंत्री मोदी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे दो दिन से अपने पैतृक गांव सातारा में हैं। कल उनकी तबीयत बिगड़ गई। मुंबई से डॉक्टर आए।

अब वे ठीक हैं। रविवार को शिंदे सातारा के एक मंदिर गए और कुछ देर बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, मैं अब ठीक हूं। व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद मैं यहां आराम करने आया था। महायुति में कोई मतभेद नहीं है। सीएम पर फैसला पीएम मोदी और अमित शाह लेंगे। 2 दिसंबर को महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री तय होगा। गृह मंत्रालय पर खींचतान को लेकर उनसे तीन बार सवाल किया गया। शिंदे ने जवाब नहीं दिया। शाम को वे मुंबई निकल गए। सूत्रों के मुताबिक 3 दिसंबर को भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। दिल्ली से दो ऑब्जर्वर मुंबई आएंगे और विधायकों से चर्चा के बाद आधिकारिक रूप से सीएम फेस अनाउंस करेंगे। डिप्टी सीएम अजित पवार ने शनिवार को कहा- सीएम भाजपा का होगा, यह तय हो गया है और शिवसेना-एनसीपी से 1-1 डिप्टी सीएम होगा।

रिजल्ट के बाद अब-तक क्या हुआ

- 23 नवंबर : महाराष्ट्र विधानसभा का रिजल्ट आया। महायुति को 230 सीटों पर जीत हासिल हुई। भाजपा ने 132, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) ने 57 और एनसीपी (अजित पवार) ने 41 सीटें जीतीं। शिंदे बोले थे- सीएम तीनों पार्टियां मिलकर तय करेंगी। फडणवीस ने कहा था, एक हैं तो सेफ हैं।
- 25 नवंबर : 1 मुख्यमंत्री और 2 डिप्टी सीएम का फॉर्मूला तय हुआ। महायुति की पार्टियों में हर 6-7 विधायक पर एक मंत्री पद के फॉर्मूला की बात सामने आई। इस हिसाब से भाजपा के 22-24, शिंदे गुट के 10-12 और अजित गुट के 8-10 विधायकों को मंत्री बन सकते हैं।
- 27 नवंबर : ठाणे में कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि भाजपा का सीएम हमें मंजूर है। मुझे पद की लालसा नहीं। जब मैं मुख्यमंत्री था तब मोदी जी मेरे साथ खड़े रहे। अब वो जो फैसला लेंगे स्वीकार होगा।
- 28 नवंबर : एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने दिल्ली में करीब ढाई घंटे तक गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ मीटिंग की। शिंदे ने आधे घंटे तक शाह से अकेले मुलाकात की। हाईकमान ने शिंदे को डिप्टी सीएम या केंद्र में मंत्री पद का ऑफर किया है।
- 29 नवंबर : महायुति की बैठक टाल दी गई। एकनाथ शिंदे अचानक सातारा चले गए। शिवसेना मुख्यमंत्री पद के बदले गृह और वित्त मंत्रालय मांग रही है। शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने कहा- अगर शिंदे डिप्टी सीएम का पद स्वीकार नहीं करते हैं तो पार्टी से ही दूसरा चेहरा ये पद संभालेगा।
- 30 नवंबर : शपथ ग्रहण समारोह की तारीख सामने आई। अजित पवार ने साफ कर दिया कि सीएम भाजपा से होगा और शिवसेना-एनसीपी के डिप्टी सीएम होंगे।

महबूबा मुफ्ती बोलीं- भारत और बांग्लादेश के हालात एक जैसे

वहां हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा, यहां भी अल्पसंख्यकों का वही हाल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने रविवार को भारत के अल्पसंख्यकों को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि उनके लिए भारत और बांग्लादेश में कोई अंतर नहीं है। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हिंसा हो रही है। यही हाल भारत के अल्पसंख्यकों का भी है। मुफ्ती ने कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं पर ज्यादती हो रही है। अगर यहां भी अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होंगे तो फिर भारत और बांग्लादेश में क्या अंतर रह जाएगा? मुझे भारत-बांग्लादेश में कोई अंतर नहीं दिखता। मुफ्ती ने संभल हिंसा और अजमेर दरगाह का जिक्र किया महबूबा मुफ्ती ने संभल में हुई हिंसा की भी बात की। उन्होंने कहा कि देश में बेरोजगारी चरम पर है। शिक्षा और स्वास्थ्य का भी हाल खराब है। सड़के जर्जर हालत में हैं, फिर भी मंदिर की तलाश में मस्जिद गिराना है।

अमित शाह के दौरे से पहले 7 नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर टीएससीएम, डीवीसीएम और एसीएम मेंबर मारे गए

बढ़ता राजस्थान

जगदलपुर। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर ग्रेहाउंड्स फोर्स ने महिला नक्सली समेत 7 नक्सलियों को मार गिराया है। जवानों ने मौके से एक-47 समेत अन्य हथियार भी बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि सुबह से दोनों तरफ से गोलीबारी हो रही थी। मामला तेलंगाना के मुलुगु जिले के ईटूनगरम थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। बताया जा रहा है कि नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे, लेकिन जवानों ने मुठभेड़ में उन्हें ढेर कर दिया। इसी हफ्ते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी बस्तर दौरे पर आने वाले हैं। मारे गए नक्सलियों की पहचान हो गई है।

फेंगल तूफान से पुडुचेरी में बाढ़ जैसे हालात

बारिश का 30 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा; चेन्नई में लैंडिंग के दौरान क्रॉस विंड में फंसा प्लेन

बढ़ता राजस्थान

चेन्नई, पुडुचेरी (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से 25 नवंबर को उठा फेंगल तूफान 30 नवंबर, शाम 7:30 बजे पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के महाबलीपुरम के बीच समुद्र तट से टकराया। लैंडफॉल प्रोसेस रात 11.30 बजे तक चला। इस दौरान भारी बारिश के साथ 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। तूफान का असर केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी है।

आईएमडी के मुताबिक 30 नवंबर को लैंडफॉल के बाद फेंगल यहीं अटका हुआ है, लेकिन कुछ घंटों में धीरे-धीरे यह कमजोर हो जाएगा। इसके चलते रविवार को पुडुचेरी, कडलोर, विल्लुपुरम और चेन्नई में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। पुडुचेरी में 24 घंटों के दौरान 48.4 सेमी बारिश हुई। यह 30 साल में एक दिन में सबसे ज्यादा बारिश है।

तूफान के कारण चेन्नई एयरपोर्ट दोपहर 12 बजे बंद कर दिया गया था, जो रात 1 बजे शुरू हो पाया। आधी रात के बाद उड़ानें शुरू हुईं, लेकिन कई फ्लाइट्स कैंसिल की गईं। कुछ देरी से पहुंचीं। तूफान के चलते 24 डोमेस्टिक फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। 26 इंटरनेशनल फ्लाइट्स में देरी हुई।

चेन्नई एयरपोर्ट का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें लैंडिंग के दौरान इंडिगो की फ्लाइट क्रॉस विंड में फंसकर लहराने लगी। पायलट प्लेन को वापस उड़ा ले गया। घटना को लेकर इंडिगो ने कहा कि मुंबई-चेन्नई फ्लाइट 6श्च 683 भारी बारिश और तेज हवाओं में फंस गई थी। उसकी सुरक्षित लैंडिंग नहीं हो पाती, इसलिए पायलट ने सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को गो-अराउंड किया।

फेंगल से प्रभावित 4 राज्य

तूफान का असर तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और पुडुचेरी में पड़ा। तमिलनाडु सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यहां भारी बारिश के चलते धान की फसल को काफी नुकसान पहुंचा। नागपट्टिनम में करीब 800 एकड़ से ज्यादा की फसल खराब हुई।

सम्पादकीय कार्यालयः-डी-38,चौमू हाउस,सी-स्कीम,जयपुर(राज.) 302001, बून्दी, झालावाड़, बांरा,बहरोड़,,सुजानगढ़, रावतभाटा,अजमेर, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, सीकर, झुन्झुनू,खाटूश्याम जी, निम्बाहेड़ा, चूरु, धौलपुर, जौधपुर, उदयपुर, चाकसू,टोंक निवाई, पीपलू, मालपुरा, उनियारा, अलिगढ़, देवली, कोटपुतली, शाहपुरा, प्रागपुरा में प्रसारित

जयपुर में पालतू जानवरों की देखभाल के लिए डीसीसी एनिमल हॉस्पिटल सुविधा शुरू

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। पशु अस्पतालों की प्रसिद्ध वैश्विक पशु चिकित्सा श्रृंखला डीसीसी एनिमल हॉस्पिटल जयपुर में अपनी पहली एडवांस पेट मेडिकल सुविधा शुरू की है। जिसे वर्ल्ड जापानी मानकों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

यह जयपुर में पालतू जानवरों की देखभाल में क्रांति लाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पालतू जानवरों की देखभाल की नवीनतम तकनीक से समर्थित और सुसज्जित यह अस्पताल आईडीबी बिल्डिंग गायत्री नगर महारानी फार्म दुर्गापुरा के बेसमेंट में है। यह लॉन्च डीसीसी जयपुर को उन्नत पालतू स्वास्थ्य सेवाओं के एक नए युग से परिचित करता है । डीसीसी एनिमल हॉस्पिटल के प्रमुख पशु चिकित्सक और निदेशक डॉ. विनोद शर्मा ने बताया कि शहर में पालतू जानवरों के मालिकों की आबादी बढ़ रही है, लेकिन उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं और शैक्षिक संसाधनों की महत्वपूर्ण कमी है। उन्होंने कहा कि जयपुर में कई पालतू जानवरों के मालिक अधिक विकल्पों के लिए उत्सुक हैं, लेकिन सेवाओं की गुणवत्ता में सीमित हैं। उन्होंने बाजार में गहन शोध किया है और पाया है कि बेहतर निवारक देखभाल, स्वच्छता और पालतू स्वास्थ्य सेवा के बारे में अधिक जानकारी की आवश्यकता है। डीसीसी इस अंतर को पाटने के लिए यहाँ है। डीसीसी एनिमल हॉस्पिटल का उद्देश्य निवारक देखभाल, टीकाकरण शिक्षा, प्लास्टिक सर्जरी जागरूकता और उच्च स्वच्छता मानकों के साथ सेवाएं प्रदान करके एक दयालु, पालतू-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। इसके अतिरिक्त, यह पालतू जानवरों के मालिकों को आवश्यक सेवाओं के बारे में शिक्षित करने और पालतू स्वास्थ्य सेवा तथा उनकी आवश्यकताओं के बारे में जागरूकता फैलाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

डीसीसी जयपुर में विश्व स्तरीय पशु चिकित्सा सेवाएँ लाता है और कार्यशालाओं, जागरूकता अभियानों और स्थानीय पालतू कल्याण संगठनों के साथ साझेदारी के माध्यम से समुदाय से जुड़ने का प्रयास करता है। डीसीसी एनिमल हॉस्पिटल पालतू जानवरों, उनके मालिकों और पशु चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच एक अधिक महत्वपूर्ण बंधन बनाने की उम्मीद करता है।

रन फॉर जीरो हंगर की पहल : जयपुर में वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन 15 दिसंबर को

वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन की टी-शर्ट और मैडल लॉच

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। अपने ऐतिहासिक 9वें संस्करण के साथ वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन (वीपीसीएचएम) 15 दिसंबर को जयपुर में वापस होने जा रही है। वेदांता ने एनी बॉडी कैन रन (एबीसीआर) के सहयोग से आयोजित इस मैराथन का प्रेरक विषय रन फॉर जीरो हंगर है, जिसका उद्देश्य भूख और कुपोषण से निपटने के लिए जागरूकता और समर्थन बढ़ाना है। इस कार्यक्रम में देश भर से 15 हजार से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिसमें प्रसिद्ध हस्तियाँ भी शामिल हैं, जो इसे जयपुर कैलेंडर पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम बनाती है। वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन सिर्फ़ एक मैराथन नहीं; यह सामाजिक बदलाव के लिए एक आंदोलन है। इस मैराथन में प्रतिभागियों के दौड़े गए हर किलोमीटर के लिए, वेदांता अपनी सामाजिक प्रभाव शाखा, अनिल अग्रवाल फ़ाउंडेशन (आफ) के माध्यम से बच्चों और पशुओं को भोजन प्रदान कर पोषित करेगी।इस पहल के लाभार्थियों में भारत भर में आधुनिक आंगनवाड़ियों के नेटवर्क नंद घर के बच्चे और द एनिमल केयर ऑर्गनाइजेशन (टाको) द्वारा समर्थित पशु शामिल हैं, जो एक अनूठी पशु कल्याण परियोजना है जिसका उद्देश्य पशुओं का कल्याण और उनकी रक्षा करने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, चिकित्सा सेवाएं, प्रशिक्षण सुविधा और आश्रय प्रदान करना है। पिछले साल, मैराथन के माध्यम से 1 लाख से अधिक भोजन बच्चों को प्रदान किया गए था, जिससे नंद घर के बच्चों को लाभ हुआ और इस साल का लक्ष्य पशुओं पर प्रभाव डाल, इस आंदोलन को और भी विस्तार बनाने का है। आगामी आयोजन के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए, वेदांता की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन, प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कहा, मैराथन सकारात्मक बदलाव के लिए समाज के एक साथ आने की शक्ति का एक प्रमाण है, और वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन को, इस भावना का प्रतीक बनते हुए देखकर हमें गर्व है। जयपुर में होने वाली यह प्रतिष्ठित मैराथन राजस्थान और उसके बाहर के लोगों को एक ऐसे लक्ष्य के लिए एकजुट करती है जो हमारे दिल के बहुत करीब है -रन फॉर जीरो हंगर । पिछले साल हजारों धावकों की भागीदारी से 1 लाख से अधिक भोजन जुटाया गया था। जैसे-जैसे हम एक और रोमांचक संस्करण के लिए तैयार हो रहे हैं, हम आशा करते हैं कि और भी अधिक लोग हमारे साथ जुड़ेंगे और इस मैराथन को और भी बड़ा बनायेंगे। हर 1 किलोमीटर की दौड़ के लिए वेदांता, बच्चों के पोषण और पशुओं के खाने के लिए भोजन उपलब्ध कराएगा। आइए, मिलकर भारत के लिए एक उज्जवल और कुपोषण -मुक्त भविष्य बनाने की दिशा में हर कदम उठाएं।इस मैराथन की टी-शर्ट और फिनिशर के पदक का अनावरण के लिए एक लॉन्च समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीईओ और वेदांता लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक अरुण मिश्रा मौजूद थे।

लोहार्गल में यादव समाज धर्मशाला में स्नेह मिलन एवं नव निर्मित रसोई घर का लोकार्पण समारोह आयोजित

बढ़ता राजस्थान

फुलेरा (नि.स.)। नवलगढ़ तहसील के धार्मिक स्थल लोहार्गल में स्थित यादव समाज धर्मशाला में रविवार को प्रात: 11.15 बजे यादव समाज का स्नेह मिलन एवं नवनिर्मित रसोई घर का लोकार्पण समारोह हेमाराम यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि शाकम्भरी धाम के पीठाधीश्वर दयानाथ महाराज एवं विशिष्ट अतिथि समाजसेवी कैलाश राबड़,डॉ. के.डी यादव थे। समारोह के प्रारंभ में बीरबल भांकरियां,पीटीआई श्रवण राबड़, मूलचंद राबड़,सुरेश राबड़, सुल्तान भांकरियां,सुवालाल सीगड़ सहित अन्य लोगों ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद समाज में चल रही कुरीतियों को बंद करने,यादव समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही धर्मशाला में सहयोग देने वाले भामाशाहों को सम्मानित किया गया। इस दौरान डॉ. के.डी यादव ने कहा कि इस तरह के आयोजन समय-समय पर होते रहने चाहिए जिससे समाज में भाईचारे की भावना बनी रहती हैं। समारोह के अंत में स्व.श्याना देवी धर्मपत्नी स्व.फूलाराम राबड़ की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र समाजसेवी कैलाश राबड़ एवं पप्पू राबड़ बसावा के द्वारा करीब 6 लाख 50 हजार की लागत से करवाया गया नवनिर्मित रसोई घर का लोकार्पण अतिथियों ने फीता काटकर किया। मंच संचालन पीटीआई बीरबल यादव एवं विनोद यादव ने किया। इस दौरान नन्दलाल यादव,जगदीश दहिया,हरचन्द खेसवा,महिपाल यादव,धन्ना राम सीगड़,महावीर यादव,राम प्रसाद, सरदारा राम यादव,रामेश्वर लाल, महेंद्र कोशलिया,पप्पू खतोदिया, प्रभु खतोदिया, ओमप्रकाश राबड़, शिवकरण राबड़,मदन राबड़, सीताराम राबड़,शिवकरण दहिया सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने दिखाया जोश व उत्साह

टीम इंडिया-बी ने ए और सीनियर ने इंडिया-सी को हराया

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। फिजिकल डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 के दूसरे दिन भी मैदान पर काफी उत्साह और जुनून देखने को मिला, क्योंकि टीम इंडिया-बी दूसरे दिन अपनी पहली जीत दर्ज की। यह ट्रॉफी राजस्थान डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) द्वारा पैट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी में आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के स्पोर्ट्स एंड यूथ अफेयर्स के राज्य मंत्री श्री के.के. बिश्नोई ने भी खिलाड़ियों की खेल के प्रति समर्पण और उनके जोश व उत्साह की सराहना की। जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने रविवार को अपना 8वां स्थापना दिवस मनाया, जिसमें दिव्यांग क्रिकेटरों और समर्थकों ने एकेडमी के द्वारा क्रिकेट की प्रतिभा को निखारने के लिए उसके समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की। फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 के दूसरे दिन का पहला मैच इंडिया-ए और इंडिया-बी के मध्य खेला गया। पहले खेलते हुए इंडिया-ए ने कम स्कोर वाला खेल दिखाया और 19.1 वें ओवर में 117/10 पर ऑलआउट हो गई। इंडिया-ए के कप्तान रविन्द्र शांते ने अपना जुझारूपन दिखाते हुए 25 गेंदों में

जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने दिव्यांग क्रिकेट प्लेयर्स के साथ अपना 8वाँ फाउंडेशन डे मनाया

29 रन बनाए। यह उनकी टीम के किसी भी प्लेयर के सर्वाधिक रन थे। इंडिया-बी ने शानमुगम के ऑलराउंड प्रदर्शन पर भरोसा करते हुए, इंडिया-ए को 6 विकेट से हराकर फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 में अपनी पहली जीत दर्ज की। इंडिया-बी के लिए जगजीत मोहंती और शानमुगम ने पारी की शुरूआत की। जगजीत ने 29 गेंदों में 35 रन बनाए और उनके साथ टीम के ऑलराउंडर शानमुगम ने 38 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।इंडिया-बी के लिए, अवनीश कुमार गेंदबाजों में सबसे बेहतरीन रहे, जिन्होंने 3.1 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 3 विकेट लिए और इसके लिए अवनीश कुमार को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। दूसरे दिन का दूसरा मैच बहुत ही रोमांचक रहा। टीम इंडिया-सीनियर ने आखिरी बॉल पर 1 रन लेकर 3 विकेट्स 117/7 से अपनी पहली जीत हासिल की। पहले खेलते हुए इंडिया-सी के दोनों ओपनर बल्लेबाज शून्य के स्कोर पर आउट हो गए। निखिल मनहास ने शानदार बल्लेबाजी का नजारा पेश करते हुए 49 गेंदों में 64 रन का एक अच्छा स्कोर बनाया। निखिल मनहास की बदौलत टीम ने अपना सम्मानजनक स्कोर 116/7 का लक्ष्य दिया। टीम इंडिया-सीनियर नके प्लेयर प्रसाद चवन ने 43 गेंदों का सामना करते हुए 39 रन बनाए। प्रसाद चवन का प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

भारत सहित पूरे विश्व में ब्यूटी प्रोडक्ट्स में प्राकृतिक ओर रासायनिक मुक्त विकल्पों की मांग बढ़ रही है : कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में आयुर्वेद के माध्यम से ब्यूटी केयर पर 10 दिवसीय कोर्स का समापन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्विद्यालय जयपुर में आयुर्वेद के माध्यम से ब्यूटी केयर पर 10 दिवसीय विशेष कोर्स का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भारत के विभिन्न राज्यो के साथ अमेरिका से कुल 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो आयुर्वेद के सिद्धांतों के माध्यम से स्किनकेयर, हेयरकेयर और वेलनेस के होलिस्टिक दृष्टिकोण को समझने के लिए उत्सुक थे। संस्थान के आयुर्वेद विशेषज्ञों द्वारा डिज़ाइन किए गए इस कोर्स में प्राकृतिक सौंदर्य देखभाल के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें मुख अभ्यंग, मुख लेपन, शिरोभ्यंग जैसी हर्बल उपचार पद्धतियाँ और आयुर्वेदिक स्किनकेयर रूटीन शामिल थे। प्रतिभागियों को स्वस्थ त्वचा और बालों के लिए पारंपरिक और प्राकृतिक सामग्री के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। ये तकनीकें व्यक्तिगत प्रशिक्षण और आयुर्वेदिक सौंदर्य देखभाल विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों के माध्यम से सिखाई गईं। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने 10 दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों को सौंदर्य उद्योग में आयुर्वेदिक उपचारों के बढ़ते वैश्विक रूझान के विषय में जानकारी दी। प्रोफेसर संजीव शर्मा ने कहा भारत देश के साथ पूरे विश्व में ब्यूटी प्रोडक्ट्स के लिए प्राकृतिक ओर रासायनिक-मुक्त विकल्पों की मांग बढ़ रही है और आयुर्वेद इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए उपयुक्त माध्यम है। आयुर्वेद के ज्ञान को उन व्यक्तियों के साथ साझा करने में हम गर्व महसूस करते हैं, जो सौंदर्य और वेलनेस के लिए एक अधिक समग्र और सतत दृष्टिकोण की तलाश में हैं।

सौंदर्य आयुर्वेद एवं द्रव्यगुण विभाग के विभागाध्यक्ष ओर

डीन, इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज़ और डॉ. सुदीप्त रथ ने आयुर्वेदिक सिद्धांतों और जीवनशैली के माध्यम से आंतरिक और बाहरी सौंदर्य को संतुलित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उनकी टीमवर्क में भूमिका की सराहना की। और पूर्व प्रति कुलपति और पूर्व विभागाध्यक्ष द्रव्यगुण एवं सौंदर्य आयुर्वेद प्रो. मीता कोटेचा ने समापन समारोह में अपने संबोधन में कोर्स की सफलता पर संतोष व्यक्त किया और प्राकृतिक, रासायनिक-मुक्त सौंदर्य देखभाल दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को विभाग द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए ।

परमार्थ समिति द्वारा सोलहवां सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का होगा आयोजन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। परमार्थ एवम् आध्यात्मिक समिति के तत्वावधान में जनकल्याण की अनेक गतिविधियों के अतिरिक्त कन्यादान महादान की अवधारणा को चरितार्थ करते हुए दिनांक 06 दिसम्बर 2024 को जरूरतमंद परिवारों के विवाह योग्य 11 जोड़ों का सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन कटेवा नगर स्थित, चमत्कारेश्वर महादेव मन्दिर परिसर में प्रात: 08.00 बजे से होगा।

उपरोक्त समारोह में विवाहित होने वाले नव दम्पतियों के परिजनों से व्यसनमुक्त जीवन जीने का शपथ पत्र भी लिया गया है, जो कि मानव जीवन में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन में मील का पत्थर साबित होगा। नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद प्रदान करने हेतु आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

दो अंतरराज्यीय वाहन चोर अरेस्ट, तीन वाहन जब्त

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। सीएसटी टीम और शिवदासपुरा पुलिस ने दो अंतरराज्यीय वाहन चोर पकड़े है। उनके पास से दो चोरी के चौपहिया वाहन और एक वारदात में उपयोग किए जाने वाले वाहन को जब्त किया है। आरोपियों ने मानसरोवर और शिवदासपुरा थाना इलाके में वाहन चोरी की कई वारदातें करना कबूल किया है। पुलिस के अनुसार वाहन चोरी के मामले में इमरान खान और सद्दामुद्दीन को पकड़ा है। बदमाश वाहन चोरी के बाद उनके चैचिस नम्बर बदलकर उन्हें सस्ते में बेच देते थे। गिरफ्तार इमरान खान पुत्र निजामुद्दीन खान एवं सद्दामुद्दीन पुत्र सलामुद्दीन मूलत: इलाका थाना सिटी कोतवाली बूंदी के निवासी है, जो वाहन चोरी करने के आदतन अपराधी है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि लग्जरी चौपहिया वाहनों की रैकी करते है, इसके बाद चोरी के वाहनों के चैचिस नम्बर व इंजन नम्बरों को बदलकर बेच देते है। आरोपितों की सक्रिय गैंग है। उक्त आरोपित वर्ष 2023 में वाहन चोरी की वारदात में मुहाना में पकड़े गए थे। आरोपितगणों विरुद्ध वाहन चोरी एवं अन्य प्रकरणों के लगभग 2 दर्जन प्रकरण दर्ज है।

जयपुर के पूर्व सांसद को धमकी देने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

मेल कर आरोपी ने दी थी पूर्व सांसद रामचरण बोहरा को जान से मारने की धमकी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। पूर्व सांसद रामचरण बोहरा को जान से मारने की धमकी देने के मामले में जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। आरोपी ने सांसद को ईमेल कर जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस के अनुसार निवर्तमान सांसद रामचरण बोहरा को उनके कार्यकाल में 10 अप्रेल को किसी ने ई मेल कर जान से मारने की धमकी दी थी। इसको लेकर सांसद के निजी सहायक अरुण शर्मा ने मामला दर्ज करवाया था। इस मामले में पुलिस ने बिहार निवासी 32 वर्षीय अरविंद कुमार कुशवाहा को अरेस्ट किया है। जांच के दौरान संदिग्ध मेल की आईपी आईडी बिहार की होना सामने आया। सम्बधिक लिंक के मोबाइल की लोकेशन व सीडीआर के आधार पर आरोपी को पकड़ने के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दी गई। आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था।

पूछताछ में आरोपी ने अपने मोबाइल से ईमेल भेजना स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि उसने मजाक में ही यह मेल भेजा था। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

लगातार चोरियां से होती है मुझे पीड़ाः विधायक डॉ. ऋतु बनावत

जनता के मुद्दों के लिए हर हाल में लड़ेंगेः विधायक पति ऋषि बंसल

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर /बयाना(सत्यप्रकाश अग्रवाल)। स्थानीय विधायक डॉ.ऋतु बनावत द्वारा राज्य के सीएम को कानून एवं व्यवस्था के बिगड़े हालातों को लेकर शनिवार को पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग की गयी। विधायक का पत्र सार्वजनिक होने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा प्रेस नोट जारी कर अपराधों में कमी होने की जानकारी दी गयी। एक दैनिक समाचार पत्र (राजस्थान पत्रिका नहीं) द्वारा उनके पति पर गन का लायसेन्स की दरख्वास्त को तीन महीने से पेण्डिंग रखने से नाराज होकर पुलिस पर आरोप लगाने जैसी बात सामने आ रही है। इस पर बयाना विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेन्स कर जानकारी दी कि जिले में अपराधों के ग्राफ में कमी आने से उनको भी खुशी है। लेकिन बयाना क्षेत्र में हालात इसके उलट हैं। बयाना कस्बे में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलन्द हैं कि कोतवाली थाने के अधीन टाउन पुलिस चौकी से महज 100 मीटर की दूरी पर किराने की एक ही दुकान में चोरों ने सिर्फ पन्द्रह दिन की अवधि में दो बार चोरी की वारदात कों अंजाम दिया है। दूसरी वारदात में कोतवाली थाना से महज 300 मीटर की दुरी पर एक आयुर्वेद चिकित्सक के सूने मकान पर धावा बोलकर करीब 5 लाख रूपये कीमत के सामान पर हाथ साफ करने की वारदातों में पुलिस के हाथ अभी तक खाली हैं। पत्रकारों से बात करते विधायक बनावत ने टाउन चौकी प्रभारी की कार्यशैली पर भी सवाल उठाये। निचले स्तर के अधिकारियों की लापरवाही एवं थानाधिकारियों द्वारा की जा रही अनदेखी लोगों की सुरक्षा पर भारी पड़ रही है। विधायक डॉ. बनावत के पति ऋषि बंसल ने एएसपी से झड़प के बाद सीएम भजनलाल शर्मा द्वारा डांटने की बात को सिरे से खारिज करते हुये बताया कि उनकी पिछले 6 महीनें में मुख्यमंत्री से मुलाकात ही नहीं हुयी है। उन्होंने सदैव क्षेत्र की जनता के हित में काम करते रहने की प्रतिबद्धता की बात कही। जनता के हित के लिये यदि उन्हे जल भी जाना पड़े तो वो इसके लिये तैयार हैं।

एमएलए ने राज्य सरकार की प्रशंसा के बांधे पुल

प्रेस कॉन्फ्रेन्स की शुरूआत में विधायक डॉ. बनावत ने राज्य सरकार कार्यकाल के करीब एक साल पूरा होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सूबे के मुखिया भजनलाल शर्मा की तारीफों के पुल बांधे। विधायक ने बताया कि सरकार की बजट घोषणाओं में भी क्षेत्र के विकास के लिये कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। बयाना व रूपबास दोनों उपखण्ड क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिये राशि आवंटन किया गया है। किसानों को बिजली के मुद्दे पर क्षेत्र के गाँव सूपा में 220 केवी जीएसएस बनाये जाने से क्षेत्रवासियों एवं किसानों को गुणवत्ता पूर्ण बिजली मिल सकेगी।

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। कोटपूतली के ग्राम कंवरपुरा में रविवार को प्रतिवर्ष की भांति सेवानिवृत कर्मचारी संघ द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर कक्षा 10 व 12 में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विधार्थियों को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. आर. पी. यादव ने प्रतिभाओं को पढ़-लिखकर जीवन में अच्छे मुकाम पर पहुंचने की प्रेरणा दी। अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह यादव ने की। जबकि विशिष्ठ अतिथि उपभोक्ता न्यायिक मंच के अध्यक्ष सुबेसिंह यादव रहे। संघ अध्यक्ष रमेश हवलदार, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार, सचिव शंकरलाल यादव व सांवलराम यादव आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

ग्राम चतरपुरा मे सामजिक कुरूतियो को लेकर सैनी समाज की बैठक आयोजित

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। कोटपूतली-बहरोड जिले ग्राम चतरपुरा के श्री श्याम मंदिर मे सैनी समाज की बैठक हजारीलाल सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में समाज में फैली कुरूतियो पर चर्चा की गयी और इन कुरूतियो पर अंकुश लगाने का आहवान किया गया।वही बैठक को सैनी महासभा जिलाकोटपूतली-बहरोड के जिलाध्यक्ष बबलू बबेरवाल,सैनी महासभा समिति बानसूर अध्यक्ष सुरेश चन्द सैनी,पावटा अध्यक्ष प्रहलाद सैनी,नारायणपुर अध्यक्ष पप्पू राम सैनी,बानसूर पूर्व अध्यक्ष धर्मचन्द सैनी,हनुमान सैनी, चतरपुरा अध्यक्ष फुलचन्द सैनी,बानसूर सचिव कुलदीप सैनी आदि ने बैठक को सम्बोधित करते हुए समाज हित में अपने विचार रखे इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी के संरक्षक रामरतन सैनी, कोषाध्यक्ष गंगाराम सैनी,सचिव संजय दहिया,महासचिव आनंद सैनी, सुभाषजमालपुरिया, पत्रकार बिल्लूराम सैनी,सुगन सैनी, जीवण सैनी चतरपुरा,हरिराम सैनी,बबलू सैनी,बुधराम सैनी,हनुमान सैनी, पप्पू सैनी,गुलाब चन्द,सुखराम सैनी,रमेश गुरूजी,मदन लाल सैनी आदि सैकड़ो समाज के लोग मौजूद रहे।

मेवाड़ पॉलीटेक्स को मिला तीसरी बार बेस्ट एम्पालयर का पुरस्कार

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। द एम्पालयर एसोसिएशन ऑफ राजस्थान की ओर से जयपुर में आयोजित एक समारोह में उदयपुर के मेवाड़ पॉलीटेक्स लि. को लगातार तीसरी बार बेस्ट एम्लायर ऑफ़ द ईयर -2024 पुरस्कार से, उप मुख्यमंत्री दीयाकुमारी द्वारा सम्मानित किया गया। मेवाड़ पॉलीटेक्स की ओर से यह पुरूस्कार प्रबन्ध निदेशक संदीप बापना एवं शिल्पा बापना ने प्राप्त किया।

सद्भावना एवं सदाचार का प्रतीक है स्काउट

बढ़ता राजस्थान

सरदारशहर(सुरेश लाटा)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय चूरू के तत्वाधान में जिला स्तरीय स्काउट गाइड डायमंड जुबली मिनी जम्बुरी आयोजन के तीसरे दिन प्रात: कालीन सत्र में अभिषेक पारीक अध्यक्ष युवा शक्तिमंच किशोरसिंह राठौड़, मुकेश जोशी आदि द्वारा ध्वजा रोहण किया गया ।सी ओ स्काउट महीपालसिंह ने बताया कि रविवार को जंबूरी में विभिन्न प्रतियोगिताएं जिसमें क्विज प्रतियोगिता, विचित्र वेशभूषा एथेनिक फैशन शो आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। संघ के सचिव बाबूलाल स्वामी ने बताया कि स्काउट गाइड द्वारा नगर भ्रमण किया गया जो एस बी डी राजकीय महाविद्यालय से रवाना होकर गांधी चौक होते हुए कंदोई बगीची में समापन हुआ ।इस अवसर पर शहर वासियों द्वारा स्काउट गाइड पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। रैली को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोककुमार पारीक पीएमओ डॉ विकास सोनी, सुजानगढ़ मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी संदीप व्यास आदि अतिथियों द्वारा हरि झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया गया । पूरे दिन में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें स्काउट गाइड ने बढ चढकर भाग लिया। रात्रि को शिविर ज्वाला का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

प्रत्येक राजस्थानी सिंगर लोग लाइन लोक नृत्य आदि की प्रस्तुति दी गई। निर्णायक की भूमिका में सत्यनारायण स्वामी, सुरेशचंद्र शर्मा, मदनसिंह रायका, गोविंदप्रसाद गौड़, विनोद मीणा, इंदुबाला वर्मा, निशा माली, सरोज पारीक, ललित वर्मा, खिराज भाकर, दिनेश मैरोलिया, अरुण शर्मा, राजेश बसेरा, मीनाक्षी अग्रवाल, मनीराम स्वामी, नारायण लाटा, अजीतसिंह, रतनलाल घिंटाला, बलवंतसिंह आदि के द्वारा निर्णायक की भूमिका निभाई गई ।

स्काउट गाइड संघ जंबूरी का नगर भ्रमण में स्वागत

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड संघ चूरू के तत्वावधान में सरदारशहर में 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित डायमंड जुबली मिनी जंबूरी 2024 के अन्तर्गत नगर भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें लगभग 2500 के करीब स्काउट एवं गाइड रेंजर्स द्वारा नगर भ्रमण किया गया। स्काउट गाइड संघ रैली तिरंगा स्टेडियम से रवाना होकर कंदोई बगीची पहुंची, गोपीनाथ मन्दिर के पास युवा शक्ति मंच संस्था के द्वारा ढ़ोल बाजों के साथ स्काउट गाइड रैली पर पुष्प वर्षा की गई । सभी बच्चों को टोफीया वितरण कर जलपान की व्यवस्था की रखी गई ।स्काउट गाइड संघ के सीओ महीपालसिंह, सचिव बाबूलाल स्वामी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष अभिषेक पारीक, सचिव रविश सुथार,अरूण पुलासरीया ,महेश सुथार,कन्हैयालाल माली आदि उपस्थित रहे।

चाकसू में महा मस्तकाभिषेक के लिये शशांक महाराज को श्री फल भेंट

बढ़ता राजस्थान

चाकसू (गिरिराज प्रसाद शर्मा)। अक्षय निधि आदेश्वर धाम चाकसू में 25 दिसंबर को आयोजित होने वाले महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम के लिए रविवार को सकल जैन समाज चाकसू द्वारा आचार्य श्री 108 शशांक सागर महाराज को वरुण पथ मानसरोवर जाकर श्रीफल भेंट किया । इस अवसर पर आचार्य ने 25 दिसंबर के कार्यक्रम हेतु अपना सानिध्य प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की । जैन बन्दुओ के अनुसार आगामी 25 दिसंबर को महामस्तका अभिषेक कार्यक्रम का भावी आयोजन किया जाएगा ।

दो दिवसीय कार्यक्रम 24 व 25 दिसंबर को होगा। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज चाकसू के दिनेश बडजात्या,प्रवीण शाह ,वीरेंद्र बोहरा, राजेंद्र छाबड़ा, अनिल बडजात्या, कन्हैया सांवलिया वाले ,ज्ञानचंद सोगानी एवं सुरेश अजमेरा ,विजय गोधा,विमल काला भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

धौलपुर-करौली हाईवे पर हुआ बड़ा गड्ढा लोहे के सरिए दे रहें हैं हादसों को न्योता, पेड़ लगाने का काम भी अटका

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (नि.स.)। धौलपुर-करौली हाईवे संख्या 11क्र पर भमाये पुल में एक बड़ा गड्ढा हो गया है। जिससे हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है। हाईवे पर दो जगह टोल टैक्स वसूले जाने के बाद भी किसी ने गड्ढे की सुध तक नहीं ली हैं। जिससे लोगों में रोष व्याप्त है।सरमथुरा उपखंड क्षेत्र के गांव सुनकई के पास स्थित भमाये पुल पर पिछले कई दिनों से एक बड़ा गड्ढा बना हुआ है। जिससे सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रशासन की ओर से इस गड्ढे को सुधारने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है, जबकि गड्ढे में लोहे के सरिया के टुकड़े निकल आए हैं। जिससे वाहनों के टायर क्षतिग्रस्त होने की संभावना बनी रहती हैं। पूल क्रॉस करते वक्त वाहन में बैठे यात्रियों को झटका लग रहा है। बाड़ी से करौली तक के नेशनल हाईवे 11क्र पर यात्रा करते समय यात्रियों को दो बार टोल टैक्स का भुगतान करना पड़ता है, लेकिन सरकार की बेहतर सुविधाएं देने की योजना अब तक पूरी नहीं हो पाई है। इसके अलावा, धौलपुर से करौली तक सड़क पर 55 हजार पेड़ लगाने का काम भी अभी तक अटका हुआ है। सड़क के किनारे सेफ्टी ग्रिल्स और गांवों के नाम के बोर्ड नहीं लगाए गए हैं। वहीं, मोड़ों पर झाड़ियां खड़ी होने से दृश्यता में रुकावट आती है।

क्षेत्र की समस्याओं व सेवा आश्रम को लेकर राज्यसभा सांसद तिवाड़ी से शिष्टाचार भेंट की

बढ़ता राजस्थान

चाकसू (गिरिराज प्रसाद शर्मा)। चाकसू क्षेत्र एवं आस पास की समस्याओं व अयोध्या स्थित श्री नरबदा बाई सेवा आश्रम को लेकर रविवार को भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी से भाजपा के विशेष संपर्क प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अवधेश शर्मा ने उनके जयपुर निवास पर शिष्टाचार भेंट की तथा क्षेत्र की समस्याओं से अवगत करवाया। शर्मा ने बताया कि ग्राम दयापुरा से लेकर बाईपास तक रास्ता काफी खराब होने से आना-जाना मुश्किल भरा है। एवं परेशानी बनी रहती है वहीं क्षेत्र में पानी की समस्या रहती है आसपास के क्षेत्र में बीसलपुर पेयजल योजना का पूरी तरह से पानी नहीं मिल पा रहा है जिससे कि क्षेत्र के लोग परेशान हैं ऐसी ही समस्याओं को लेकर भाजपा के विशेष संपर्क प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अवधेश शर्मा राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी से मिले इस पर राज्यसभा सांसद तिवाड़ी ने आश्वासन देते हुए जल्द ही समस्याओं का निराकरण करने एवं क्षेत्र का दौरा करने तथा कार्यकर्ताओं से भेंट करने की बात कही। वही राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने अयोध्या में हाल ही में नवनिर्मित श्री नरबदा बाई सेवा आश्रम की जानकारी भी ली तथा वहां पर श्रीरामलला दर्शन के लिए जाने वाले लोगों को आश्रम का लाभ मिले इस विषय पर चर्चा की। तथा श्री नरबदा बाई सेवा आश्रम के अध्यक्ष अवधेश शर्मा को निर्देशित किया कि राजस्थान व जयपुर से जाने वाले यात्रियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए रामलला दर्शन के दौरान वहां पर ठहरने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वही अवधेश शर्मा ने हाल ही में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी को राजस्थान प्रदेश संगठन चुनाव में पारदर्शिता हेतु भारतीय जनता पार्टी प्रदेश पुनर्विचार समिति के प्रदेश संयोजक बनाए जाने पर बधाई दी तथा संगठन चुनाव को लेकर चर्चा की।

तरबूज़ में प्राकृतिक वियाग्रा जैसे गुण : डॉ.लियाकत अली मंसूरी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। ऐसे कई प्राकृतिक खाद्य पदार्थ हैं जो इरेक्टाइल डिसफंक्शन (ईडी) में मदद कर सकते हैं या कामेच्छा को बढ़ा सकते हैं, इस तरह के फल जैसे 1. तरबूज़ ,2. मैका जड़ वाली सब्जी जो सेक्स ड्राइव और ई.डी.में मदद करती है, 3. ज़िंकगो बिलोबा जड़ी बूटी जननांगों में रक्त प्रवाह को बढ़ा कर ई.डी. में मदद करती हैं , 4. योहिंबाईन भी ई.डी.में मदद करती हैं , 5. एल.आर्जिनीन एक एमिनो एसीड है जो मछली, मांस, नट्स जैसे खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक रूप से पाया जाता हैं ।

तरबूज में सिट्रूलिन नामक एमिनो एसिड भरपूर मात्रा में होता है जो हमारे शरीर में रक्त प्रवाह को बढ़ाकर पुरुषों की शारीरिक क्षमता को बढ़ाता हैं और रक्तचाप को कम करता है , तरबूज में मौजूद लाइकोपीन से दिल को लाभ मिलता है जैसे दिल के दौरे के जोखिम को कम करता हैं तरबूज का सेवन करने से पुरुषों में प्रोस्टेट की समस्या जैसे कैंसर में भी राहत देता है। तरबूज़ में मौजूद सिट्रूलिन नामक एमिनो

एसिड और लाइकोपीन एक एंटीऑक्सीडेंट है,जो पुरुष प्रजनन स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर डाल सकता है। तरबूज़ के एंटीऑक्सीडेंट गुणों से शुक्राणु की गुणवत्ता, पुरुष यौन रोग, और अंडकोष के विकास में सुधार करता है। तरबूज के बीज खाने से स्पर्म संख्या बढ़ती है। तरबूज़ में इम्यूनिटी बढ़ाने का भी गुण है। तरबूज़ डिहाइड्रेशन , ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। तरबूज़ में बीटा केरोटिन होने से आंखों , दांतों और मसूड़ों की सेहत अच्छी रहती है। त्वचा, और बालों के लिए अच्छा होता है। तरबूज कम कैलोरी वाला फल और विटामिन, और ष्ट और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता हैं। इसमें 92प्रतिशत पानी और 6प्रतिशत चीनी होती है। यह शरीर को हाइड्रेट रखता है और द्रव प्रतिधारण को नियंत्रित करता है। तरबूज़ में पोटैशियम, राइबोफ्लेविन, आयरन, कैल्शियम, ज़िंक, फ़ाइबर, नियासिन जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। तरबूज़ में मौजूद लाइकोपीन एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। तरबूज़ खाने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है और मांसपेशियां मज़बूत होती हैं।

तरबूज़ में फाइबर होने से कब्ज़ की समस्या दूर करता है। तरबूज़ खाने से शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और थकावट दूर होती है। तरबूज़ खाने से शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है।

अन्य उपाय जो ई.डी.में मदद करते हैं

नियमित व्यायाम करना , स्वस्थ और पोषक आहार लेना ,धूम्रपान और शराब का सेवन कम करने से भी ईडी में मदद कर सकता है। साथ ही तनाव कम करने एवं नींद पूरी लेने से ई.डी.में मदद मिलती है।

निषेधता

रात के समय तरबूज खाना अवॉयड करना चाहिए, क्योंकि इससे कई तरह की सेहत से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। रात को तरबूज खाने से अपच की समस्या हो सकती है। साथ ही ऐंठन भी महसूस होती रहती है। यह पाचन क्रिया को धीमा कर गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी की वजह बन सकता है।

डॉ. लियाकत अली मंसूरी
(यूनानी चिकित्सक एवं हिजामा स्पेशियलिस्ट)
सवाई मानसिंह अस्पताल,
जयपुर (राजस्थान)

॥ श्रद्धांजली ॥

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हेमेन्द्र (हेमू) के पुज्यनीय पिताजी **श्रीमान महेश जी शर्मा (वरिष्ठ अध्यापक)** का आकस्मिक निधन दिनांक 30.11.2024 को हो गया है। जिनकी तिये की बैठक 02.12.2024 को दोपहर 2 से 3 बजे तक निज निवास देवनारायण कॉलोनी बड़े बालाजी के पिछे चाकसू में रखी गई है ।

शोकाकुल परिवार
सुरेश चन्द,दामोदर प्रसाद (से. नि .प्र.अध्यापक),
भगवान सहाय, रामबाबू,घनश्याम,(भ्राता)। एवं समस्त कौरक
तिवाड़ी सांवलिया वाले चाकसू।
9413462393, 8104286471

सम्पादकीय

महिलाएं जीत की गारंटी बनीं

क्या आपको लगता है कि हमारे राजनेता जन-कल्याण में पर्याप्त ध्यान नहीं लगाते? वे चुनाव के समय सामाजिक दरारों को चौड़ा कर वोट जुटाते हैं और फिर उस वोट बैंक को बिसरा देते हैं? एक लोकप्रिय शोशा यह भी है कि राजनीति जन समस्याओं के समाधान के बजाय सिर्फ सत्ता प्राप्ति का जरिया बन चुकी है?

इन सवालों का जवाब देने के लिए मैं आपको पिछले साल, यानी 2023 में वापस ले चलना चाहता हूं। उन दिनों मध्य प्रदेश में सत्ता-विरोधी लहर आसमान छू रही थी। उन्हीं विपरीत परिस्थितियों में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अचानक 'लाडली बहना योजना' की शुरुआत की और सारी 'एंटी इनकंबेंसी' हवा हो गई। वह तीसरी बार चुन लिए गए। यह बात अलग है कि भाजपा ने उनकी जगह भोपाल में नए नेतृत्व को मौका देना बेहतर समझा। इसके पहले हुए हिमाचल और कर्नाटक के चुनावों में भी कांग्रेस सिर्फ इसलिए वापसी कर सकी, क्योंकि उसने महिलाओं के लिए नई कल्याणकारी योजनाओं का वायदा किया था।

चुनावी लड़ाइयों में अमोघ अस्त्र बन चुकी इन योजनाओं को वर्ष 2001 के तमिलनाडु चुनावों में जयललिता जयराम ने शुरू किया था। महिलाओं पर चले गए इस दांव से चेन्नई के सत्ता-सदन में उनकी जबरदस्त वापसी हुई थी। उनके बाद नीतीश कुमार ने इस जादुई मंत्र को आत्मसात किया। साल 2006 में उनकी सरकार ने फैसला किया कि कक्षा नौ में पढ़ने वाली सभी छात्राओं को साइकिल दी जाएगी। बिहार को जानने वाले जानते हैं कि वहां बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालयों की कमी है। छोटी बच्चियों को प्राइमरी स्कूल के बाद आस-पास के गांवों में स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालयों में जाना पड़ता है। अक्सर उनकी पढ़ाई छूट जाती थी, क्योंकि घर में किसी सदस्य के पास प्रतिदिन उन्हें दूसरे गांव ले जाने और लाने की फुरसत नहीं होती थी। इस पुराने सिलसिले ने महिलाओं को पीछे धकेल दिया था। सरकार से मिली साइकिल ने उन्हें बंधन मुक्त कर दिया। मैंने खुद बिहार की सड़कों पर दर्जनों बच्चियों को खिलखिलाते हुए साइकिल पर स्कूल आते-जाते देखा है। वे पढ़ रही थीं, खुली हवा में सांस ले रही थीं और अपने अंदर इस विश्वास को संजो रही थीं कि वे एक नए बिहार की संरचना करेंगी। साइकिल योजना के लागू होने से पहले और बाद के बिहार में यदि सरकारी कार्यालयों में पुरुषों और महिलाओं के अनुपात, शिक्षा दर और अन्य सामाजिक पैमानों पर आपत्तियों की भागीदारी आंकें, तो आश्चर्य में पड़ जाएंगे। सन् 2010 के चुनाव में बिहारी पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं की भागीदारी अधिक रही। चुनाव आयोग के आंकड़े गवाह हैं कि 51.12 प्रतिशत पुरुषों ने और 54.49 फीसदी महिलाओं ने वोट डाले। बिहार के सामाजिक समीकरण ऐसे हैं कि नीतीश कुमार को सत्ता की सीढ़ी बिछाने के लिए भारतीय जनता पार्टी या अपने पुराने दोस्त लालू प्रसाद यादव की पार्टी का सहारा लेना पड़ता है। नीतीश कुमार अकेले सत्ता हासिल नहीं कर सकते, लेकिन उनके बिना ये दोनों पार्टियां भी हुकूमत में आने की स्थिति में नहीं हैं। इसी का नतीजा है कि एक छोटे अंतराल को छोड़ नीतीश कुमार तो 19 वर्षों से 1, अणे मार्ग पर काबिज हैं। अप्रैल 2016 में शराबबंदी का निर्णय कर वह आधी आबादी के और अधिक दुलारे बन चुके हैं।

क्यों बढ़ रही है देश में वर्ष दर वर्ष आत्म हत्याओं की घटनाएं?

हाल ही में राजधानी दिल्ली में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। 30 साल के अमित कुमार मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज से डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहे थे। अमित कुमार ने हॉस्टल के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

अशोक भाटिया

एक रपट में कहा गया है कि हमारी शिक्षा प्रणाली में अंकों पर जोर दिया जाता है। इसमें माता-पिता का दबाव, स्वयं तथा शैक्षणिक संस्थाओं से की जाने वाली अपेक्षाएं अंततः आत्महत्या का कारण बनती हैं। भारत के उन्नीस राज्यों में विश्लेषण से पता चला कि करीब बीस फीसद कालेज छात्र इंटरनेट के आदी हैं, जिनमें से एक तिहाई युवा साइबर ठगी का शिकार होते हैं और उसमें से एक तिहाई आत्महत्या कर लेते हैं। राजस्थान के कोटा शहर में तो छात्रों की आत्महत्या की लगातार बढ़ती घटनाओं से हर कोई आहत है, जहां नीट, जेईई तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए आने वाले छात्र निरंतर जान देते रहे हैं। ऐसी घटनाओं को रोकना सरकार और प्रशासन दोनों के लिए बहुत बड़ी चुनौती है।

हाल ही में 28 अगस्त, 2024 को एनसीआरबी के आंकड़ों के आधार पर 'छात्र आत्महत्याएं- भारत में फैली महामारी' नामक रपट जारी की गई, जिसमें चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। इस रपट के अनुसार किशोरों में आत्महत्या का कारण मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं (54 फीसद), नकारात्मक पारिवारिक मुद्दे (36 फीसद), शैक्षणिक तनाव (23 फीसद), सामाजिक और जीवनशैली कारक (20 फीसद), हिंसा (22 फीसद), आर्थिक संकट (9.1 फीसद) और भावनात्मक संबंध (9 फीसद) हैं। शारीरिक और यौन शोषण, कम उम्र में विवाह, कम उम्र में मां बनना, घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव आदि कई ऐसे कारण हैं, जिनके चलते युवा लड़कियां आत्महत्या कर लेती हैं।

इंटरनेट पर जब ढूंढेंगे तो छात्रों की आत्महत्या के ढेरों मामले मिल जाएंगे. लेकिन छात्रों की आत्महत्या को लेकर अब जो नया खुलासा हुआ है, वो वाकई चौंकाने वाला है.एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में आबादी इतनी तेजी से नहीं बढ़ रही, जितनी तेजी से छात्रों की आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं. इससे पता चलता है कि भारत में छात्रों में सुसाइडल टेंडेंसी तेजी से बढ़ रही है। दरअसल हमारे देश ही नहीं, पूरी दुनिया में अकेलेपन, अवसाद और आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। बल्कि यूं कहना ठीक होगा कि आत्महत्या एक महामारी का रूप धरती जा रही है। लोग कई वजहों से आत्महत्या करते हैं, ऐसे में अगर उन्हें समय रहते पेशेवर सहायता मिल जाए, दोस्त-परिवार वाले उनकी मदद करें तो हम आत्महत्या के मामलों को कम कर सकते हैं। पिछले साल दुनियाभर में आठ लाख लोगों ने आत्महत्या की और हमारे देश में 1,64,033 ने आत्महत्या करके अपनी जान गंवाई।

समाज विज्ञान के जानकारों के अनुसार बढ़ती महंगाई तथा आम आदमी की लगातार घटती कमाई आत्महत्या के मामले बढ़ने का प्रमुख कारण है। दरअसल कमाई कम होने या रोजगार नहीं होने के कारण लोगों में तनाव बहुत बढ़ गया है, जिससे बहुत से मामलों में पारिवारिक क्लेश पैदा होता है और परिणामस्वरूप आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। वर्ष 2016 में जहां आत्महत्या के कुल 1064033 मामले दर्ज हुए थे और 2017 में 1.29 लाख लोगों ने आत्महत्या की थी, वहीं 2017 से 2021 तक ये मामले 26 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 1.64 लाख से भी ज्यादा हो गए।

गैर-लाभकारी संस्था ढ्ढष्३ की एक नई रिपोर्ट ने भारत में छात्र आत्महत्याओं में खतरनाक वृद्धि पर प्रकाश डाला है, जिसमें खुलासा हुआ है कि महाराष्ट्र ऐसी घटनाओं की सबसे अधिक संख्या वाला राज्य बनकर उभरा है। रिपोर्ट, जिसमें 2021 और 2022 के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया, में पाया गया कि इस अवधि के दौरान छात्र आत्महत्याओं की कुल संख्या में थोड़ी कमी आई थी , लेकिन पिछले दो वर्षों में इन दुखद घटनाओं की दर में लगातार वृद्धि हुई है। तमिलनाडु और मध्य प्रदेश आत्महत्या के मामलों में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पूरे भारत में ऐसे 1,64,033 मामले दर्ज किए गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार ये आंकड़े सामने आए हैं। पेशे या करियर से संबंधित समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत और वित्तीय नुकसान देश में आत्महत्या की घटनाओं के मुख्य कारण हैं। आत्महत्या करने वालों में करीब 64 फीसदी यानी 1.05 लाख लोग ऐसे हैं, जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम थी।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक बीते वर्ष देश में कुल 164033 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें से 118979 पुरुष, 45026 महिलाएं और 28 ट्रांसजेंडर थे। आत्महत्या करने वाली आधी से भी ज्यादा 23178 गृहिणियां थी जबकि 5693 छात्राओं और 4246 दैनिक वेतनभोगी महिलाओं ने आत्महत्या की। गृहिणियों द्वारा आत्महत्या के सर्वाधिक मामले तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में क्रमशः 3221, 3055, 2861 दर्ज किए गए, जो गृहिणियों द्वारा की गई आत्महत्या के मामलों का क्रमशः 13.9, 13.2 और 12.3 फीसदी है। आत्महत्या के मामलों में महिला पीड़ितों का अनुपात दहेज जैसे विवाह संबंधी मुद्दों, नपुंसकता और बांझपन में अधिक देखा गया। पेशेवर समूहों में स्वरोजगार करने वालों में भी आत्महत्या के मामले करीब 16.73 फीसदी बढ़े हैं। देश में 2020 में आत्महत्या के कुल 153052 मामले दर्ज हुए थे और 2021 में आत्महत्या की दर में 7.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई।एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 33.2 फीसदी लोगों ने पारिवारिक समस्याओं के कारण जबकि 18.6 फीसदी ने बीमारी के कारण मौत को गले लगाया। आत्महत्या के अन्य मुख्य कारणों में 6.4 फीसदी मादक पदार्थों का सेवन और शराब की लत, 4.8 फीसदी विवाह संबंधी मुद्दे, 4.6 फीसदी प्रेम प्रसंग, 3.9 फीसदी दिवालियापन या कर्ज, 2.2 फीसदी बेरोजगारी, 1.6 फीसदी पेशेवर कैरियर की समस्या, 1.1 फीसदी गरीबी और 1 फीसदी परीक्षा में असफलता शामिल रहे।

आत्महत्या करने वालों में 18-30 वर्ष से कम आयु वर्ग के 34.5 फीसदी और 30-45 वर्ष से कम आयु के 31.7 फीसदी लोग शामिल हैं जबकि 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में 3233 आत्महत्याएं पारिवारिक समस्याओं के कारण, 1495 प्रेम संबंध और 1408 बीमारी के कारण हुई। एनसीआरबी के मुताबिक महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक केवल इन पांच राज्यों में ही देशभर में आत्महत्या के कुल मामलों में से 50.4 फीसदी मामले दर्ज हुए जबकि 49.6 फीसदी मामले 23 अन्य राज्यों और 8 केन्द्रशासित प्रदेशों में सामने आए। पिछले एक साल में उपरोक्त पांच राज्यों में क्रमशः 22207, 18925, 14965, 13500, 13056 लोगों ने आत्महत्या की, जो कुल मामलों का क्रमशः 13.5, 11.5, 9.1, 8.2 और 8 फीसदी है। प्रति एक लाख की आबादी पर आत्महत्या के मामलों की राष्ट्रीय दर हालांकि 12 रही लेकिन कुछ राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में स्थिति बेहद चिंताजनक है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में यह दर 39.7, सिक्किम में 39.2, पुडुचेरी में 31.8, तेलंगाना 26.9 और केरल में 26.9 दर्ज की गई।

एनसीआरबी की रिपोर्ट में दिहाड़ी मजदूरों और कृषि श्रमिकों की आत्महत्या के मामले भी मन को विचलित करने वाले हैं। रिपोर्ट में यह चिंताजनक खुलासा हुआ है कि देशभर में आत्महत्या करने वालों में सबसे ज्यादा 25 फीसदी लोग दिहाड़ी मजदूर ही थे। 2020 में जहां कुल 33164 दिहाड़ी मजदूरों ने जीवन की परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का रास्ता चुना, वहीं 2021 में कुल 42004 दिहाड़ी मजदूरों ने खुदकुशी की। कृषि क्षेत्र से संबद्ध कुल 10881 लोगों ने आत्महत्या की, जो कुल मामलों का 6.6 फीसदी है। इनमें 2019 में 5957 और 2020 में 5579 किसानों की आत्महत्या के मुकाबले यह आंकड़ा 2021 में कम होकर 5318 दर्ज हुआ लेकिन कृषि श्रमिकों में आत्महत्या की दर लगातार बढ़ रही है। 2021 में कुल 5563 कृषि श्रमिकों ने आत्महत्या की और उनकी आत्महत्या की दर 2020 के मुकाबले 9 फीसदी और 2019 के मुकाबले 29 प्रतिशत अधिक रही। बीते वर्ष के दौरान हर दो घंटे में कम से कम एक कृषि श्रमिक ने मौत को गले लगाया। एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक, किसान वह है, जिनका व्यवसाय कृषि है और जो अपनी जमीन पर खेती करते हैं या पट्टे की जमीन पर बिना कृषि मजदूरों की मदद के खेती करते हैं जबकि कृषि श्रमिक वे हैं, जो मुख्यतः कृषि क्षेत्र में काम करते हैं और उनकी आय का स्रोत कृषि मजदूरी है। एनसीआरबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि विगत दो वर्षों के दौरान जब कई आर्थिक गतिविधियां बंद हो गई और शहरों से गांवों की ओर पलायन हुआ, तब कई दिहाड़ी मजदूरों ने कृषि श्रमिक के रूप में भी काम किया क्योंकि उनके आय के अन्य स्रोत बंद थे।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताप और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

वृष

निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी। किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा।

मिथुन

आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। बेवजह किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं।

कर्क

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट आदि से बड़ा फायदा हो सकता है। परिवार की चिंता बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

सिंह

विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे।

कन्या

मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। लेन-देन में लापरवाही न करें।

तुला

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी।

वृश्चिक

यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। झंझटों में न पड़ें। शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

धनु

सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा।

मकर

स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। नौकरी व निवेश में इच्छा पूरी होने की संभावना है। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी।

कुंभ

प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मीन

सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

शख्सियत

बढ़ता राजस्थान

नमस्कार मित्रों हमारे आज के शख्सियत कॉलम के स्टार हैं दौसा जिले में जन्में राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी अनिल डोरिया।

एमएससी रसायन विज्ञान के विभाग रसायन शास्त्र राज यूनिवर्सिटी से सबसे पहले 1999 में सूरतगढ़ में जूनियर केमिकल इंजीनियर के रूप में सेवा में शामिल हुए फिर वहां से परिवार के कहने पर 1 दिसंबर 1999 को पुलिस में बतौर सबइंस्पेक्टर ज्वॉइन किया।जयपुर में मानसरोवर,शिप्रापथ,झोटवाड़ा,माणक चौक व आमेर में एसआई रहे।

फिर 2007 में प्रमोशन होने पर इंस्पेक्टर बने और सवाईमाधोपुर में थानाधिकारी व यातायात प्रभारी थानाप्रभारी शहर। भरतपुर में यातायात प्रभारी क्राइम ब्रांच एसएचओ सेवर,जयपुर में एसएचओ दूदू फागी जमवा रामगढ़ ।

सीकर में थानेदार दांता रामगढ़ ,अलवर मे यातायात प्रभारी 2014 मे जयपुर में थानेदार ट्रांसपोर्ट नगर एसएचओ सदर रहे। फिर 2020 सीआई से आरपीएस प्रमोशन में सीओ पीटीएस अलवर, डीवाईएसपी सवाईमाधोपुर ग्रामीण,अभी सीओ उच्चैन भरतपुर सीएम साब के गृह विधान सभा क्षेत्र में पद को सुशोभित कर रहे हैं। बेहद जिन्दादिल अधिकारी हैं और सबसे बड़ी बात है कि पुलिस के माहौल में तनाव मुक्त रहकर कार्य करने का अद्भुत जज्बा है इनके पास। 2021 में इन्हे केंद्रीय गृह मंत्री का जांच उत्कृष्टता पदक मिला। कॉलम के माध्यम से सिर्फ एक संदेश लोगो से

अनिल डोरिया
डिप्टी एसपी

सिर्फ प्यार चाहिए बस क्यों कि यहीं है जिसके जरिए आपकी शख्सियत को याद किया जाता है।

दैनिक बढ़ता राजस्थान की टीम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

रूपक शर्मा

आज का इतिहास

2 दिसंबर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- 2008 – पंजाब नेशनल बैंक ने एफसीएनआर ब्याज दरों में कटौती की।
- 2007 – पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ ने 8 जनवरी के प्रस्तावित चुनावों को देखते हुए देश में विरोध प्रदर्शनों और रैलियों पर प्रतिबन्ध लगाया।
- 2006 – फिलीपींस में ज्वालामुखी का मलबा गिरने से 208 लोगों की मृत्यु तथा 261 लोग घायल।
- 2005 – पाकिस्तान सरकार ने मदरसों द्वारा धार्मिक नफ़रत फैलाने एवं आतंकवाद के लिए प्रेरणा देने वाले शिक्षा एवं साहित्य के प्रकाशन पर रोक के लिए क़ानून बनाया।
- 2003 – हेग स्थित संयुक्त राष्ट्र के युद्धापराध न्यायालय ने बोस्निया़ई सर्ब के पूर्व सैन्य कमांडर मोमिर निकोलिक को 1995 में हुए सर्बनिका नरसंहार में दोषी पाया गया और 27 साल कैद की सजा सुनाई।
- 2002 – प्रशान्त महासागर के बोरा-बोरा द्वीप में एक जलते यात्री जहाज़ %विडस्टार% से 219 लोगों को सुरक्षित बचाया गया।
- 1999 – भारत में बीमा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश को मंजूरी मिली।
- 1995 – बेरिंग्स बैंक कांड के चर्चित व्यक्ति निक लीसन को सिंगापुर के न्यायालय द्वारा साढ़े छह वर्ष की क़ैद की सज़ा।
- 1989 – विश्वनाथ प्रताप सिंह देश के सातवें प्रधानमंत्री बने।
- 1982 – स्पेन की प्रथम संसद में समाजवादी बहुमत एवं फ़िलिप गोंज़ालेज प्रधानमंत्री निर्वाचित।
- 1976 – फिदेल कास्त्रो क्यूबा के राष्ट्रपति बने।
- 1971 – संयुक्त अरब अमीरात ने ब्रिटेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की।
- 1965 – सीमा सुरक्षा बल की स्थापना हुई।
- 1942 – पांडिचेरी (अब पुडुचेरी) में श्री अरविंदो आश्रम स्कूल की स्थापना हुई जिसे बाद में श्री अरविंदो इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एजुकेशन के नाम से जाना गया।
- 1911 – जॉर्ज पंचम और क्वीन मैरी भारत आने वाले ब्रिटेन के पहले राजा,रानी बनें। उनके बंबई (अब मुम्बई) आगमन की याद में ही गेटवे ऑफ इंडिया बनाया गया।
- 1848 – फ्रांस जोसेफ प्रथम ऑस्ट्रिया के सम्राट बने।
- 1804 – नेपोलियन बोनापार्ट की फ्रांस के सम्राट के तौर पर ताजपोशी की गई।
- असम में दीफू रेलवे स्टेशन पर खड़ी लामडिंग तिनसुकिया मेल में धमाका हुआ, जिससे 2 की मृत्यु व 30 घायल हुए।

2 दिसंबर को जन्मे व्यक्ति

- 1988 – फैसल अली डार – मार्शल आर्ट प्रशिक्षक हैं।
- 1963 – शिवा अय्यदुरई – प्रसिद्ध भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक हैं।
- 1960 – जगत प्रकाश नड्डा – भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ व कद्दावर नेताओं में से एक हैं।
- 1953 – ओम प्रकाश रावत – भारत के 22वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे हैं।
- 1939 – अचला नागर, प्रसिद्ध फ़िल्म पटकथा लेखिका
- 1937 – मनोहर जोशी, प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष
- 1912 – बी. नागी रेड्डी, दक्षिण भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध निर्माता-निर्देशक
- 1901 – पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल – हिन्दी के ख्यातिप्राप्त साहित्यकार और विद्वान् आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के सहयोगी।
- 1886 – बाबा राघवदास – उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध जनसेवक तथा संत थे।
- 1855 – एन.जी. चन्दावरकर – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे।

2 दिसंबर को हुए निधन

- 2014 – देवेन वर्मा – हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध हास्य अभिनेता।
- 2012 – प्रीति गांगुली – हिंदी सिनेमा की चरित्र अभिनेत्री थीं।
- 1996 – मर्री चेन्ना रेड्डी – प्रांतीय कांग्रेस कमेटी के महामंत्री और पी.सी.सी. वर्किंग कमेटी के 30 वर्षों तक सदस्य।
- 1969 – क्लिमेंट वोरोशिलोव – सोवियत संघ के राष्ट्रपति थे।

विशेष आलेख

भारत का पुराना परीक्षा जुनून छात्रों के भविष्य को कैसे प्रभावित कर रहा है?

विजय गर्ग

भारत में परीक्षा के प्रति गहरा जुनून एक सांस्कृतिक और सामाजिक घटना है जिसने छात्रों, परिवारों और शैक्षिक प्रणालियों को लंबे समय तक प्रभावित किया है। इस परीक्षा जुनून की जड़ें इस विश्वास में हैं कि परीक्षा शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता का सबसे विश्वसनीय उपाय है। भारत की परीक्षा-केंद्रित शिक्षा प्रणाली छात्रों के व्यक्तिगत विकास, करियर विकल्पों और वैश्विक मांगों के प्रति अनुकूलन क्षमता को सीमित करती है। भारत भर में बड़ी संख्या में छात्र कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, जिस पर दबाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे देश में जहां कैट, एनईईटी और जेईई जैसी प्रवेश परीक्षाओं में सफलता अक्सर किसी के भविष्य को परिभाषित करती प्रतीत होती है, यह क्षण सब कुछ या कुछ भी नहीं जुआ जैसा लगता है। बहुत से लोगों के लिए, इन परीक्षाओं में असफलता जीवन में विफलता के बराबर होती है। हर साल, 10 लाख से अधिक छात्र जेईई मेन परीक्षा के लिए पंजीकरण करते हैं, जबकि एनईईटी और भी अधिक उम्मीदवारों को आकर्षित करता है, 2024 में 23.8 लाख पंजीकरण के साथ महिला उम्मीदवारों की संख्या पुरुषों से काफी अधिक है। करियर को आकार देने के लिए होने वाली ये परीक्षाएं बड़ी तनाव पैदा करने वाली बन गई हैं, छात्र भारी सामाजिक और पारिवारिक दबाव के तहत 14 या 15 साल की उम्र में ही तैयारी शुरू कर देते हैं। नीट 2024 जैसे विवादों से बढ़ी तीव्र प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता ने चिंताजनक मानसिक स्वास्थ्य संकट को जन्म दिया है। 2022 में, 13,000 से अधिक छात्रों की आत्महत्या की सूचना मिली, जो ऐसी सभी मौतों का 7.6 प्रतिशत है, जो सुधार की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है। लेकिन क्या अब इस आख्यान पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है? भारत की %परीक्षा संस्कृति% की लंबे समय से परीक्षण पर गहन ध्यान केंद्रित करने के लिए आलोचना की जाती रही है, अक्सर भावनात्मक कल्याण और व्यापक कौशल विकास की कीमत पर। वैकल्पिक शैक्षिक मार्गों और उद्योग-आधारित शिक्षा के उदय के बावजूद, यह धारणा कायम है कि परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना ही समृद्ध करियर का एकमात्र रास्ता है। यह न केवल असत्य है, बल्कि हानिकारक भी है, यह न केवल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है बल्कि उन्हें वास्तविक दुनिया कैसे काम करती है, इसके बारे में गलत दृष्टिकोण देता है। परीक्षा के दबाव की कीमत कोटा जैसे शहरों में, जिन्हें अक्सर भारत की %कोचिंग राजधानी% कहा जाता है, हर साल हजारों छात्र सुनहरे टिकट की तलाश में पलायन करते हैं, जो विशिष्ट संस्थानों में प्रवेश का वादा करता है। हाल की रिपोर्टों के अनुसार, कोटा में हर साल 200,000 छात्र आते हैं, जिससे 600 अरब रुपये से अधिक की कमाई करने वाले कोचिंग उद्योग को बढ़ावा मिलता है। फिर भी इस फलते-फूलते व्यवसाय के पीछे एक कड़वी सच्चाई है कि छात्र, जिनमें से कुछ 16 वर्ष की आयु के भी हैं, अत्यधिक दबाव झेलते हैं, अक्सर अपने मानसिक स्वास्थ्य की कीमत पर। एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले 30त्न छात्र गंभीर चिंता की शिकायत करते हैं, जिनमें से कुछ अवसाद के चक्र में गिर जाते हैं। संख्याएँ एक गंभीर तस्वीर पेश करती हैं, लेकिन अंतर्निहित मुद्दा और भी अधिक चिंताजनक है- छात्रों की एक बड़ी संख्या का मानना ??है कि परीक्षा में असफल होने का मतलब उनके भविष्य का अंत है। यह सच्चाई से दूर नहीं हो सकता है। 卐हमने एक ऐसी संस्कृति बनाई है जहां सफलता को परीक्षा के अंकों द्वारा सीमित रूप से परिभाषित किया जाता है, और यह अविश्वसनीय रूप से हानिकारक है।

परीक्षाएँ केवल एक रास्ता है, एकमात्र मार्ग नहीं। इन प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शीर्ष अंक प्राप्त किए बिना सार्थक और सफल करियर बनाने के अनगिनत तरीके हैं। फोकस की कमी ऐसा नहीं है कि परीक्षा की तैयारी करना कोई बुरी बात है. यह कड़ी मेहनत, अनुशासन और लचीलेपन के गुण पैदा करता है। लेकिन वास्तविक दुनिया में सफल होने के लिए और भी कौशल की आवश्यकता होती है। विश्व आर्थिक मंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, 75त्न भारतीय नियोक्ता अब समस्या-समाधान, आलोचनात्मक सोच और भावनात्मक कौशल जैसे कौशल को प्राथमिकता देते हैं।महज शैक्षणिक साख से अधिक बुद्धिमत्ता। 卐हम देख रहे हैं कि अधिक से अधिक कंपनियां इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं कि उम्मीदवार क्या कर सकते हैं, बजाय इसके कि उन्होंने कौन सी परीक्षा उत्तीर्ण की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं 185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*। प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो. 9414242258, 9214048888,जयपुर फोन नं.0141-2796794,795 टोंक कार्यालय-बाईपास निवाई, टोंक फोन नं.01432-244881 निवाई 01438-222201,202,203 अलवर कार्यालय-मेहताब सिंह का नोहरा,अलवर मो. 7733000123,कोटा कार्यालय-छावनी मेन रोड,कोटा मो.9414823448 । ई मेल-badhatarajasthan@yahoo.com *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार

फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखा धड़ी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

आरोपी को जयपुर के मानसरोवर से पकड़ा

राकेश शर्मा

सवाईमाधोपुर(बढ़ता राजस्थान)। कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। कोतवाली थानाधिकारी राजवीरसिंह ने बताया कि आरोपी महेश सोनी पुत्र राधेश्याम सोनी निवासी पुराना खण्डार रोड शहर है।

यह था मामला : 11 जनवरी 2024 को न्यायालय से पप्पी देवी पत्नी ओमप्रकाश नायक निवासी अम्बेडकर नगर कॉलोनी मोती नगर खैरदा से इस्तगासा मिला था। इसमें आरोपी ने कूटरचित दस्तावेज बनाकर प्रार्थीया को 2 लाख 45 हजार रुपए में एक प्लॉट बेचा था। आरोपी ने प्रार्थिया से रकम ले ली, लेकिन प्लॉट पर कब्जा नहीं दिया। इसके बाद थाना पुलिस ने धारा 420,406, 467,468 आईपीसी में दर्ज मामले की जांच की। जांच में आरोपी के खिलाफ अपराध प्रमाणित पाया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की।

पुलिस को चकमा देकर हो जाता था फरार : आरोपी बार-बार पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाता था। आरोपी की तलाश के लिए कई बार पुलिस की टीम गठित कर संभावित स्थानों पर दबिश दी। आरोपी चालाक प्रवृत्ति होने से संभावित स्थान पर नही मिलता और बार-बार अपने मोबाइल नम्बर बदल लेता था। आरोपी की तलाश के लिए जिला स्तर पर टीम गठित कर रवाना किया। आरोपी की कॉल डिटेल एवं मोबाइल लोकेशन के आधार पर टीम मानसरोवर जयपुर पहुंची। यहां पर आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली।

कोहरे में अब नहीं जमेगी रेलों की रफ्तार , रेलवे के पायलटों को मिले 451 फॉग सेफ डिवाइस

राकेश शर्मा

सवाई माधोपुर (बढ़ता राजस्थान)। कोहरे से ट्रेनों की रफ्तार अब नहीं थमेगी। गौरतलब है कि कोहरे से ट्रेनों की ना केवल रफ्तार थम जाती है, अपितु दृश्यता भी कम होने से दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। ऐसे में संभावित परेशानी से निपटने के लिए रेलवे की ओर से विशेष कवायद की जा रही है। कोटा मंडल की ओर से कोहरे के मौसम में संरक्षित रेल संचालन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत रेल संचालन से जुड़े कर्मचारियों को विशेष निर्देश के साथ ही जरूरी उपकरण भी दिए जा रहे हैं। सर्दियों के मौसम में कोहरे के दौरान लोको पायलटों को लोको में उपयोग के लिए 451 फॉग सेफ डिवाइस दिए गए है। साथ ही कोहरे के समय ट्रेनों की गति 60 से 75 किलोमीटर प्रति घंटे या अपने विवेकानुसार बनाए रखने के लिए निर्देशित किया है। इसके अलावा सिग्नलों की सूचना दर्शाने वाले बोर्डों की रंगाई, चमकीली पट्टी लगाने एवं दृश्यता कम होने पर स्टेशन मास्टरों की ओर से विजिबिलिटी टेस्ट ऑब्जेक्ट (वीटीओ) के उपयोग को भी कहा गया है। इससे लोको पायलटों को स्टेशन पास होने की जानकारी मिल सकेगी। वहीं ट्रैकमैन की ओर से लोको पायलटों को रास्ते में सिग्नल होने की चेतावनी देने के लिए पटाखे दिए गए हैं।

बाधित शब्द पहुंचा रहा है शहरवासियो को बाधा

अधिकारियो व कर्मचारियो का जमावड़ा होने के बावजूद शहरवासी पेयजल किल्लत का सामना करने को हैं मजबूर

कृष्णचन्द्र विजय

मालपुरा (बढ़ता राजस्थान)। मालपुरा जलदाय विभाग द्वारा आए दिन पेयजल सप्लाई के बाधित होने की जानकारी से शहरवासियो को काफी बाधा पहुंचा रही है। मालपुरा स्थित जलदाय विभाग में अधिशासी अभियन्ता से लेकर सहायक व कनिष्ठ अभियन्ताओं के सभी पदो पर अधिकारी कार्यरत रहने तथा तकनीकी कर्मचारियो की भारी भीड़ जमा होने के बावजूद जलदाय विभाग द्वारा आए दिन पेयजल सप्लाई बाधिक होने की जानकारी देकर शहरवासियो को सर्दी के दिनो में पेयजल की किल्लत झेलने को मजबूर कर रहा है। मालपुरा शहर में वैसे ही एक दिन छोड़ कर दूसरे दिन पेयजल सप्लाई हो रही है। शहर में पिछले लगभग 15 से अधिक वर्षो से यही क्रम चल रहा है। जबकि विभाग द्वारा पेयजल सप्लाई सुधार करने के नाम पर लाखो करोड़ो रूपये खर्च कर चुका है। लेकिन ने तो पेयजल प्रतिदिन हो पा रही है और न ही शहरवासियो को पेयजल के मामले में कोई राहत मिलती दिख रही है। जलदाय विभाग में अधिकारियो व तकनीकी कर्मचारियो का जमावड़ा होने के बावजूद विभाग के अधिकारियो द्वारा आए दिन पेयजल सप्लाई बाधित रहने की जानकारी दी जाती है लेकिन बाधित सप्लाई कब और किस समय दी जाएगी। अधिकारी तो सोशल मीडिया पर पेयजल सप्लाई के बाधित रहने की जानकारी देकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं लेकिन इस बार बार सामने आने वाले बाधित शब्द लोगो को केवल परेशानी में डालने के अलावा कुछ राहत देने वाला साबित नहीं हो रहा है। मालपुरा शहरवासीयो को एक दिन छोड़ कर दूसरे दिन मिल रही पेयजल सप्लाई को तो सहन करने आदत सी हो गई है। लेकिन इसमें भी बाधित रहना काफी कष्टदेने वाला व परेशानी वाला साबित हो रहा है। क्योंकि एक दिन छोड़ कर दूसरे दिन मिलने वाली पेयजल सप्लाई यदि बाधित रह जाती है तो फिर शहरवासियो को पेयजल की किल्लत व परेशानी का सामना करने को मजबूर होना पड़ता है। परेशानी भी क्यों न हो क्योंकि लोग दो दिन का पीने का पानी तो जमा कर लेते हैं लेकिन दूसरे दिन भी पानी उपलब्ध नहीं होने से लोग सोचने को मजबूर है कि आखिर कितने दिन का पीने का पानी जमा करें।

ट्रेन से गिरकर एक जने की मौत

राकेश शर्मा

सवाईमाधोपुर(बढ़ता राजस्थान)। रवांजना डूंगर थाने क्षेत्र के श्योपुरा गांव के पास ट्रेन से गिरने से एक जने की मौत हो गई। सूचना पर रवांजना डूंगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार मृतक दिनेश कुमार मीना पुत्र रामेश्वर लाल मीना निवासी लीलोटी थाना हिण्डौन सदर है।

भाजपा की संगठन पर्व कार्यशाला संपन्न सक्रिय सदस्यता पर जोर

भाजपा में कार्यकर्ता का सम्मान सबसे ऊपर, बूथ अध्यक्ष व शक्ति केन्द्र ही पार्टी की मजबूती का केंद्र : चन्द्रकान्ता

राकेश शर्मा

सवाई माधोपुर (बढ़ता राजस्थान)। भारतीय जनता पार्टी जिला सवाई माधोपुर की संगठन पर्व कार्यशाला रविवार को जिलाध्यक्ष सुशील दीक्षित की अध्यक्षता में आलनपुर रोड स्थित पैराडाइज मैरिज गार्डन में आयोजित हुई । जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि संगठन पर्व कार्यशाला आगामी दिनों में होने वाले बूथ स्तरीय चुनाव, मंडल स्तरीय चुनाव को लेकर आयोजित की गई । बैठक में मुख्य अतिथि संगठन पर्व अभियान की जिला प्रभारी चंद्रकांता मेघवाल, सहप्रभारी भवानी सिंह मीणा, संभाग सहप्रभारी सोमकांत शर्मा, जिला संगठन प्रभारी प्रणवेंद्र शर्मा, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, सभापति सुनील तिलकर और शिवरतन अग्रवाल, प्रधान मंजू गुर्जर, सदस्यता अभियान के संयोजक दीनदयाल अग्रवाल मंचासीन रहे। कार्यशाला को संबंधित करते हुए संभाग सहप्रभारी सोमकांत शर्मा ने कहा कि जिन भी मंडल पर सक्रिय सदस्यता का कार्य पूर्ण हो चुका है उसको तुरंत प्रभाव से जिले में जमा कराएं , जिससे उनका ऑनलाइन पंजीयन करवाया जा सके। साथ ही उन्होंने संगठन पर्व चुनाव हेतु नियुक्त किए मंडल प्रभारियों को आदेशित किया कि आगामी 5 दिवस में अपने अपने कार्यक्षेत्र में जाकर बूथ समिति के निर्माण हेतु बैठक सुनिश्चित करे । बैठक को प्रभारी और पूर्व विधायक चंद्रकांता मेघवाल ने भी संबोधित किया, उन्होंने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता का सम्मान सबसे ऊपर है, बूथ अध्यक्ष और शक्ति केंद्र हमारी पार्टी की मजबूती का केंद्र है । कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुशील दीक्षित ने कहा कि पार्टी ने अब तक अभियान के तहत जिले से एक लाख पीचेतर हजार ऑनलाइन सदस्य बना लिए है और साठ हजार से अधिक ऑफलाइन सदस्य बना लिए है ।

इस अवसर पर संगठन पर्व के जिला सहप्रभारी भवानी सिंह मीणा ने कहा कि बूथ का कार्यकर्ता ही बूथ को मजबूत करता है, बूथ अध्यक्ष संगठन का व्यक्ति हो, विचारधारा से जुड़ा हो, समर्पित व्यक्ति ही मंडलों में जाकर मंडल कार्यकारणी, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र की बैठक कर समर्पित कार्यकर्ता को जिम्मेदारी देवें । इस दौरान कार्यशाला में जिला महामंत्री हरिओम गर्ग, उदय सिंह गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष हनुमत दीक्षित, बलवीर सिंह, सत्यनारायण धाकड़, मानवेंद्र सिंह, जिला मंत्री पुष्कर जाट, हरफूल मरमट, हरिप्रसाद गुप्ता, मंडल अध्यक्ष नीलकमल जैन, श्रीचरण महावर, मनीष शर्मा, गंगाशंकर गौतम, बाबूलाल सैनी, नेमीचंद मीणा, नवीन शर्मा, सुधाकर त्रिपाठी, पुखराज सलेमपुर, सीताराम गुर्जर, शंकर सिंह नरूका, प्रेमपाल गुर्जर, लाखन मीणा, पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष बनवारी जाट, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष तनवीर अहमद, पूर्व जिला महामंत्री देवेंद्र सिंह राठौड़, लालचंद गौतम, रंगलाल गुर्जर, हरीबाबू जीनगर, रामकिशोर अग्रवाल, रितेश भारद्वाज, राजू दाधीच, कपिल जैन, पार्षद केदार सैनी, नीरज अकेला, शुभम भारद्वाज आदि भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे । कार्यशाला में मंच संचालन पूर्व सभापति कमलेश जेलिया ने किया ।

नटवाड़ा के अतिप्राचीन श्रीबद्री विशाल मंदिर में विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

पैदल यात्रियों समेत हज़ारों ग्रामीण भंडारे में हुए शामिल

बढ़ता राजस्थान

देवली (नि.स.)। टोंक जिले के नटवाड़ा ग्राम में स्थित अति प्राचीन भगवान श्री बद्री विशाल जी के मंदिर में भोग लगाकर हज़ारों श्रद्धालुओ के लिए भंडारे का आयोजन हुआ। मान्यता है कि कई वर्षों पहले दो व्यक्तियों द्वारा कमल पुष्प यहां लाया गया था जिसमें भगवान बद्री विशाल की मूर्ति निकली थी। वर्तमान में भगवान की सेवा करने वाले पुजारी जितेंद्र कुमार गोस्वामी ने बताया कि वर्षों पहले जो पुजारी यहां सेवा किया करते थे उनको रोज यहाँ चांदी का सिक्का पड़ा मिलता था। उन्ही सिक्को को बेचकर इस मंदिर का शुरुवाती निर्माण करवाया गया है। हालांकि बाद में प्रभु कृपा से जनसहयोग द्वारा भव्य मंदिर का निर्माण करवाया गया। बता दे कि यहां प्रतिवर्ष ग्राम शुकलपुरा से बद्रीनाथ नटवाड़ा तक पैदल यात्रा आती है इस पैदल यात्रा का नेतृत्व ग्राम के स्थानीय निवासी जगदीश शर्मा, रामकिशन शर्मा, रामविलास शर्मा कई वर्षों से करते आ रहे है वहीं पैदल यात्रा का नटवाड़ा पहुंचने पर विशाल भंडारा भी इन्ही के निजी खर्च पर किया जाता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त आध्यात्मिक गुरु भगवान गुरुकृपा संस्थान के संस्थापक पंडित मुकेश गौतम भी यात्रा में सम्मिलित हुए। जहां ग्रामीणों ने इनका माल्यार्पण कर दुपट्टा पहनाकर जोरदार स्वागत किया। भंडारे में हजारो लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। पूरा पांडाल भगवान श्री बद्रीनाथ के जयकारों से गूंज उठा।

विद्युत की लोड सेटिंग व ट्रेपिंग से मिलेगी निजात

केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के प्रयासो व अभिशंषा पर होगें 170 करोड़ रूपये के कार्य

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। मालपुरा टोडारायसिंह क्षैत्र में आए दिन विद्युत की लोड सेटिंग के नाम होने वाली कटोटी व ट्रेपिंग शीध्र छुटकारा मिलेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए कार्यालय सचिव एडवोकेट अभिषेक पाराशर ने बताया कि क्षैत्रीय विधायक एवं प्रदेश के केबिनेट जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के अथक प्रयासो व अभिशंषा पर टोंक स्थित 220 केवी विद्युत स्टेशन व मालपुरा स्थित 132 केवी विद्युत लाइनो के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण पर 170 करोड़ रूपये के कार्य स्वीकृत हुए हैं। ये सभी कार्य वर्ष 2026 तक पूर्ण हो जाएगें। उन्होंने बताया कि इस संबंध में 132 केवी मालपुरा टोडारायसिंह का सर्वे का काम स्टील मेक कम्पनी द्वारा पूर्ण कर लिया गया है। इसमें मालपुरा एवं टोडारायसिंह को 220 केवी जीएसएस दूनी, सवाईमाधोपुर एवं टोंक जीएसएस से जोड़ा जाकर विद्युत सप्लाई की जाएगी। ऐसा होने पर मालपुरा व टोडारायसिंह क्षैत्र में लोड सेटिंग के नाम से आएदिन होने वाली विद्युत कटोती, ट्रिपिंग तथा ओवरलोडिंग की समस्या से पूरी तरह से निजात मिल सकेगी। इस पर क्षैत्र की जनता में खुशी की लहर है।

साथ ही क्षैत्र की जनता में विकास पुरूष के नाम से जगह बनाने में सफल हो चुके जलदाय मंत्री कन्हैयाल चौधरी का आभार प्रकट करते हुए घन्यवाद ज्ञापित कर रही है।

बाट जोहटी थारी मरवण आंसूड़ा बहे : जयनाराण जय

पटरानी नहीं लाली ऋषभनु की है : आर.एल.दीपक

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। अभिनव सूजन ग्रामोदय संस्थान मालपुरा के तत्वावधान में विजयवर्गीय सेवा सदन में बीति देर रात्रि आयोजित कवि सम्मेलन में कवियो की कविताओं पर मंत्र मुग्ध होकर श्रोताओ ने तालिया बजाकर उत्साहवर्धन किया। विराट कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि एसडीएम अमित कुमार चौधरी व विशिष्ट अतिथि वृताधिकारी आशिष प्रजापत, तहसीलदार पवन मातवा व भारत विकास परिषद के अध्यक्ष रामजीलाल शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जलवन कर किया। कवि सम्मेलन का शुभारम्भ बूंदी से आई कवियत्री कमलेश कोकिला ने मां शारदे की वन्दना से किया। कवि जयनारायण जय ने भ्रूण हत्या पर बाट जोहती थारी मरवण आंसूड़ा भरे आजा रे बलम बेरी देर क्यो करें प्रस्तुत कर श्रोताओं की जम कर वाह वाही लूटी। वहीं हास्य कवि बाबूलाल डीगिंया ने किसी को मन्दिर, किसी को मस्जिद किसी को शिवालय वाहिए हमे चाहिए सदृभावना और शांति, हमे चाहिए राष्ट्र भाषा हिन्दी, सोहनदान चारण ने बो राम राज सपनूं पूरो कर्यो मातमा, कवि रमेश घायल ने किसानो की व्यथा में म्हारी बक्थरी झार झीरा होगी, ऊं न भी रोक रखो छूं, कवियत्री कमलेश कोकिला ने काची मब्की न मत फोड फेरा करार रे बाबूल, कवि हनुमान बदाम ने फोन बनाने वाले खूब बनाया भाई , कवियत्री ममता मंजूला ने हंसी कितना सितारो से पूछो, कवि महेन्द्र रेबारी ने तू झरल बन जाए तो मैं सूरज बन निकलूंगा जैसी कविताऐं प्रस्तुत कर श्रोताओं को देर रात तक रोके रखा। इसके अलाव स्थानीय कवि व कवि सम्मेलन का संचालन करने वाले गीतकार कवि आर.एल.दीपक ने पटरानी नहीं राधा लाली, ऋषभान की है राधे तेरे चरणो में प्रेम की रजधानी है प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया।

बजरी खनन और परिवहन मामले में फरार आरोपी दबोचा

राकेश शर्मा

सवाईमाधोपुर(बढ़ता राजस्थान)। सूरवाल थाना पुलिस ने बजरी खनन और परिवहन के मामले में छह माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी जयप्रकाश ने बताया कि आरोपी मुकेश जांगिड़ पुत्र कैलाश जांगिड़ निवासी खातियों का मोहल्ला बरौनी जिला टोंक एवं हाल निवासी जयसिंहपूरा शेखावतान, जयपुर को गिरफ्तार किया है। इसे जयपुर में दबिश देकर दबोचा गया। आरोपी को एसीजेएम सवाईमाधोपुर के समक्ष पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश किए गए।

देश प्रदेश के विकास व जीडीपी बढ़ाने में विश्वकर्मा समाज का सराहनीय व विशेष योगदान : कन्हैयालाल चौधरी

ईआरसीपी प्रोजेक्ट की प्रधानमंत्री मोदी रखेगें शीध्र नींव : चौधरी

कृष्णचन्द्र विजय

मालपुरा (बढ़ता राजस्थान)। मालपुरा क्षैत्र के लावा ग्राम स्थित जंग जितेश्वर महादेव मन्दिर प्रागंण में श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर समिति जांगिड़ समाज के तत्वावधान में रविवार को भामशाह,अतिथि व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए प्रदेश के केबिनेट जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि प्रतिभाओं व भामाशाहो का सम्मान करने से अन्य को प्रेरणा मिलती है। साथ ही प्रेरणा व सहयोग से समाज विकास होता है। चौधरी ने कहा कि देश व प्रदेश के सर्वांगीण विकास व जीडीडी बढ़ाने में विश्वकर्मा समाज का सराहनीय व विशेष योगदान है। समाज के भामाशाहो के सहयोग से मन्दिर जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने पर चौधरी ने कहा कि भामाशाहो को अपने समाज व धार्मिक कार्यो को पूर्ण करने के लिए सहयोग करते रहना चाहिए। समाज के विकास में भामाशाहो का सराहनीय सहयोग कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने समाज की युवा प्रतिभाओं से आव्हान करते हुए कहा कि युवाओ को शिक्षा के माध्यम से विकास कर अपने घर परिवार, समाज व प्रदेश के विकास में योगदान करना चाहिए। उन्होने क्षैत्र के नागरिको को जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश में पेयजल व सिंचाई की समस्या के स्थाई समाधन के लिए चिरप्रतिक्षित ईआरसीपी प्रोजेक्ट की नींव का शुभारम्भ शीध्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए जाने वाला है। इस प्रोजेक्ट के पूर्ण हो जाने के बाद क्षैत्र व प्रदेश में कहीं भी पेयजल व सिंचाई के पानी की समस्या नहीं रहेगी। इस दौरान जलदाय मंत्री चौधरी जांगिड़ समाज के भामाशाहो व प्रतिभाओं का सम्मान किया। कार्यक्रम में इन्द्रपाल चौधरी, सीआर बन्नालाल सैनी, बजरंग जाट, पूर्व जीएसएस अध्यक्ष सत्यनारायण चौधरी, नाथू खारोल, सीताराम जांगिड़, मोनू जांगिड़, ओमप्रकाश जांगिड़, सत्यनारायण जांगिड़, कृष्णगोपाल जांगिड़ सहित अन्य कई समाजबंधु मौजुद रहे। आयोजन समिति की ओर से जलदाय मंत्री का जोरदार स्वागत सम्मान व अभिनन्दन किया गया।

देवली हैहय क्षेत्रीय कलाल समाज महिला संगठन की कार्यकारिणी का गठन हुआ

गोविंद सिंह सेठी

देवली (बढ़ता राजस्थान)। यहां हैहय क्षेत्रीय कलाल समाज के अध्यक्ष डॉ रतनलाल सुवालका ने एवं प्रदेश महिला अध्यक्ष माया सुवालका और नवनिर्वाचित महिला अध्यक्ष श्पार्वती मेवाड़ा ने महिला संगठन की कार्यकारिणी का गठन किया है । महिला संगठन उपाध्यक्ष सुशीला सुवालका महासचिव शकुंतला सुवालका कोषाध्यक्ष दुर्गा देवी मेवाड़ा, सचिव रीना सुवालका, दीपिका सुवालका आमरावती, संतोष मेवाड़ा दूनी, लालीदेवी सुवालका देवलीगांव, लाली देवी सुवालका आमरवासी, मीडिया प्रभारी मैना देवी सुवालका, विधि सलाहकार मंत्री यामिनी माहुर, प्रचार प्रसार मंत्री प्रमिला सुवालका खेलकूद मंत्री प्रेम माहुर, संगठन मंत्री कलादेवी सुवालका, सांस्कृतिक मंत्री जया सुवालका, शिक्षामंत्री ओमलता माहुर, स्वास्थ्यमंत्री शकुंतला सुवालका, पर्यावरण मंत्री इंदिरा सुवालका, प्रतियोगिता मंत्री दीपशिखा सुवालका, सदस्य गण जया सुवालका ऊंचा को सर्वसहमति से संगठन की कार्यकारिणी में उक्त पदों की जिम्मेदारी देते हुए नियुक्त किया गया है। कार्यकारिणी के गठन की बैठक समाज के अध्यक्ष रतनलाल सुवालका की अध्यक्षता में बुलाई गई थी। इस मौके पर संपत सुवालका, बंसी कलवार एडवोकेट, सत्यनारायण बुलिया, अजय मेवाड़ा, राहुल सुवालका सहित समस्त समाज के बंधु उपस्थित रहे ।

बयाना रीको एरिया के बाहर मेंने रोड सड़क बनी स्विमिंग पूल : संभागीय प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

लगता है प्रशासन को किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर/बयाना (सत्यप्रकाश अग्रवाल)। बयाना के रीको इंडस्ट्रीज के बाहर में रोड की सड़क वर्षो पहले आरएसआरडीसी के द्वारा बनवाई गई थी। आरएसआरडीसी के द्वारा सड़क का निर्माण तो हो गया लेकिन सड़क के किनारे पानी के निकास के लिए नालियों का निर्माण नहीं हो सका। पानी का निकास न होने की वजह से पानी सड़क पर भर जाता है। आपको बता दे इस रोड से दिन में कई बार प्रशासन अधिकारियों की और दौड़ धूप बनी रहती है। कोई मंत्री अगर बयाना दौरें पर आता है तो इसी रोड का सहारा लेता है। लगता है जब वह पानी बाली भरी हुई जगह और गड्ढे आते है तो सभी अधिकारियों की और मंत्रियों की गाड़ी में झपकी लग जाती है। जिसकी वजह से रोड पर भरे हुए पानी और पानी की वजह से बने हुए गड्ढे की तरफ ध्यान नहीं जाता है। या फिर जानबूझ कर बयाना की भोली वाली जनता के साथ नाइंसाफी हो रही है। बयाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से भरतपुर या जयपुर के लिए रेफर किया जाता है। तो मरीज को लेकर एंबुलेंस रीको के सामने दलदल से निकलती है। एंबुलेंस जब हिचकोले लेती है जिससे मरीज को खतरे की आशंका ज्यादा बन जाती है। सड़क के सहारे बनी दुकानदारों ने भी अपनी दुकान की आगे मिट्टी डालकर सड़क तक रेंम्प बना रखे हैं। जिसकी वजह से रीको से भरे हुए वहां बाहर आकर सड़क पर ही खड़े हो जाते हैं जिससे आधी सड़क तो खड़े हुए ओवरलोड वाहनों से ही घिर जाती है। बची हुई आधी सड़क से ही ट्रैफिक निकलता रहता है जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। ओबीसी जिला मोर्चा अध्यक्ष रमन धाकड़ ने बताया कि मैं अपने बच्चों को साथ बाइक पर बैठकर अपने गांव जा रहा था अचानक रीको के सामने भरे हुए पानी में बने गड्ढे में मेरी बाइक गिरते गिरते बच्ची। पानी भरने का कारण वाटर वर्क्स की पाइप लाइन लीकेज होना भी है। साथ में सड़क के सहारे एक दुकान में सर्विस सेंटर भी लगा हुआ है इसका भी सारा पानी इस सड़क पर आता है।

रीको क्षेत्र में सड़क पर भरा हुआ पानी

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में विधिक जागरूकता एवं नेत्र जांच एवं उपचार शिविर आयोजित

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के तालुका विधिक सेवा समिति लक्ष्मणगढ़ एडीजे जज गोपाल सैनी के निर्देशानुसार रविवार को पंचायत समिति गोविंदगढ़ के विद्या आश्रम शिक्षा समिति नसवारी में तालुका विधिक सेवा समिति लक्ष्मणगढ़ की ओर से विश्व एड्स दिवस के पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित हुआ। तालुका विधिक सेवा समिति के सचिव राजकुमार जैमन एवं पीएलवी अनिल कुमार ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान एड्स के प्रति जागरूकता एवं इसके रोकथाम व उपचार के बारे में बताया गया। पीएलवी अनिल कुमार ने बताया कि एड्स दिवस 1 दिसंबर को प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

एड्स के बचाव के विषय में जागरूकता के लिए मानते हैं। इसके समाज पर प्रभावएशीघ्र पहचान के महत्व व विभिन्न रोकथाम उपायों के बारे में बताया इस बीमारी से जुड़े कलंक व भेदभाव को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंगल सिंह ने बताया कि आज नेत्र एवं स्वास्थ्य परामर्श शिविर एवं विधिक शिविर में चश्मे के नम्बर की जाँच, मोतियाबिंद की जाँच,सिर दर्द का इलाज चश्में का बी.पी एवं शुगर की फ्री जाँच कि गई हैं। सैनिक मरीजों को ऑपरेशन के लिए ले जाया जाएगा। तालुका विधिक सेवा समिति एवं विद्या आश्रम शिक्षा समिति के इस प्रयास ने समुदाय के कल्याण और सुरक्षा में विधिक जागरूकता की महत्ता को

रेखांकित किया।एड्स रोगियों व निशक्तजन को कानून में वही अधिकार है। जो एक सामान्य व्यक्ति को है। एड्स रोगियों व निशक्तजन को मिलने वाली सरकारी सहायताए पुनर्वास तथा विधिक अधिकारों के बारे में जानकारी दी। साथ ही बाल विवाह के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के बारे में बताया। इस दौरान राष्ट्रीय लोक अदालतए मध्यस्थताए निशुल्क विधिक सहायता, पीड़ित प्रतिकर स्कीम, नालसा हेल्पलाइन 15100 राजस्थान उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर दिव्यांगों के लिए जारी एक्सेसिबिलिटी वेब प्रोग्राम व समय.समय पर चलाए जा रहे विशेष अभियानों के बारे में भी बताया गया। इस दौरान पीएलवी अनिल कुमार, सचिव राजकुमार जैमन,मंगलसिंह, नेत्र सहायक रत्नेश खंडेलवाल व ओम गुर्जर, रामसिंह,कासम,शाहरुख खान, रमेश चन्द,आदि मौजूद रहें।

ओवरलोड ट्रक की टक्कर से बिजली का तार टूटा

हादसा होते बाल-बाल बचा, 3 घंटे बाधित रहा आवागमन

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर /बयाना (सत्यप्रकाश अग्रवाल)। पुलिस प्रशासन के तमाम प्रयासों के बावजूद बयाना कस्बे में ओवरलोड वाहनों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इनकी वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं। शहर के व्यस्ततम बजरिया तिराहे पर रविवार सुबह ओवरलोड ट्रक के कारण बिजली के तार टूट गए। गनीमत रही कि सुबह का वक्त होने से सड़क पर ज्यादा ट्रैफिक नहीं था, अन्यथा बड़ी दुर्घटना घट सकती थी।

स्थानीय दुकानदारों की सूचना पर करीब 3 घंटे बाद बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और टूटे हुए तार को सही किया। बजरिया मार्केट के दुकानदार कल्याण, मेघसिंह आदि ने बताया कि रविवार सुबह करीब 8:30 बजे बजरिया तिराहे से गुजर रहे खाद्य सामग्री से भरे ओवरलोड ट्रक की टक्कर से बिजली के तार टूट गए। तार सड़क के बीचोंबीच झूल गए। ऐसे लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ा। चौपहिया वाहनों का रूट डायवर्ट करना पड़ा। जबकि स्टेशन और बस स्टैंड होने की वजह से इस मार्ग पर ट्रैफिक का लोड अधिक है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। डिस्कॉम एक्सईएन विवेक शर्मा ने बताया कि तार टूटने की सूचना पर टीम को मौके पर भेजा गया। फिलहाल टूटे हुए तार को दुरुस्त किया जा रहा है।

नौकरी लगी तब 750 रुपए और रिटायरमेंट हुए तब मिलते हैं पौने दो लाख रुपए

अड़तीस वर्ष की सेवाओं के बाद हुआ रिटायरमेंट

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर /बयाना (सत्यप्रकाश अग्रवाल)। अड़तीस वर्ष की राजकीय सेवाओं के बाद आज राजकीय सेवाओं से सेवा निवृत्त हुए प्रधानाचार्य राकेश कुमार गोयल का कस्बे के निजी मैरिज होम में उनकी ओर से आयोजित एक समारोह में विभिन्न संगठनों के सदस्यों व शिक्षकों एवं अन्य लोगों की ओर से फूल मालाएं व साफे पहनाकर और उपहार भेंट कर स्वागत सत्कार किया गया। रिटायर हुए राकेश गोयल ने बताया कि 38 वर्ष पूर्व जब उनकी तृतीय श्रेणी के शिक्षक के रूप में नौकरी लगी थी तब उन्हें 750 रुपए वेतन मिलता था आज जब वह प्रधानाचार्य के पद से रिटायर हुए हैं तो उन्हें करीब पौने दो लाख रुपये वेतन मिल रहा था। उन्होंने कहा कि शिक्षक को अपना कर्तव्य व धर्म पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाना चाहिए । क्योंकि आज शिक्षक के प्रति सभी को विशेष लगाव और विश्वास है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अड़तीस वर्ष की राजकीय सेवाओं को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ व सरकार के नियमों और आदेशों की पालना करते हुए अंजाम दिया था।

श्री झूलेलाल विकास समिति इस बार चंद्र दर्शन पर छप्पन भोग जल जीवो को अर्पण करेगी आज

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। श्री झूलेलाल विकास समिति के अध्यक्ष महेश आहूजा ने जानकारी देते हुए बताया कि सिंधी समाज के रत्न डॉ. कृपाल दास माधवाणी के सानिध्य में श्री झूलेलाल विकास समिति द्वारा हर माह भगवान झूलेलाल की चंद्र दर्शन की कार्यक्रम के तहत गणेश तालाब बसंत विहार में दिनांक 2 दिसंबर सोमवार को प्रात: 11.00 बजे भगवान झूलेलाल के बहाराणा साहब की महा आरती तथा छप्पन भोग का प्रसाद अर्पण दिन में 1.00 बजे आम भंडारा किया जाएगा । शाम को 4.00 बजे भीतरीय कुंड में बहराणा साहब का विसर्जन ।

विश्व दिव्यांग दिवस पर मंथन द्वारा निकाली गई दिव्यांग जागरूकता रैली

बढ़ता राजस्थान

बहरोड़(सुभाष यादव)। मंथन फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को एक विशाल दिव्यांग जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में जिला कोटपुतली बहरोड़ के सैकड़ों दिव्यांग जन ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यूको बैंक नीमराणा के शाखा प्रबंधक अनिल दौसोदिया, विशिष्ट अतिथि रिटा0 आयुर्वेद अधिकारी डॉ0 रामकिशोर ने हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरुआत की। रैली शहर के मुख्य मार्ग से निकलते हुए खेल ग्राउंड पहुँची। रास्ते में आमजन एवं विभिन्न प्रतिष्ठानों द्वारा फूल बरसाकर रैली में शामिल दिव्यांग जनों का स्वागत किया गया।मुख्य अतिथि अनिल दौसोदिया ने सभी दिव्यांग साथियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपना उदाहरण देते हुए अपने संबोधन में कहा कि यदि आप में जोश, जुनून और जज्बा है तो दिव्यांगता सपनों को पूरा करने में बाधा कभी नहीं बनती। मंथन संस्थापक डॉ. पीयूष गोस्वामी ने बताया कि विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस जागरूकता रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में दिव्यांगों के प्रति नजरिये में परिवर्तन लाना है। सहानुभूति नहीं सहयोग चाहिए के उद्देश्य से मंथन फाउंडेशन दिव्यांग सशक्तिकरण के क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों से कार्य करते हुए अनुभव किया है दिव्यांग किसी भी मायने में कमजोर नहीं है। दिव्यांगों के लिए संचालित विभिन्न योजनाएं और उनके अधिकारों की रक्षा करने में मंथन हमेशा अग्रसर रहेगा। कार्यक्रम के अंत में मंथन फाउंडेशन उपाध्यक्ष कर्मवीर यादव मीर ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों,

व्यवस्था में कार्यरत पुलिसकर्मियों को धन्यवाद दिया। इस दौरान संस्थापक डॉ. पीयूष गोस्वामी, सचिव डॉ. सविता गोस्वामी, उपाध्यक्ष कर्मवीर यादव मीर, संरक्षक वसंती यादव, पूर्व अध्यक्ष अमित कुमार यादव, महिला इकाई अध्यक्ष नेहा जैन, पार्षद मनोज मिश्र, पवन कुमार, सोनू योगी, दारासिंह, हंसराज, संपतराम, दीपा देवी, धर्मपाल, अंकित सेन, सुमेध तेलमोरे, शालिनी शर्मा सहित सैकड़ों दिव्यांगजन, मंथन स्पेशल स्कूल के बच्चे एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

पुत्र ने किये अपने पिता के नेत्रदान

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। शहर मे मकान म0 न0 412 स्कीम 2ए खन्ना स्कूल के पासएअलवर निवासी श्री प्रेम सागर लांबा पुत्र स्वर्गीय श्री हरबंस लाल लांबा के आकस्मिक निधन के उपरान्त उनके नेत्रदान कर दिए गए। नारायण सेवा संस्थान के शाखा अध्यक्ष आर.एस.वर्मा ने बताया कि श्री प्रेम सागर लांबा ;जयपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट वालेद्ध के निधन के पश्चात उनके परिजनों ने नेत्रदान के लिए पंजाबी वेलफेयर सोसायटी को फोन किया। तदउपरांत उनकी सूचना पर डा0 श्रॉफहॉस्पिटल आई डोनेशन सेंटर की डॉक्टरों की टीम ने उनके निवास पर पहुँच कर परिवार की सहमति के बाद आई डोनेशन की प्रक्रिया को पूरा किया। पुत्र रवि लांबा व भाई अनिल लांबा ने

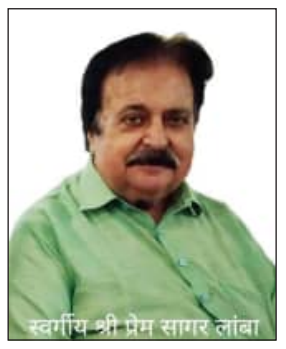

उनकी अंतिम इच्छा अनुसार उनके नेत्रदान कर बहुत पुण्य का काम किया है।

इस नेत्र दान से किन्ही दो नेत्रहिनो की आँखों को रोशनी मिलने से उनकी जिन्दगी संवर जायेगी । उनकी इस पहल से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी। और मानवता के लिए परोपकार हेतु इस पुण्य कार्य को और अधिक बल मिलेगा।

श्रमिकों और जरूरतमंदों को बांटे मफलर, कैप और शॉल

जयपुर की संस्था ने अलवर में आकर बांटे उपहार

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से जयपुर की संस्था फीडिंग हैंडस की ओर से अलवर के बिजली घर चौराहे पर विजन संस्थान, दिवाकरी और गुरु नानक कॉलोनी दाउदपुर में जरूरतमंदों को गर्म मफ्लर, शॉल और जर्सियां वितरित की गई। नेक कमाई फाउंडेशन के संरक्षक दौलत राम हजरती ने बताया कि इस अवसर पर फीडिंग हैंडस के ट्रस्टी पंकज जैन, अमरदीप सिंह सोनी व सुमेधा संस्था की सचिव डॉ. रश्मि जैन ने बिजली घर चौराहे पर स्थित विजन संस्थान के निशुल्क भोजन वितरण के समय श्रमिकों और जरूरतमंदों को गर्म कपड़े वितरित किए। नेक कमाई फाउंडेशन के मुखय कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि फीडिंग हैंडस का यह सहयोग सराहनीय है। इस मौके पर विजन संस्थान के हिमांशु शर्मा को निशुल्क भोजन बेहतर तरीके से संचालन के लिए सममानित किया गया। कार्यक्रम में संरक्षक मंजू चौधरी अग्रवाल ने कहा कि अलवर की तपोभूमि में कोई भूखा नहीं मर सकता और नेक कमाई फाउंडेशन किसी को सर्दी में कंपकपाने नहीं देगा। नेक कमाई फाउंडेशन फीडिंग हैंडस और डा. गोपाल रॉय चोधरी ट्रस्ट के साथ मिलकर

अन्य संस्थाओं के सहयोग से सर्दी में गर्म कपड़ों का वितरण आए दिन करेगा। इसी प्रकार मानस की ओर से जरूरमंदों को गर्म कपड़े वितरण किए जा रहे हैं जिसमें सहयोग दिया जा रहा है।

कार्यक्रम में समाजसेवी सुरेश गुप्ता हुंडी वाले ने कहा कि अलवर में जयपुर से आकर सेवा करना अपने आपमें अनुकरणीय है। कार्यक्रम में सौरभ कालरा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सोनिका अरोड़ा, जितेन्द्र सेतिया, प्रवीन बत्रा, उमा छाबड़ा और कमला यादव ने सेवा भावी कार्य किए। अंत में निष्ठा नारंग ने आभार जताया। फीडिंग हैंडस के ट्रस्टी पंकज जैन ने बताया कि अलवर में संस्था की ओर से आगामी दिनों में वितरण के लिए और भी गर्म कपड़े भेजे जाएंगे। अलवर में सेवा भावी कार्य अधिक हो रहे हैं जिससे यहां आकर प्रसन्नता मिलती है। कार्यक्रम में डा. रश्मि जैन ने अलवर वासियों को आभार जताया।

दिवंगत आत्माओं ने दिया उत्तम मार्गदर्शन : शेखावत

विधायक देवीसिंह शेखावत ने दी माता कलावती देवी को श्रद्धांजलि

बढ़ता राजस्थान

बानसूर(धीरज मौर्य)। विधानसभा क्षेत्र के गाँव बाबरिया में वरिष्ठ पत्रकार सुगनचन्द की माता के निधन पर विधायक देवीसिंह शेखावत ने पहुंचकर स्व. श्रीमती कलावती देवी को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिवंगत आत्माओं ने उत्तम मार्गदर्शन दिया है। जिसकी बदौलत ही देश आगे बढ़ रहा है। शेखावत ने कहा कि भारत की असली दौलत तो बुजुर्ग ही हैं उन्होंने अपने जीवन में देश और समाज को बहुत कुछ दिया। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के मार्गदर्शन में चलने वाला परिवार ही हमेंशा तरक्की करता है।और देश व समाज के लिए हमेंशा तत्पर तैयार रहता है।इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ शशिकांत बोहरा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष रामानंद दीक्षित, विजेंद्र मौर्य,विक्रम यादव, विक्रम शेखावत,ठेकेदार हेमसिंह शेखावत,आईटी सैल के विजय कुमावत, बबलू सैन,रघुवीर कटारिया,गिर्राज प्रसाद दड़ँग, रतन टेलर, संतोष कटारिया, ठेकेदार रामस्वरूप रांगेरा, एडवोकेट राजेन्द्र आर्य,भूपसिंह सुरेला सहित काफ़ी संख्या में भाजपाई मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का अलवर का प्रथम शिविर शांति कुंज में लगा

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। ऊर्जा के संरक्षण के प्रति एवं सौर ऊर्जा के उपयोग में वृद्धि हेतु प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का अलवर का प्रथम शिविर रविवार को शांति कुंज में लगाया गया है। इस शिविर की विशेषता यह थी कि एक ही स्थान पर विद्युत विभाग के अधिकारी, कर्मचारी सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए ऋण उपलब्ध करवाने हेतु बैंक अधिकारी एवं सौर ऊर्जा कंपनियों के प्रतिनिधि सभी एक साथ सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के प्रति जानकारी देने के लिए उपस्थित थे। आम तौर पर यह देखा जाता है कि जानकारी के अभाव में नागरिक उर्जा संरक्षण हेतु सौर उर्जा संसाधनों का उपयोग नहीं कर पाते, इसके लिए एक ही स्थान पर संयुक्त रूप से इस शिविर का आयोजन किया गया। निवर्तमान पार्षद अरुण जैन नें बताया कि हम सभी को उर्जा के वैकल्पिक संसाधनों का विकास करना चाहिए जिससे कार्बन उत्सर्जन के कारण पर्यावरण भी प्रदूषित न हो और विद्युत उपभोक्ता खर्च कम से कम हो सके। आमजन में सौर उर्जा की जागरूकता हेतु भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का शिविर शांतिकुंज में लगाया गयाहै अलवर में यह पहला सफल प्रयोग है। शिविर में लगभग 80 नागरिकों ने सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने हेतु मौके पर ही रजिस्ट्रेशन करवाया और लगभग इतने ही नागरिकों ने प्रक्रिया संबंध में पूछताछ की।इस अवसर पर विद्युत विभाग से एस ई सुधीर पांडे,एक्स ई एन महेश देशवाल,ए ई एन अखिलेश अग्रवाल,जे ई एन रितु अकाउंट अधिकारी हिमांशु जैन आर के इंफ्रा, टाटा सोलर सूर्या सोलर फीड्स एनर्जी न्यू टेक रॉयल टच साथ ग्लोबल ग्रीन आदि विक्रेता गणों के साथ साथ बैंक के अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व एड्स दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर

एड्स से बचाव और रोकथाम के उपायों की दी जानकारी

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर /बयाना (सत्यप्रकाश अग्रवाल)। तालुका विधिक सेवा समिति बयाना की ओर से रविवार को विश्व एड्स दिवस पर सीएचसी परिसर में जागरूकता शिविर आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान एड्स के प्रति जागरूकता एवं इसके रोकथाम और उपचार के बारे में बताया गया। तालुका विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष ,ष्ठछ सोनाली प्रशांत शर्मा के निर्देशन में हुए शिविर में पैनल अधिवक्ता लोकेश कौशिक, आयुर्वेद चिकित्सा डॉ. नरेश सिंह तंवर व डॉ बालकृष्ण शर्मा, ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी गजेंद्र सिंह गुर्जर, पैरा लीगल वालंटियर नेगसिंह ने एड्स बीमारी के कारणों, रोग की शीघ्र पहचान के महत्व, समाज पर प्रभाव और रोकथाम के विभिन्न उपायों के बारे में बताया। उन्होंने इस बीमारी से जुड़े मिथक और भेदभाव को समाप्त करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। पैनल अधिवक्ता लोकेश कौशिक ने मेडिकल कर्मियों से एड्स रोगियों के प्रति संवेदनशीलता बरतने को कहा। इसके साथ ही एड्स मरीजों की सुरक्षा उनकी मदद और निशुल्क दवाईयां उपलब्ध कराने पर चर्चा की। इसके अलावा बच्चों के प्रति यौन अपराधों और शोषण से। रखनी चाहिए। क्योंकि इनसे समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा करने में आसानी होती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों को इन विधिक मुद्दों पर निरंतर शिक्षा और जागरूकता के कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए, ताकि वे जरूरतमंदों को विधिक सहायता और मार्गदर्शन दे सकें। तालुका विधिक सेवा समिति सचिव वंदना तनेजा और घनश्याम शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के जरिए समाज के कल्याण और सुरक्षा में विधिक जागरूकता की महत्ता को रेखांकित किया गया और यह सुनिश्चित किया कि लोग अपने अधिकारों और सुरक्षा से संबंधित विषयों पर सही जानकारी प्राप्त करें। इस दौरान नर्सिंग एसोसिएशन सत्यप्रकाश छाबड़ी, आईपीडी इंचार्ज रोशन धाकड़, आशीष शर्मा, ऑपरेशन थिएटर

इंचार्ज योगेंद्र उपाध्याय, जनाना वार्ड इंचार्ज रीना गुर्जर, सोनम अग्रवाल, लोधे शर्मा हंसराज मीणा, संदीप मीणा, कपिल, जितेंद्र धाकड़, टेकचंद आदि मौजूद रहे।

खेतों में खड़ी होगी मकानों की फसल : कृषि भूमि पर बन रही अवैध कॉलोनियां, प्रशासन मौन

खेती की जमीन पर बिल्डरों की अवैध प्लॉटिंग और निर्माण के खिलाफ कब चलेगा पालिका का बुल्डोजर

बढ़ता राजस्थान

अंता (शफीक मंसूरी)। कस्बे में नेशनल हाईवे 27 के दोनों ओर और पूरे कस्बे में चल रहे अवैध निर्माण कार्य, कृषि भूमि के साथ-साथ सरकारी जमीन पर भी भू-माफियाओं का कब्जा बढ़ रहा है। इन भू-माफियाओं द्वारा भोले-भाले लोगों को प्रलोभन देकर, उन्हें फंसाकर धड़ाधड़ प्लॉट बेचे जा रहे हैं। यह सब अधिकारी की नज़र के सामने हो रहा है, लेकिन कार्रवाई नहीं की जा रही है। गौरतलब है कि उच्च अधिकारियों में कार्य क्षमता की कमी और कड़े निर्णय न लेने के कारण पूरा कस्बा अतिक्रमण की चपेट में आ चुका है। अतिक्रमणकारी भू-माफिया सरकारी और कृषि जमीनों को बेचने में लगे हुए हैं। विशेष रूप से अवैध कॉलोनियों में नगर पालिका द्वारा सड़क, नल, बिजली जैसी सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है, जिससे भू-माफिया नगर पालिका में नियमन न कराकर अवैध रूप से इन प्लॉटों को बेच रहे हैं। कस्बे के आसपास कृषि भूमि पर अवैध रूप से प्लॉट काटकर बेचे जा रहे हैं। यहां पर 300 से 1000 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से प्लॉट बिक रहे हैं। ये भूमाफिया ग्राहकों को आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन प्रशासन अब तक ऐसे अपराधियों का पता नहीं लगा पा रहा है, जिससे यह संकेत मिलता है कि इस मामले में प्रशासन द्वारा अनदेखी की जा रही है।

कलक्टर के आदेशों की अनदेखी : जिला कलक्टर ने उपखंड अधिकारियों को आदेश दिए थे कि अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए। लेकिन, इन आदेशों को स्थानीय प्रशासन ने गंभीरता से नहीं लिया, जिससे प्रशासन पर मिलीभगत के आरोप लगने लगे हैं।

कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग का कारोबार : कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में भूमि माफिया खुलेआम कृषि भूमि पर अवैध प्लॉटिंग कर रहे हैं और बिना भूमि परिवर्तन के इनकी खरीद-फरोख्त हो रही है। व बावजूद राजस्व विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। प्रशासन की कार्यवाही में लापरवाही और सांठगांठ का आरोप भी लग रहा है।

अधिकारियों की लापरवाही : संवाददाता द्वारा कई बार इस अवैध कारोबार की खबर प्रमुखता से प्रकाशित करने के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इससे यह साबित होता है कि राजस्व विभाग, अधिशासी अधिकारी और कॉलोनाइजर की सांठगांठ के चलते नियमों की अनदेखी की जा रही है कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनियां बनाई जा रही हैं। अधिकारियों से कई बार संपर्क करने के बावजूद उनका फोन नहीं उठाया जा रहा है, जिससे यह स्थिति और भी संदिग्ध बनती जा रही है।

बढ़ रही अवैध कॉलोनियां

अंता क्षेत्र और आसपास के गांवों में तेजी से कृषि भूमि पर अवैध प्लॉटिंग का कारोबार बढ़ रहा है। नेशनल हाईवे 27 के दोनों ओर और अन्य स्थानों पर भूमाफियाओं ने कब्जा कर लिया है। यहां बंबोरी, खड़ी दी, मुख्य नहर स्टेशन रोड और अस्पताल रोड जैसे इलाकों में अवैध प्लॉटिंग की जा रही है। इन क्षेत्रों में कृषि भूमि पर प्लॉट काटकर बेचे जा रहे हैं, और प्रशासन इस पर मौन है। नगर पालिका क्षेत्र में बिना भूमि परिवर्तन के कृषि भूमि पर अवैध आवासीय योजनाएं बन रही हैं, जो कि राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम के तहत पूरी तरह गलत है। हालांकि, इस पर स्थानीय प्रशासन चुप्पी साधे हुए है।

विश्व एड्स दिवस पर 100 किलोमीटर की साइकिल यात्रा

डॉ. निधि ने एड्स दिवस पर कोटा-धनेश्वर टोल प्लाजा-कोटा तक की साइकिल यात्रा

शहर से लेकर गांवों तक किया लोगो को रिबिन बांध कर जागरूक

बढ़ता राजस्थान

कोटा(का.स.)। पूरे विश्व में 1 दिसंबर को मनाये जाने वाले विश्व एड्स दिवस पर कोटा में एक अनूठा नवाचार हुआ । सोसाइटी हैस ईव शी इंटरनेशनल चेरीटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा डॉ. निधि प्रजापति ने कोटा से लेकर बूंदी जिले में स्थित धनेश्वर टोल प्लाजा व वहाँ से पुन: कोटा तक की 100 किलोमीटर की साइकिल यात्रा लोगों को जागरूक करने के लिए की । इस दौरान रास्ते में उन्होंने मिलने वाले राहगीरों को चाहे वह शहर के थे या ग्रामीण परिवेश के सबको एड्स के बारे में रिबिन लगाकर जागरूक भी किया । डॉ. निधि प्रजापति ने बताया की साइकिल यात्रा सुबह 6 बजकर 30 मिनट से स्वंय के निवास महालक्ष्मी पुरम बारां रोड से प्रारंभ करके बोरखंडी तिराहा से फोर लेन नेशनल हाईवे 27 से होते हुए धाकड़खेडी बाई पास, हैंगिंग ब्रिज, गरड़िया महादेव बाई पास से धनेश्वर टोल प्लाजा तक व वहां से इसी मार्ग से वापसी करते हुए 5 घंटे 10 में 100 किलोमीटर की यात्रा पूरी की । इस यात्रा को अब वर्ल्ड रेकोर्ड में दर्ज करने हेतु भेजा जायेगा क्योंकि आज तक पुरे विश्व में किसी ने भी अकेले एड्स जैसे गंभीर विषय पर इतनी लम्बी साइकिल यात्रा एड्स जागरूकता दिवस के दिन नहीं की है । वापसी में वीमेन वेलफेयर आर्गेनाईजेशन ऑफ वर्ल्ड की अध्यक्षा नीतू मेहता और यूनी कल्चर ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष गौरव भटनागर ने माला पहनकर हौसला अफजाई की ।

राजस्थान पुजारी सेवक संघ का दीपावली मिलन आयोजित

बढ़ता राजस्थान

कोटा(का.स.)। राजस्थान पुजारी सेवक महासंघ का दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया । राजस्थान पुजारी सेवक महासंघ के जिला अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने बताया कि आज मोजीबाबा गुफा पर राजस्थान पुजारी सेवक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रम्मू पंडित के नेतृत्व में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया । इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रम्मू पंडित ने सभी पुजारीयो से एकजुट रहने का आह्वान किया उन्होंने कहा की राजस्थान में जहां भी पुजारीयो को किसी भी तरह की समस्या आएगी संगठन उनके हितों की लड़ाई लड़ने के लिए हर समय तत्पर रहेगा रम्मू पंडित ने कहा की शीघ्र ही पुजारी सेवक महासंघ द्वारा राजस्थान पुजारी सेना का गठन किया जायेगा जो भूमाफिया पुजारी की जमीन को जबरदस्ती छिनने की कोशिश करेगा उनसे संगठन हाडोती की धरती पर आर पार की लड़ाई लड़ेगा और पुजारीयो को न्याय दिलाने के लिए कार्य करेगा । जिला अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने कहा की आने वाले दिनों में जिन पुजारीयो की जमीन पर भूमाफियाओ ने कब्जा कर रखा है उन्हें न्याय दिलाने के लिए संगठन आंदोलन कर कानूनी तरीके से न्याय दिलायेगा । बांरा महामंत्री दयाराम शर्मा कहा की कुछ भूमाफिया जाति विशेष के अपने मंत्रियों का सपोर्ट लेकर पुजारीयो की जमीन छीन लेते हैं आने वाले चुनाव में सर्व पुजारी , ब्राह्मण समाज ऐसे मंत्रियों का विरोध करेगा । दीपावली स्नेह मिलन समारोह मे अतिथि के रूप मे आचार्य भारत जी महाराज व कृपाल दास जी महाराज सहित समस्त हाडोती से सैंकड़ो पुजारी सम्मिलित हुए ।जिला उपाध्यक्ष गिरधर दाधीच ने बताया कि भूमाफियाओ द्वारा पुजारीयो की जमीन पर किये जा रहे कब्जो आदि की समस्या को हल करने के लिए जल्द ही संगठन की एक बड़ी बैठक बुलाई जायेगी । प्रदेश सचिव दयाराम शर्मा , संगठन महामंत्री आनंद शर्मा , प्रदेश प्रचार मंत्री राजेंद्र शर्मा , प्रदेश महामंत्री रतनलाल शर्मा , प्रदेश युवा अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया । जिला अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने बताया की समारोह मे शहर अध्यक्ष रामावतार गौतम , देहात अध्यक्ष पंकज शर्मा , बूंदी शहर जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा , देहात अध्यक्ष रामस्वरूप शर्मा , जिला अध्यक्ष झालावाड़ लोकेश शर्मा , जिलाध्यक्ष भीलवाड़ा कैलाश शर्मा , कोटा शहर उपाध्यक्ष गिरधर दाधीच , तहसील अध्यक्ष महेंद्र शर्मा , अटरू तहसील अध्यक्ष शिवराज शर्मा , संगठन महामंत्री बनखंडी गोपाल शर्मा , मंत्री वीरेंद्र गौतम , लव कुश बैरागी , रौनक शर्मा , ओम प्रकाश , भूपेंद्र वैष्णव , रघुवीर बैरागी सहित सैकडो की संख्या मे पुजारी सेवक महासंघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

आर्थिक सहायता के लिए लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (नि.स.)। बूंदी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तीरथ में फाइनेंस कंपनी द्वारा मकान सीज करने पर सदमे में आकर 20 वर्षीय दिव्या मीणा ने दिनांक 23 नवंबर शनिवार को आत्म हत्या कर ली थी। बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा ने ग्राम तीरथ में मृतका के घर जाकर परिवारजनों को सांत्वना दी और ढांढस बंधाया। साथ ही बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा ने मुख्यमंत्री सहायता कोष से परिवार जनों को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता एवं दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही कर सजा दिलाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा। पत्र में बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा ने लिखा कि वित्तीय संस्थाएं जो निजी कंपनियां बनकर मकान बनाने के लिए आमजनों को ऋण देती है। उसमें मनमाने ढंग से ब्याज वसूल करती है और रन से अधिक पैसा वसूल ने की शिकायत अधिकतर प्राप्त होती रहती है। इस मामले में भी किस्ते जमा करने के बाद कुछ किस्ते बाकी होने पर इस प्रकार की कार्यवाही करना वित्तीय कंपनियों के लिए अनुचित और गैर जिम्मेदारना काम है। जिसके फल स्वरुप इसको आत्महत्या करने के लिए बाध्य होना पड़ा। विधायक शर्मा के तीरथ पहुंचने पर ग्राम वासियों ने एकत्रित होकर शर्मा को ज्ञापन दिया और फाइनेंस कंपनी के विरुद्ध कार्यवाही कर परिवारजनों को न्याय दिलाने का अनुरोध किया। शर्मा ने दूरभाष के माध्यम से जिला कलेक्टर, बूंदी व पुलिस अधीक्षक, बूंदी से वार्तालाप कर फाइनेंस कंपनी के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई कर परिवारजनों को नहीं दिलाने का अनुरोध किया। साथ ही शर्मा ने क्षेत्र में गत दिनों ग्राम ऐबरा, पिपल्या, रायथल मजरा, जमीतपुरा में दिवंगतों के आकस्मिक निधन पर निवास स्थान पर जाकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवारजनों को ढांढस बंधाया।

इमरोज खान को कोटा संभाग में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए किया सम्मानित

बढ़ता राजस्थान

चौमहला (आबिद हुसैन)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कार्यालय जयपुर में आयोजित राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के स्वराज अधिवेशन में संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष इमरोज खान को कोटा संभाग में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल पूर्व शिक्षा मंत्री बी डी कल्ला पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास द्वारा सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि इमरोज़ खान कई वर्षों से संगठन में सक्रिय रूप से ईमानदारी एवं निष्ठा से कार्य कर रहे है उनकी कार्यशैली को देखते हुए संगठन द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया है।

पारसोली थाना पुलिस की कार्यवाही

एक पिस्टल तथा एक राउण्ड जब्त,एक आरोपी गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़,(नि.स.)। पारसोली थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के कब्जे से एक अवैध पिस्टल तथा एक राउंड जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय जयपुर, राजस्थान द्वारा अवैध मादक पदार्थो की तस्करी, अवैध शराब की तस्करी, अवैध खनन एवं भूमाफिया जैसे अपराधो मे लिप्त अपराधियो के विरूद्ध कार्यवाही हेतु चलाये गए विशेष अभियान अन्तर्गत अवैध आग्नेयास्त्र कब्जे में रखने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के मध्यनजर भगवत घटना का संक्षिप्त विवरण: दिनांक 1 दिसंबर 2024 को एएसआई भवानी सिंह मय पुलिस टीम द्वारा पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्देशित किये गए मुख्य शीर्षको में कार्यवाही हेतु थाना क्षेत्राधिकार में दबिश दी जा रही थी। दबिश के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना पर हरपुरा से बरुन्दनी रोड पर संदिग्धावस्था में खडे एक शख्स को डिटेन कर नाम पता पूछते हुए थाना क्षेत्राधिकार में संदिग्ध होने के कारण पूछताछ की गई उसने अपना नाम दयाशंकर उर्फ प्रकाश पुत्र रामनारायण शर्मा उम्र 29 साल निवासी जित्या पुलिस थाना बडलियास जिला भीलवाडा बताते हुए स्वयं के कब्जे में अवैध पिस्टल एवं राउण्ड होना बताया। आरोपी दयाशंकर की नियमानुसार तलाशी ली गई तो उसकी कमर के नीचे पेन्ट में अवैध पिस्टल छिपाई हुई मिली तथा पेन्ट के पीछे की जेब में एक रुमाल में एक राउण्ड छिपाया हुआ मिला। आरोपी से पिस्टल एवं राउण्ड कब्जे में रखने के संबंध में लाईसेंस की मांग की गई तो लाईसेंस नही होना बताया।

सहकार नेता राजेश कृष्ण बिरला ने आम जनता को दिखाई साबरमती रिपोर्ट फिल्म

सत्य परेशान हो सकता है परन्तु पराजित नहीं : राजेश कृष्ण बिरला

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। रविवार को कोटा के आकाश टाकिज में प्रात 9.15 बजे द साबरमती रिपोर्ट फिल्म का प्रथम शो कोटा शहर की जनता को सहकार नेता राजेश कृष्ण बिरला द्वारा दिखाया गया। बिरला ने इस अवसर बताया कि कोटा शहर के 300 महिला,पुरूष व बच्चो ने द साबरमती रिपोर्ट फिल्म देखी। फिल्म के मध्य कई भारत माता की जय व जय श्री राम के नारे लगे।

सत्य परेशान होता पराजीत नहीं : बिरला ने कहा कि फिल्म द साबरमती रिपोर्ट में एक हिंदी पत्रकार के साबरमती एक्सप्रेस की घटना को सच समाने लाने की जद्दोजहद को बखूबी दिखाया गया। यह फिल्म सत्य और न्याय के प्रति जागरूकता फैलाने का एक प्रयास है।यह फिल्म हिम्मत के साथ उस सच को सामने लाने की कोशिश करती है जो 27 फरवरी 2002 की सुबह गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस में घटित हुई थी इसमें न केवल इतिहास को बल्कि उसे वक्त के सामाजिक और राजनीतिक संदर्भ को भी दिखाया गया है। बिरला ने कहा कि 22 साल पहले गुजरात के गोधरा में साबरमती ट्रेन पर हुए अटैक और उसमें अपनी जान गंवाने वाले 59 लोगों का सच सामने लाने की कथा है उन्होने कहा कि सच को दबाने की कोशिक की गई परन्तु प्रधानमंत्री मोदी के गुजरात की बागडोर संभालने के बाद सच जनता के समाने आया। सच परेशान रहा परन्तु पराजीत नहीं हुआ। बिरला ने कहा गोधरा कांड एक ऐसा संवेदनशील विषय है जिस पर कम ही फिल्में बनती हैं। द साबरमती रिपोर्ट इस विषय को उठाने का साहस दिखाती है और उस समय के सामाजिक-राजनीतिक माहौल को उजागर करती है। उन्होने कहा कि यह दर्शकों को भावनात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। यह फिल्म केवल तथ्यों पर केंद्रित नहीं है, बल्कि उन मानवीय पहलुओं को भी दिखाती है जो इस घटना से प्रभावित हुए थे।

चौमहला में आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी की संयुक्त बैठक आयोजित

बढ़ता राजस्थान

चौमहला (नि.स.)। झालावाड़ जिले के चौमहला मै आजाद समाज पार्टी की संयुक्त बैठक रविवार को रविदास धर्मशाला चौमहला में भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता भीम आर्मी जिला अध्यक्ष विक्रम दशोंरिया ने की।बैठक में संगठन विस्तार और शिक्षा पर जोर देने पर चर्चा की गई।बैठक के मुख्य अतिथि संभाग प्रभारी अथर मिर्जा विशिष्ट अतिथि संभाग सह प्रभारी रघु राम वर्मा व चंद्र प्रकाश जडेजा, राम किशन रहे। बैठक में आजाद समाज पार्टी तहसील अध्यक्ष पीरू अहीर वाल भीम आर्मी तहसील अध्यक्ष गोतम वर्मा,अजय चौहान,संजय वर्मा, गोवर्धन वर्मा, कंवर लाल वर्मा ,गोपाल विशाल देवड़ा विशाल अहीरवाल गोविंद अंकित संदीप श्याम लाल रोड़लाल गणपत राधेश्याम कमल राम कालुलाल आदि उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौर का गंगधार तहसील में निजी दौरा, प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के लिए दिए दिशा-निर्देश

बढ़ता राजस्थान

चौमहला (आबिद हुसैन)। झालावाड़ जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौर ने गंगधार तहसील क्षेत्र में परिवार सहित निजी दौरे पर शनिवार रात्रि विश्राम उन्हेल नागेश्वर में किया।रविवार को सुबह भगवान नागेश्वर पार्श्वनाथ के दर्शन कर प्राचीन ऐतिहासिक नगर गंगधार पहुंचे ,जंहा परिवार सहित महालक्ष्मी माता मंदिर में दर्शन कर पूजा आरती की तथा आसपास नदी ,पुष्प वाटिका के सौंदर्य को निहारा ,इसके पश्चात जर्जर हो चुके पुराने तहसील भवन व पुरासम्पदा गंगधार गढ़ किले और,जल सागर बड़ा तालाब जेताखेड़ी जो डल झील के नाम से भी जाना जाता है व आसपास की बनी ऐतिहासिक प्राचीन छतरियों का अवलोकन किया व इनके बारे में जानकारियां ली । जिनके संरक्षण व जीर्णोद्धार के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए तथा इन प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के लिए पुरातत्व विभाग में शामिल करने के लिए विभाग को पत्र लिखने की बात भी कही।इस अवसर पर नायब तहसीलदार ,भाजपा मंडल महामंत्री दिलीप मोरी ,कौशल शर्मा ,दशरथ नंदन पांडे ,मनीष मिश्रा ,बंशीलाल राठौड़ साथ रहे ।

अवैध बजरी रोकने के लिए एसपी निकले फील्ड में

चंबल क्षेत्र के कई गांवों में दबिश देकर दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए, आरोपी फरार

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। घड़ियाल अभयारण्य क्षेत्र होने की वजह से चंबल बजरी निकासी पर सुप्रीम कोर्ट का प्रतिबंध है। अवैध रूप से निकली जा रही बजरी को रोकने के लिए एसपी सुमित मेहरड़ा शनिवार को बजरी निकासी वाले क्षेत्र में पहुंच गए। एसपी के साथ पुलिस की टीम ने एक दर्जन से अधिक गांव में दबिश देकर चंबल बजरी से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं। धौलपुर एसपी सुमित मेहरड़ा, सीओ सिटी मुनेश मीना और पुलिस की टीम को लेकर चंबल नदी के किनारे के गांव में पहुंच गए। एसपी के साथ मौजूद डीएसटी टीम, बाड़ी सदर, बसई डांग, कोतवाली, निहालगंज और सदर थाने की पुलिस टीम ने बजरी कारोबारी की धरपकड़ के लिए दर्जन भर से अधिक गांव में दबिश की कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस की टीम ने दो अलग-अलग जगह से चंबल बजरी से भरी दो ट्रैक्टर ट्रॉलियां जब्त कर ली।

पुलिस की कार्रवाई को देखकर बजरी कारोबारी मौके से भाग निकले, जिसके बाद पुलिस की टीम ने चंबल नदी के किनारे सर्चिंग ऑपरेशन चलाया। चंबल बजरी कारोबार को रोकने के लिए शुक्रवार से स्पेशल ऑपरेशन शुरू किया गया है। और ऑपरेशन के पहले दिन सीओ सिटी मुनेश मीना के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने चार बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की थी।

वहीं, शनिवार को एसपी के नेतृत्व में पुलिस ने दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। सीओ सिटी ने बताया कि बजरी के खिलाफ पुलिस अधीक्षक की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बसेड़ी रोड पर भूतेश्वर पुलिया के पास सड़क हादसा, आधा दर्जन से अधिक घायल

घायलों में चार बच्चे और एक युवती सहित सात शामिल, तीन की हालत गंभीर

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। उपखंड से गुजर रहे बसेड़ी रोड पर भूतेश्वर पुलिया के पास रविवार को दिन में करीब तीन बजे सड़क हादसा हुआ है। स्विफ्ट और बोलेरो गाड़ी में हुई आमने-सामने भिड़ंत में दो बच्चों सहित सात लोग घायल हुए हैं। जिनमें से तीन की हालत गंभीर होने पर बाड़ी से चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया है। बाकी सभी घायलों का उपचार बाड़ी सिटी अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार उपखंड के चिलाचोंद गांव निवासी जगदीश गोस्वामी और उसका परिवार आज दिन में बोलोरो गाड़ी सवार लोग बसेड़ी बुआ के यहां शादी में भात देने जा रहे थे। वहीं भरतपुर से एसएससी पशु चयन परीक्षा में शामिल होकर स्विफ्ट कार सवार अभ्यर्थी अपने गांव खानपुर लौट रहे थे। दोनों गाड़ियों में भूतेश्वर पुलिया के पास भिड़न्त हो गई। जिसमें स्विफ्ट डिजायर कार में सवार एक युवती सहित सभी लोग घायल हो गए। वहीं बोलेरो में सवार छोटे बच्चे घायल हो गए। वहीं बड़े लोग केवल चोटिल हुए हैं। गनीमत यह रही है कि दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। घायलों के साथ अस्पताल में मौजूद महिला मंजू ने बताया कि वह चिलाचोंद गांव निवासी हैं। बसेड़ी में अपनी ननद के घर भात देने जा रहे थे। इस दौरान भूतेश्वर पुलिया पर बसेड़ी की और से आ रही कार से भिड़ंत हो गई। जिसमें 6 वर्षीय ध्रुव पुत्र जितेश गोस्वामी, 4 वर्षीय अमन पुत्र जितेश गोस्वामी के साथ 8 वर्षीय परी पुत्री जगदीश और लखन पुत्र जगदीश घायल हुए हैं। जिनका उपचार बाड़ी अस्पताल में चल रहा है। वही स्विफ्ट कार में सवार खानपुर गांव निवासी 30 वर्षीय प्रदीप पुत्र

संतराम मीणा, प्रवेश पुत्र शिल्पराम मीणा और 20 वर्षीय युवती गुड्डी पुत्री ग्यासीराम मीणा घायल हुए हैं।

इन तीनों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया है। साथ आये परिजनों ने बताया की कार सवार चार लोग भरतपुर में एसएससी पशु चिकित्सा की परीक्षा देने गए थे। जहां से वापस लौट रहे थे।

एंबुलेंस से पहुंचाया अस्पताल : दुर्घटना की सूचना पर सभी घायलों को एंबुलेंस से बाड़ी अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं सूचना पर सदर थाना पुलिस भी मोके पर पहुंची व मामले की जांच में जुटी है।

बाल संसद चुनाव 2024-25 का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी(नि.स.)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उलावतीपुरा में रविवार को बाल संसद चुनाव 2024-25 का आयोजन किया गया, जो कि मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन और दा हंस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में जीवन कौशल प्रशिक्षक संगीता कोली, ज्योति जी एवं सुधा शर्मा, और ष्टष्ट वंदना कुमारी के सहयोग से 30 नवंबर को बाल संसद चुनाव 2024-25 का आयोजन बड़े ही उत्साह और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत संपन्न हुआ। इस चुनाव में विद्यालय के विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अनुभव किया। चुनाव में विद्यार्थियों ने विभिन्न पदों के लिए चुनावी प्रचार अभियान चलाया, जिसमें उम्मीदवारों ने अपने विचार, योजनाएँ और दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। बच्चों ने अपने पसंदीदा उम्मीदवारों के पक्ष में वोटिंग की और इस चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी नियमों का पालन किया गया। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन और दा हंस फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बच्चों को लोकतंत्र की महत्वता, चुनाव प्रक्रिया और जिम्मेदार नागरिक बनने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देने के साथ-साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी का भी एहसास कराते हैं।विद्यालय के प्रधानाचार्य मानसिंह सिंह जी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, यह आयोजन छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने का एक अच्छा माध्यम है। हमें उम्मीद है कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में समाज के प्रति जिम्मेदारी और नेतृत्व का भाव

विकसित होगा। इस बार संजना कक्षा 9 वी.की छात्रा को विद्यालय के प्रधानमंत्री की शपथ दिलाई गई। बाल संसद के अन्य पदों पर भी योग्य विद्यार्थियों अतुल कक्षा 10वी, कामिनी कक्षा 8 वी प्रिंस कक्षा 7 वी, परिवेंद्र कक्षा 11वी, का चयन हुआ। इस चुनावी आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों और संस्था के सभी सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिनमे व्याख्याता मानसिंह जी , वरिष्ठ अध्यापक प्रहलाद सिंह मीणा जी, ईश्वरी प्रसाद जी, रामकुमार जी, मदन गोपाल जी, सीमा कुमारी जी, अध्यापक रमेश चंद्र वंशी लाल जी, राजेंद्र प्रसाद जी, वीरेंद्र पाल सिंह जी, रतन सिंह राजावत जी, कनिष्ठ सहायक पल्लवी गर्ग जी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अंजली देवी समस्त अध्यापकगण। यह आयोजन बच्चों में राजनीतिक और सामाजिक समझ को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्हें सही निर्णय लेने की क्षमता भी प्रदान करता है।

पत्नी की मौत के चार दिन बाद ससुराल पक्ष से परेशान पति ने लगाई फांसी

पत्नी की मौत पर रुपये नहीं देने पर जेल में डालने का बना रहे थे दबाव

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (नि.स.)। उपखंड के कंचनपुर थाना क्षेत्र के लखेपुरा गांव में पत्नी की मौत के चार दिन बाद ससुराल पक्ष से परेशान पति द्वारा घर के पास पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़ित परिजन अचेत हुए युवक को लेकर अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। ऐसे में कंचनपुर थाना पुलिस ने शव को बाड़ी अस्पताल की मोर्चरी रखवाया। जहां परिजनों की मौजूदगी में पंचनामे के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की है। मृतक के बड़े भाई प्रेमचंद ने मामले को लेकर पुलिस को रिपोर्ट दी है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। लखेपुरा गांव निवासी प्रेमचंद पुत्र हेतराम जाटव ने बताया कि उसका छोटा भाई बृजेश दिल्ली के पास पलवल में मार्बल टाइल्स का काम करता है। 26 नवंबर की रात को घर में उसकी पत्नी भारती ने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उस वक्त बृजेश घर पर मौजूद नहीं था। दूसरे दिन मृतक भारती के पीहर पक्ष बसेड़ी के बागथर निवासी उसकी मां रंजीता पत्नी रमाकांत जाटव ने पुलिस को रिपोर्ट दी। जिसमे ससुरालवालों पर दहेज के लिए परेशान करने और हत्या करने का आरोप लगाया। घटना से बृजेश सदमे में था ।

पुलिस कर रही मामले की जांच : कंचनपुर थाना एएसआई होतम सिंह ने बताया कि घटना की

सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी रखवाया था। जहां आज परिजनों की मौजूदगी में मृतक बृजेश पुत्र हेतराम जाटव 25 वर्ष के शव का पंचनामे के बाद पोस्टमार्टम कराया है। मृतक के भाई प्रेमचंद ने जो रिपोर्ट दी है। उसमें ससुराल वालों पर परेशान करने और 50000 मांगने का आरोप लगाया है। 4 दिन पूर्व मृतक की पत्नी की भी फांसी के फंदे पर झूलने से मौत हुई थी। जिसका मामला भी जांच में चल रहा है।

बाड़ी में शहर में बीच बाजार ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

बच्चे का इलाज करवाने आए युवक की बाइक रोकने पर महिलाओं ने किया विरोध

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी(राजू शर्मा)। बाड़ी शहर के व्यस्त बाजार में ट्रैफिक पुलिस द्वारा दिन में कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई शहर के सामान्य अस्पताल से शुरू होकर अग्रवाल धर्मशाला, सीताराम बाजार होते हुए मदरसा चौराहे तक पहुंची। इस दौरान बसेड़ी से बाइक पर बच्चों को दिखाने आए एक युवक की बाइक को जब ट्रैफिक पुलिस ने रोका और उससे कागजात मांगे, तो कागजात न होने पर बाइक चालक युवक ने अपनी मजबूरी बताई। इस पर पुलिस ने मोबाइल पर कागजात मंगाने की बात कही। जब ट्रैफिक पुलिस और युवक के बीच कागजों को लेकर बहस हो रही थी, तो युवक के साथ आई महिलाएं अपने छोटे बच्चों को गोदी में लेकर आ गईं और ट्रैफिक पुलिस से उलझ गईं। इस दौरान ट्रैफिक इंचार्ज रामवकील सिंह और ट्रैफिक जवानों ने दोनों महिलाओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने उनकी बात नहीं मानी। इस पर ट्रैफिक इंचार्ज ने बाइक

को जब्त कर पुलिस चौकी पहुंचा दिया। इसके बाद महिलाओं ने हंगामा खड़ा कर दिया और ट्रैफिक पुलिस पर परेशान करने का आरोप लगाया। बसेड़ी के झील गांव निवासी दिनेश कुशवाहा ने बताया- वह अपने बड़े भाई मनोज कुशवाहा की बाइक लेकर अपनी पत्नी भूरो के साथ अपने छह महीने के बच्चे को दिखाने बाड़ी आया था। उसके साथ उसके रिश्तेदार, बाड़ी निवासी बनवारी कुशवाहा की पत्नी नीतू भी थी। आयुर्वेद अस्पताल में दिखाने के बाद वह दवाई लेने चौराहे पर आया था। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस ने उसे रोक लिया। उसने बताया कि बाइक उसके बड़े भाई की है और कागज बसेड़ी में हैं, लेकिन पुलिस ने उसकी बात नहीं मानी। महिला भूरो और नीतू के आने के बाद भी उन्होंने काफी मिन्नतें कीं, लेकिन ट्रैफिक पुलिस ने उनकी बाइक को जबरदस्ती छीन लिया और चौकी पहुंचा दिया। इसके बाद महिलाएं अपने छोटे बच्चों के साथ बीच बाजार में चिल्लाती रही और उन्हें कई किलोमीटर पैदल जाना पड़ा। दिनेश कुशवाहा ने आरोप लगाया कि ट्रैफिक पुलिस की यह कार्रवाई ठीक नहीं थी, क्योंकि पुलिस के उच्च अधिकारियों ने कई बार कहा है कि महिलाओं के साथ होने पर बाइक चालकों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन यहां इसका कोई असर नहीं दिख रहा है।

अभियान के बावजूद स्थिति जस की तस : ट्रैफिक इंचार्ज रामवकील सिंह ने बताया कि शहर में जाम की समस्या को देखते हुए अभियान चलाया गया है। एक युवक ने अपनी बाइक पर नंबर प्लेट नहीं लगाई थी और उसने कागजात घर पर होने की बात कही थी। पुलिस ने कागजात मंगाने को कहा, लेकिन युवक और महिलाएं पुलिस से अभद्रता कर रहे थे। इस पर पुलिस ने बाइक को जप्त कर लिया। बाद में, जब कागजात दो घंटे बाद प्राप्त हुए, तो बाइक वापस कर दी गई।

साइकिल से घर लौट रहे बालक को स्कूल बस ने मारी टक्कर

घायल अवस्था में बालक को आगरा उपचार के लिए ले जाते समय हुई मौत

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। उपखंड के कंचनपुर थाना क्षेत्र के खेड़ली गांव में एक 13 वर्षीय बालक की स्कूल से घर लौटते समय सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद आगरा उपचार के लिए ले जाते समय मौत हुई है। घटना के बाद कंचनपुर पुलिस ने मृतक बालक के शव को शनिवार की देर रात बाड़ी अस्पताल की मोर्चरी रखवाया। जहां रविवार को परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कंचनपुर थाना क्षेत्र के खेड़ली गांव निवासी 13 वर्षीय बालक आशीष पुत्र सुरेंद्र सिंह परमार के ताऊ रामहेत सिंह परमेन बताया कि बालक आशीष खेड़ली गांव से करीब 2 किलोमीटर दूर स्थित बदरेठा गांव में स्थित निजी स्कूल मां पीतांबरा में पढ़ने जाता था। जो आठवीं क्लास का छात्र था। शनिवार की शाम 4 बजे जब स्कूल की छुट्टी हुई तो वह साइकिल से वापस लौट रहा था। इस दौरान गांव खेड़ली की से बदरेठा जा रही स्कूल बस ने उसे टक्कर मार दी जैसे ही दुर्घटना की सूचना मिली परिजन घायल बालक को लेकर बाड़ी अस्पताल पहुंचे। जहां से धौलपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया। धौलपुर जिला अस्पताल में भी करीब एक घंटे उपचार के बाद हालत बिगड़ने पर उसे हायर सेंटर रेफर किया गया। ऐसे में परिजन उसे लेकर आगरा निजी अस्पताल जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। ऐसे में शनिवार रात 11 बजे कंचनपुर पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी रखवाया। जहां आज पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की है। घटना को लेकर परिजनों ने पुलिस में रिपोर्ट दी है।

इनका कहना है

कंचनपुर थाने के एएसआई होतम सिंह ने बताया कि शनिवार को निजी बस से एक्सीडेंट में 13 वर्षीय बालक आशीष पुत्र सुरेंद्र सिंह परमार की मौत हुई है।

घटना को लेकर परिजनों की तहरीर पर मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है।

नदियों को बचाने और समाज को जागरूक करने के लिए संत और उसके दो साथियों की चंबल परिक्रमा

इटावा से शुरू हुई परिक्रमा 60 दिन का सफ़र 1600 किमी का दूरी तय कर पहुंची बाड़ी

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी(राजू शर्मा)। नदिया हमारे जीवन रेखा है,इनके बिना जीवन संभव नहीं है। ऐसे में वर्तमान में लगातार प्रदूषित होती नदियों को बचाने और संरक्षित करने के लिए एक संत और उसके दो साथी इटावा से चंबल की परिक्रमा पर निकले हैं। करीब 1900 किलोमीटर की यह यात्रा 2 अक्टूबर गांधी जयंती से शुरू हुई है जो साठवें दिन करीब 1600 किलोमीटर का सफर तय कर बाड़ी पहुंची। इस दौरान शहर के एवीएम स्कूल में डॉ परमेश पाठक के नेतृत्व में पर्यावरण प्रेमियों और प्रकृति संरक्षण से जुड़े लोगों ने यात्रा में आए संत और उसके साथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान लोगो को सम्बोधित करते हुए पर्यावरणविद रोबिन सिंह और संत स्वामी तेजो ने लोगों को प्रकृति और नदियों से जुड़ी जानकारी दी साथ में आमजन से सहयोग की अपील की। पर्यावरणविद रोबिन सिंह ने बताया कि वह इटावा के गांव पिपरौली के रहने वाले हैं। अपने स्थानीय संत तेजोमयनन्द के नेतृत्व में साथी धीरज जी के साथ चंबल की परिक्रमा कर रहे हैं। 2 अक्टूबर से उनकी यात्रा चंबल और यमुना के संगम गांव कचहरी,शेरगढ़ इटावा से शुरू हुई थी। जो अभी तक करीब 1600 किलोमीटर का सफर तय कर चुकी है। बाड़ी में लोगों से उन्होंने यही संवाद किया है कि वर्तमान में सभी नदियां प्रदूषण के दौर से गुजर रही है और उनके अस्तित्व को खतरा पैदा हो रहा है। केंद्र और नदियों से जुड़ी राज्य सरकारे इस और कोई ध्यान नहीं दे रही। यदि नदियों के अस्तित्व को संकट आया तो मनुष्य के जीवन को भी खतरा आएगा। इसमें कोई दोहराय नहीं है। ऐसे में जरूरत है कि जागरूक होकर नदियों को संरक्षित किया जाए।जिस पर जो बने सहयोग करें। चंबल नदी की करीब 1900 किलोमीटर से अधिक की उनकी यह परिक्रमा 7 दिसंबर को पूरी होगी। रास्ते में जो भी शहर कस्बे और गांव पड़े हैं। उन्होंने समाज को यही संदेश दिया है की नदियों को बचाए और प्लास्टिक से दूर रहे।

संतो का संदेश, नदियां नहीं बची तो मानव जीवन पर भी संकट

यात्रा के बाड़ी आगमन पर हुआ स्वागत : नदियों को बचाने का संदेश लेकर यात्रा में आए संत और साथी जब बाड़ी पहुंचे तो शहर के एवीएम स्कूल में उनका स्वागत सम्मान हुआ। इस मौके पर पर्यावरण प्रेमी डॉ परमेश्वर पाठक, समाजसेवी गोपेश राज पचौरी,जितेंद्र सिंह समाधिया,रामू यादव, भारत भूषण भारद्वाज,डॉ शिवदयाल मंगल, बाड़ी सीओ महेंद्र कुमार,नरेश यादव,भगवान दास बंसल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

स्कूल में चोरी के 3 आरोपी गिरफ्तार : दो गैस सिलेंडर बरामद, रसोई से ले गए थे खाने पीने का सामान

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। धौलपुर के राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल तरवा में 11 नवंबर को हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरों ने स्कूल की रसोई से खाने पीने का सामान सहित सिलेंडर चोरी कर लिया। चोरी की वारदात को लेकर स्कूल के प्रिंसिपल ने थाने में मामला दर्ज कराया था। आंगई थाना प्रभारी राम अवतार मीणा ने बताया कि 11 नवंबर को स्कूल के प्रिंसिपल पवन कुमार ने थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि अज्ञात चोर उनके स्कूल से खाने पीने का सामान चोरी करके ले गए हैं। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की गहनता से जांच की। जिसके बाद पुलिस ने चोरों को चिन्हित करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर स्कूल से चोरी हुए दो गैस सिलेंडर बरामद किए

हैं। चोरी के आरोप में पुलिस ने लोकेश उर्फ लोक (20) पुत्र सुरेंद्र निवासी आंगई, अभिषेक उर्फ लाला (23) पुत्र इंद्र सिंह निवासी सलेमपुर पाटी और राधेश्याम उर्फ राधे (19) पुत्र गोधन सिंह निवासी नूरपुर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों से चोरी के सिलेंडर बरामद किए गए हैं। जिनसे पुलिस चोरी के दूसरे सामान की बरामदगी के प्रयास कर रही है। चोरी का सामान बरामद होने के साथ ही तीनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

देश में भाजपा ही एक मात्र पार्टी है जो समयबद्धता के साथ संगठनात्मक चुनाव कराती है : चौधरी

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णुदत्त धीमान)। भारतीय जनता पार्टी अजमेर देहात संगठन पर्व ज़िला कार्यशाला ज़िलाध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा की अध्यक्षता में भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। जिसमें ब्यावर से सभी भाजपा पदाधिकारी एवं दायित्ववान कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। इस बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता ने कहा कि संगठन पर्व ज़िला कार्यशाला के साथ ही इस पर्व का आगाज हो गया है। हमें बूथ समितियों, मण्डल अध्यक्ष व ज़िलाध्यक्ष के चुनाव समयबद्धता के साथ मिल जुलकर सभी से चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से निर्धारित समय पर कराये। उन्होंने कहा की प्रदेश में अजमेर देहात समयबद्धता के साथ श्रेष्ठ कार्य करने वाले नंबर वन ज़िले की छवि है अत: इस कार्य को भी उत्सव के रूप में मनाते हुए नंबर वन पर रहे। कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि भाजपा ही एक मात्र ऐसा संगठन जो लोकतांत्रिक पद्धति व समयबद्धता के साथ चुनाव कराता है और अजमेर देहात हर कार्य प्रदेश के निर्देशानुसार समयबद्धता के साथ संपन्न कराने हेतु पहचाना जाता है। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत व प्रदेश महामंत्री ओमप्रकाश भड़ाना ने भी संबोधित करते कहा कि भाजपा ही ऐसी पार्टी जो अन्य पार्टियों से अलग छवि रख कर देश की सेवा करती है। भाजपा अजमेर देहात ज़िलाध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा ने ज़िले के कार्यकर्ताओं की भूरि भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि हमेशा की भाति इस बार भी साधारण व सक्रिय सदस्यता में समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करते हुए अजमेर देहात प्रदेश में चौथा व विधानसभा की दृष्टि से आँकलन करे तो नंबर वन पर है। आज जब इस अभियान को पूर्ण कर रहे है तो साधारण सदस्य ऑनलाइन 2 लाख 18 हज़ार और ऑफ़ लाईन 15 हज़ार के लगभग यानि 2 लाख 33 हज़ार सदस्य बने है तो सक्रिय सदस्यता में 2500 सदस्य बनाकर रिकॉर्ड बनाया है। ज़िला संगठन पर्व सहयोगी शेलेंद्र भार्गव ने कहा कि हमें बूथ पर जाकर सभी की सूचित कर बैठक कर सर्व सम्मति से बूथ समितियों के गठन

कार्य पूर्ण करना है। सह सहयोगी डॉ बीपी सारस्वत ने कहा यह बूथ सम्मतिया अध्यक्ष सहित 12 जनों की होगी जिसमें मंत्री के साथ मन की बात प्रमुखए लाभार्थी प्रमुख भी बनाना है। समिति के साथ पन्ना प्रमुख का कार्य भी पूर्ण करना है। कार्यशाला को विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत, रामस्वरूप लाम्बा आदि ने संबोधित किया। मंच का संचालन ज़िला महामंत्री पवन जैन व रायचंद बागड़ी ने किया। मंडलों में शानदार कार्य को संपादित करने वाले मण्डल अध्यक्षों का साफ़ा पहनाकर अभिनंदन किया। इसमें रामगढ़ के प्रभुलाल जाट, आशापुरा के जितेंद्र कावड़िया, जवाजा की संतोष रावत, खोड़ा गणेश के सुरजीत सिंह रावत, पीसागन के मुन्नालाल कुमावत, सरवाड के प्यारेलाल खिची व बघेरा के सत्यनारायण गुजर को सम्मानित किया। सदस्यता अभियान के सायोजक महेंद्र सिंह मझेवला व सक्रिय सदस्यता के संयोजक जीतमल प्रजापत व संगठन पर्व के समन्वयक नरेंद्र सिंह रावत का भी सराहनीय कार्य हेतु सम्मानित किया।

जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार 3-4 दिसंबर को दो दिवसीय शिविर का होगा आयोजन

शिविर में पात्र लोगों को ज्यादा से ज्यादा योजनाओं से लाभान्वित करने के कार्यों का होगा संपादन

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णुदत्त धीमान)। जिला कलेक्टर डॉ महेंद्र खडगावत द्वारा विभिन्न विभागों को छावनी रोड स्थित सांसी बस्ती में निवासरत लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिएए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने व पात्र लोगों को ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित करने के लिए शिविर लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसी के तहत अग्निशमन कार्यालय परिसर में 3 दिसंबर से 4 दिसंबर तक दो दिवसीय शिविर का प्रात: 10 बजे से 4 बजे तक आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि स्वयं के विभाग से संबंधित अधिकारियों कार्मिकों की ड्यूटी लगाकर कैंप दिवस में ज्यादा से ज्यादा पात्र लोगों को विभागीय योजनाओं का लाभ देना सुनिश्चित करें ।

शिविर में इन कार्यों का होगा संपादन

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सामाजिक सुरक्षा पेंशन व पालनहार योजना के नवीन आवेदन के कार्य करेंगे। रसद विभाग द्वारा खाद्य सुरक्षा से वंचित लोगों को लाभान्वित करने एवं विभाग द्वारा संचालित अन्य जनकल्याणकारी योजना की जानकारी एवं पात्र लोगों का चयन करने का कार्य किया जाएगा। इसी के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा पात्र दिव्यांगजनों को दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करने एवं विभाग से संबंधित अन्य जन कल्याणकारी योजना की जानकारी देने व पात्र लोगों के चयन करने के साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग को विभिन्न प्रकार के ई मित्र संबंधी कार्य के लिए ई मित्र धारकों की ड्यूटी लगाने के लिए निर्देश दिए ।

हनुमान भक्त श्रमिक नेता भारतीय मजदूर संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र रावत को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। भारतीय मजदूर संघ चित्तौड़गढ़ के पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र रावत के आकस्मिक निधन पर बाल स्वरूप हनुमान मंदिर खाकी जी की कुई के ऊपर शनिवार को उनके निधन पर सभी भक्त जनों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए महंत सुश्री उमागिरी के नेतृत्व में पंडित शिव शंकर व्यास के सानिध्य में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया । संगीतमय सुंदरकांड पाठ में महंत आत्मानंद गिरि हरश्याम कर्साना बलदेव मोड अजय मालू अशोक उपाध्याय मोहन भट्ट रतन शर्मा वासुदेव सिंधी सुनील सुखवाल लीलाधर बालमुकुंद जोशी सीताराम कुमावत प्रेम बाबू शर्मा सहित भक्त जनों ने मिलकर सश्वर सुंदरकांड पाठ किया पाठ के पश्चात उनकी आत्मा की शांति के लिए पुष्पांजलि अर्पित की गई।

जैन संघ व्यसन मुक्ति के प्रणेता

नानेश पट्टधर जैनाचार्य प्रवर रामलाल जी म सा रविवार को भोजपुरा पहुंचे, आज पधारेंगे ब्यावर

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णुदत्त धीमान)। व्यसन मुक्ति के प्रणेता, नानेश पट्टधर जैनाचार्य प्रवर रामलाल जी म सा रविवार सवेरे निकटवर्ती गांव राजियासवास से अपने शिष्य समुदाय सहित पैदल विहार कर के डी जैन स्कूल नरबदखेड़ा पहुंचे। जैनाचार्य के के डी जैन स्कूल पहुंचने पर स्कूल संस्थापक दौलत राज तातेड, निदेशक सुयश अंशुल तातेड, सरोज तातेड, आयुषी तातेड एवम श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संघ के सदस्यों ने वंदन नमन कर अगुवाई की। श्रद्धालु श्रावक श्राविकाओं ने भगवान महावीर, नाना गुरु एवम राम गुरु की जय जयकारों से समूचे क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया। जैनाचार्य ने दोपहर में श्रद्धालुओं को मांगलिक प्रदान करने के बाद उदयपुर रोड़ स्थित समाज सेवी पारस पंच के कार्यालय पहुंचे जहां रात्रि विश्राम कर सोमवार सवेरे ब्यावर पधारेंगे।

भगवान महावीर के दिव्य संदेशों का जगा रहे हैं अलख

श्री जैन मित्र मंडल ब्यावर के अध्यक्ष समाज सेवी विनय चंद रांका व संघ उपाध्यक्ष गौतम चौधरी ने बताया कि जैनाचार्य प्रवर श्री राम गुरु अपना भीलवाड़ा चातुर्मास पूर्ण कर भीलवाड़ा जिले के गांव-गांव, ढाणी-ढाणी में प्रभु महावीर एवम आचार्य नानेश के दिव्य संदेशो का अलख जगाते हुए संघ की पुरजोर विनती को मान देते हुए ब्यावर पधार रहे हैं।

समता भवन में होगा प्रवास

मंडल महामंत्री उत्तम लोढ़ा ने बताया कि जैनाचार्य श्री राम गुरु अपने प्रवास के तहत आचार्य नानेश मार्ग स्थित समता भवन में प्रवास करेंगे। जैनाचार्य प्रवर अपने शिष्य समुदाय सहित आज नगर में दिव्य मंगल प्रवेश होने की संभावना है।

जौहरबाई तालाब के पुरातत्व और सांस्कृतिक महत्व को बनाए रखते हुए पुनरुद्धार हो : इंटेक

जौहरबाई तालाब हमारी अद्भुत प्राकृतिक विरासत, इसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी हम सभी की

बढ़ता राजस्थान

कोटा,(का.स.)। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चर हेरिटेज 'इंटेक' की ओर से जोहराबाई तालाब नान्ता स्थित सकस जी महाराज के आश्रम पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इंटेक कोटा चैप्टर के कन्वीनर निखिलेश सेठी ने बताया कि संगोष्ठी में 'विरासत और पर्यावरण की गंभीर चुनौतियां' विषय पर विभिन्न पर्यावरणविदों ने विचार रखे। इस दौरान इंटेक की ओर से नान्ता के ऐतिहासिक जोहराबाई तालाब के जीर्णोद्धार के लिए विशेष अभियान चलाने पर चर्चा हुई। इंटेक ने सरकार से भी तालाब के पुरातत्व और सांस्कृतिक महत्व को बनाए रखते हुए पुनरुद्धार की मांग की है। संगोष्ठी में कोटा चैप्टर के कन्वीनर निखिलेश सेठी ने कहा कि जौहरबाई का तालाब कोटा शहर के निकट अद्भुत प्राकृतिक विरासत है। जो वर्षा जल संरक्षण का अद्भुद मॉडल है। जहां देश विदेश के पक्षी डेरा डालते हैं। इसे शासन एवं समाज के संयुक्त प्रयासों से बचाया जाना चाहिए। सेठी ने कहा कि पूर्व में थर्मल की राख के कारण यह तालाब भर गया था। अब रख का सदुपयोग होने से तालाब खाली हो गया है। इसमें वर्षा जल भी एकत्रित रहने लगा है। सरकार के मामूली प्रयासों से इस जल राशि को पुनर्जीवित कर कोटा का केवलादेव बनाया जा सकता है।

रस्साकसी पुरुष प्रतियोगिता के समापन समारोह में आंजना ने की शिरकत

पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने विजेता एवं उप विजेता टीमों को किया पुरस्कृत

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। अखिल भारतीय धनगर गाडरी समाज ब्लाक भोपालसागर एवम् ब्लाक रेलमगरा द्वारा जाश्मा का मगरा में प्रताप जी महाराज के 126 में जन्मोत्सव के उपलक्ष में समाज द्वारा द्वितीय खेलकूद ओपन रस्साकसी पुरूष वर्ग प्रतियोगिता समापन पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के मुख्य आतिथ्य में हुआ। आंजना ने प्रतियोगिता की विजेता टीम राजसमंद, अमरपुरा एवं राजसमंद क्र उपविजेता टीम माकनपुरिया को पुरस्कृत किया। पूर्व मंत्री आंजना एवं उपास्थित अन्य अतिथियों ने प्रतियोगिता स्थल पहुंचकर दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया और अखिल भारतीय धनगर गाडरी समाज द्वारा इस बेहतरीन आयोजन के लिए पूर्व मंत्री आंजना ने आयोजकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि समाज द्वारा आयोजित इन प्रतियोगिताओं से खेल के प्रति युवाओं में उत्साह और जोश का संचार होता है और साथ ही समाज के सामूहिक विकास और एकता का सशक्त संदेश भी जाता है। समापन समारोह की अध्यक्षता ज़िला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भेरूलाल चौधरी ने की एवं बतौर विशिष्ठ अतिथि मोहन लाल गाडरी प्रदेश सचिव सेवा दल,राजसमंद जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष देवकीनंदन गुर्जर, राजसमंद के पूर्व ज़िला प्रमुख नारायण सिंह भाटी, रेल मगरा पंचायत समिति के प्रधान आदित्य प्रताप सिंह चौहान, श्री प्रताप जी महाराज समिति के अध्यक्ष मोहनलाल गाडरी अमरपुरा, प्रदेश कांग्रेस ओ

बी सी प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष भेरूलाल गाडरी कानाखेड़ा, गाडरी समाज के पूर्व ज़िला अध्यक्ष नारायण लाल ईडरा, सेवा दल के प्रदेश सचिव मोहन लाल गाडरी बनाकिया, पूर्व विधायक प्रतिनिधि उदयलाल बैरवा, पंचायत समिति सदस्य सुरेश गाडरी मंचासीन थे। प्रारंभ में अखिल भारतीय धनगर गाडरी समाज एवं प्रतियोगिता आयोजन कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा पूर्व सहकारिता मंत्री आंजना एवं अतिथियों का प्रतियोगिता स्थल पहुंचने पर मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर एवं अपर्णा ओढ़कर आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया गया। समापन समारोह का संचालन डालचंद कुमावत लवाणा (राजसमंद) ने किया।

तुर्रा कलगी कार्यशाला प्रारम्भ

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर व संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित उत्तराधिकार गुरू शिष्य परम्परा योजना के अन्तर्गत तुर्राकलगी कार्यशाला प्रशिक्षण का स्थानीय देवरी ग्राम केन्द्र पर उद्घाटन हुआ। अखाड़ा कलगी घोसुण्डा मैनेजर लक्ष्मीनारायण रावल ने बताया कि उद्घाटन अवसर पर प्रिंसीपल मीनाक्षी वर्मा, मंजु काकानी, उप प्रधानाचार्या चन्दा सालवी, व्याख्याता आशीष जोशी, अंकिता जैन, जाहवियत बोरा, वन्दना मित्तल, आरती मीना, गणपत खटीक, मंजु व्यास, विद्या शर्मा, आरती वर्मा, गोपाल जागेटिया, व्यवस्थापक संदीप आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वन्दना मित्तल ने किया। आभार मिनाक्षी वर्मा ने जताया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि लुप्त होती लोककलाओं के प्रोत्साहन को लेकर आयोजित ऐसी कार्यशालाओं से बच्चों व युवाओं में जागरूकता बढ़ेगी और लोक कलाकारों को संबल मिलेगा। लक्ष्मीनारायण रावल ने बताया कि यह कार्यशाला 31 मार्च, 2025 तक चलेगी जिसमें सांस्कृतिक केन्द्र के निर्देशानुसार 12 बच्चों को तुर्राकलगी शैली में गायन, नृत्य, नाटक, वादन, अभिनय सिखाया जायेगा। सहायक उस्ताद मिर्जा अकबर बेग कागजी घोसुण्डा सहित 15 से 25 वर्ष के बालक, बालिका शिष्य भाग ले रहे हैं।

पर्ची पर अंको से सट्टे की खाईवाली करते एक युवक को किया गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णुदत्त धीमान)। जुआ सट्टा करने वालों के विरूद्ध साईबर टीम एवं साकेत नगर थानाधिकारी बलभद्र सिंह ने कार्यवाही करते हुये एक आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। जिले मे चल रहे जुआ सट्टा करने वालो के विरूद्ध निरंतर कार्यवाही जारी हैं। इसी क्रम मे शनिवार 30 नवम्बर 2024 शाम को मुखबिर से साकेत नगर थानाधिकारी बलभद्र सिंह को सूचना मिली कि हरीश पुत्र मोटूमल सिंधी (48) निवासी कटारिया कालोनी ब्यावर पुलिस थाना साकेत नगर जिला ब्यावर नाम का एक व्यक्ति जो ऑनलाईन सट्टा करता है वह अभी सट्टा की खाईवाली कर रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुये मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंचे तो एक व्यक्ति दिखाई दिया जिसको घेरकर पकडा व नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम हरीश सिंधी बताया। फोन चैक करने पर उसमे ऑनलाईन सट्टा की सामग्री नहीं मिली। उसकी तलाशी मे अंक पर्ची पर सट्टा लगाना मिला। उक्त व्यक्ति के पास से सट्टा अंक पर्ची व जुआ राशी 1090 रूपये मिले। इस पर समस्त सट्टा सामग्री को जब्त का आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

महावीर मंडल की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। महावीर जैन मंडल चित्तौड़गढ़ की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को आयोजित हुआ। गांधीनगर स्थित नानू नवकार भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में वर्ष 2024 से 2026 तक के लिए महावीर जैन मंडल चित्तौड़गढ़ के निर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र दोशी एवं उनके द्वारा गठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष डॉ इंद्रमल सेठिया ने शपथ दिलाई। समारोह का प्रारंभ सामूहिक नवकार मंत्र के जाप एवं भगवान महावीर की तस्वीर के समक्ष द्वीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रारंभ में मंच के संरक्षक मंडल के सदस्यों किरण डांगी, रोशन लोढ़ा ,सुरेश लोढ़ा, सांवरमल बोरिया, पारस सोनी, राजेंद्र बाबेल, सी एम बोकडिया सहित अध्यक्ष राजेंद्र दोशी, महासचिव सोहनलाल पोखरण, कोषाध्यक्ष नवीन पटवारी ,नवयुवक मंडल अध्यक्ष ऐवंत मेहता ,प्रोफेशनल फोरम अध्यक्ष डॉ अरविंद सांखला एवं निवर्तमान अध्यक्ष आई एम सेठिया का ऊपरना ओढ़ा कर अभिनंदन किया गया। समारोह का संयोजन डॉ.कनक जैन एवं प्रो.सी एम रांका ने किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र जोशी ने गुरुत्तर दायित्व उन्हें सौंपने पर समाज का आभार व्यक्त किया तथा विश्वास दिलाया कि वे तथा उनकी कार्यकारिणी समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेगी। उन्होंने सर्व सुविधाओं युक्त महावीर मंडल के नवीन भवन निर्माण, जरूरतमंद

जैन परिवारों की हर संभव मदद का प्रयास करने एवं समाज के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के लिए विशेष प्रबंध करने को अपनी प्राथमिकता बताया।

महासचिव सोहनलाल पोखरना ने बैंक लेनदेन संबंधी एवं सुधर्म संघ को महावीर मंडल के सदस्य के रूप में मान्यता देने का प्रस्ताव सदन में रखा जिसे सभी ने सर्वसम्मति से पारित किया । इसके बाद महावीर जयंती एवं महावीर मंडल को प्रभावी बनाने के लिए महेंद्र टोंगिया ,नेमीचंद्र अग्रवाल, डा आर एल मारू, अरविंद ढिल्लीवाल, डॉ ज्ञान सागर जैन, अभय संचेती आदि ने महत्वपूर्ण सुझाव व्यक्त किये। अंत में संगठन मंत्री नवनीत मोदी ने आभार व्यक्त किया।

आखिर मृत कुत्ते के शव को उठाने के लिये विधायक को फोन करना पड़ा

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णुदत्त धीमान)। चांग गेट बस स्टेण्ड के पास अज्ञात वाहन की चपेट मे आने के बाद एक कुत्ते की दर्दनाक मौत हो गई। मौत के बाद कुत्ते के शव को उठाने के लिये चांग गेट व्यापार एसोसिएशन के लोगो ने नगर परिषद मे व जमादार को फोन किया लेकिन शव नहीं उठाया, 3 घंटे तक सडक पर पडे कुत्ते का शव सडांध मारता रहा। आखिर विधायक शंकर सिंह रावत का उस मार्ग पर निकलना हुआ और उनकी नजर उस पर पडी तो उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों को कुत्ते के शव को उठाने के निर्देश दिये। जानकारी के अनुसार रविवार को अपरान्ह लगभग 1:30बजे किसी वाहन ने कुत्ते को कुचल दिया। कुत्ते की आंते वगैरह सब बाहर आ गई। घटना के तुरन्त बाद मौके पर खडे लोगो ने चांग गेट व्यापार एसोसिएशन के दुकानदारों को कहा, उन्होने नगर परिषद मे फोन किया लेकिन किसी ने फोन नही उठाया। बाद मे चांग गेट के जमादार को दूरभाष पर इत्तला देकर बताया कि चांग गेट पर एक कुत्ते की मौत हो गई है। इस पर वह किसी सफाई कर्मचारी को भेजकर उठवा दे। लेकिन 3 घंटे तक मृत कुत्ते का शव सडांध मारता

रहा। आखिर क्षेत्रीय विधायक शंकर सिंह रावत जब उधर से निकले तो अचानक कुत्ते के शव पर नजर पडी। उन्होंने तत्काल नगर परिषद के अधिकारियों को सूचना कर मृत कुत्ते के शव को तत्काल उठाने के निर्देश दिये।

चेतन नंदवाना स्मृति मे रक्तदान एवं नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

बढ़ता राजस्थान

अंता (शफीक मंसूरी)। रविवार को भारत विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष, समाजसेवी स्व.चेतन नंदवाना(कान्हा) की पंचम पुण्यतिथि पर निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर और रक्तदान शिविर चेतन नंदवाना मित्र मण्डल और भारत विकास परिषद् अंता शाखा द्वारा पोस्ट ऑफिस बालाजी की बगीची मे आयोजित किया गया,शिविर का शुभारम्भ पुलिस अधीक्षक शोजी लाल मीणा, तहसीलदार सत्यनारायण शर्मा, और डॉ. प्रेम नागर द्वारा स्व. चेतन नन्दवाना,भारत माता एवं स्वामी विवेकानन्द के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर मे कोटा ब्लड बैंक और अग्रवाल ब्लड बैंक द्वारा 85 यूनिट रक्त संग्रह किया गया और नेत्र शिविर मे 170 मरीजों का परिक्षण किया गया और साथ ही 75 मरीजों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया, ऑपरेशन के लिए चयन किये गए मरीजों का बिरला आई हॉस्पिटल कोटा मे ऑपरेशन किया जावेगा द्यजहां उनको लाने ले जाने,भोजन सहित नि:शुल्क चश्मे वितरण की सुविधा भी दी जायेगी। शिविर मे चेतन नंदवाना के परिवारजनों, मित्रगण एवं भारत विकास परिषद् के सदस्य व्यवस्था बनाने हेतु तत्पर रहे।इस द?रान राजू ननवाना पार्षद धनराज चौरसिया अजय गुर्जर रोहित नंदवाना पुनीत नंदवाना, योगेंद्र शर्मा, रिंकू गुर्जर शिव स्वरूप शर्मा सहित परिजनो द्वारा समस्त सहयोग कर्ताओ का आभार प्रकट किया गया ।

कुंभलगढ़ फेस्टिवल का शोभायात्रा और सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रमों से हुआ भव्य आगाज

देशी-विदेशी पर्यटकों का उमड़ा सैलाब, राजस्थानी संस्कृति का दिखा अद्भुत नजारा, लोक कलाकारों के साथ झूम उठे पर्यटक

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (नि.स.)। कुंभलगढ़ फेस्टिवल 2024 का शुभारंभ रविवार को पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ हुआ। शौर्य, त्याग, बलिदान के प्रतीक, यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट और मेवाड़ के आन बान शान के प्रतीक ऐतिहासिक धरोहर कुंभलगढ़ किले में आयोजित इस फेस्टिवल के पहले दिन पर्यटकों ने पारंपरिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का खूब आनंद लिया। पर्यटन उप निदेशक शिखा सक्सेना ने बताया कि फेस्टिवल का आगाज सुबह 11 बजे हल्लापोल से कुंभलगढ़ किले तक भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ, जिसमें पारंपरिक वेशभूषा में कलाकारों ने राजस्थानी लोक संस्कृति की झलक पेश की। शुभारंभ के दौरान प्रधान कमला दसाणा, उपखंड अधिकारी गोविंद सिंह, पर्यटन उप निदेशक शिखा सक्सेना, सहायक निदेशक विवेक जोशी, पर्यटक अधिकारी जितेंद्र माली, सहायक पर्यटक अधिकारी नीलू राठौड़, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष भरतपाल सिंह, बड़ी संख्या में पर्यटक, स्थानीय नागरिक आदि मौजूद थे। इसके पश्चात लाखेला तालाब पर लगे फूड कोर्ट में पर्यटकों ने राजस्थानी व्यंजनों का लुत्फ उठाया। दिन भर फूड कोर्ट पर देशी विदेशी पर्यटक स्थानीय खाद्य उत्पादों का आनंद लेते दिखाई दिए। शाम 7 बजे से शुरू हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रत्ना दत्त ने कथक, ओडिसी, और भरतनाट्यम की अद्भुत प्रस्तुतियां दीं, जिसने पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। कुंभलगढ़ फेस्टिवल के पहले दिन लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने जब राजस्थानी लोक नृत्य और संगीत की प्रस्तुति दी, तो पूरा माहौल संस्कृति और आनंद से सराबोर हो गया। कलाकारों की हर प्रस्तुति में मेवाड़ की मिट्टी की सुगंध और परंपराओं की झलक दिखाई दी। पर्यटक खुद को थिरकने से रोक नहीं सके और लोक कलाकारों के साथ झूम उठे। सांझ ढलते ही मंच पर जब कथक, ओडिसी और भरतनाट्यम जैसे शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत हुए, तो दर्शकों की तालियों ने आसमान गूंजा दिया। लोक गायकों की सुरमयी आवाज ने ऐसा जादू किया कि देशी-विदेशी पर्यटक भी झूमने पर मजबूर हो गए। इस सांस्कृतिक उत्सव ने न केवल मेवाड़ की कला को सराहा, बल्कि इसे विश्व पटल पर एक नई पहचान भी दी। फेस्टिवल के दूसरे दिन, 2 दिसंबर सोमवार को शाम 7 बजे कैलाश चंद्र मोठिया और ग्रुप वायलिन की प्रस्तुति देंगे। इसके बाद सवाई भाट एवं ग्रुप द्वारा सूफी गायन पेश किया जाएगा।

तीसरे और अंतिम दिन, 3 दिसंबर को बरखा जोशी एवं ग्रुप कथक और लोक गायन की प्रस्तुति देंगे। साथ ही मोहित गंगवानी और ग्रुप तबला वादन करेंगे। शेष दोनों ही दिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक पगड़ी बांधो प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, लोक नृत्य, और लोक गायन जैसी गतिविधियां होंगी, जो पर्यटकों को राजस्थानी संस्कृति के करीब लाएंगी। तीन दिन तक चलने वाले इस फेस्टिवल का समापन 3 दिसंबर की रात को होगा। कुंभलगढ़ फेस्टिवल पर्यटकों को मेवाड़ के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति से रूबरू कराने का अनूठा अवसर प्रदान कर रहा है।

एड्स दिवस की पूर्व संध्या पर रंगोली बनाकर दिया रोकथाम का संदेश

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। केलवा स्वर्गीय भेरूलाल बोहरा राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर विश्व एड्स दिवस की पूर्व संध्या पर एच आई वी एड्स की रोकथाम हेतु दी राजसमंद नेटवर्क संस्थान और टी आई राजसमंद के संयुक्त तत्वाधान में रंगोली एवं कैंडल लाइट्स का प्रोग्राम आयोजित किया गया। रंगोली चित्र जो लीड करते हुए नेटवर्क संस्थान के मोतीलाल देवड़ा ने बताया कि एड्स एक गंभीर ओर लाइलाज बीमारी है इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है कार्यक्रम में अस्पताल प्रभारी चिकित्सक डॉ सुरेंद चौधरी ने कहा कि इस वायरस को गंभीरता से लेते हुए चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों को सामान्य लोगों को जागरूक करना पड़ेगा । कार्यक्रम में टी आई से गोपाल शर्मा ने कहा कि उच्च जोखिम समूह की पहचान कर उनकी परामर्श करना ही वायरस की रोकथाम में कारगर सिद्ध होगा। कैंडल लाइट्स प्रोग्राम में केलवा थाना से एस आई कल्याण सिंह, लेब टेक्नीशियन जब्बर सिंह, सरिता शर्मा, समाजसेवी कमलेश जोशी, कमलेश माहेश्वरी, नीता देवी, लक्ष्मी देवी, मरीज परिजन और चिकित्सालय का स्टाफ मौजूद थे।

स्काउट गाइड का उद्देश्य बालकों में समाज सेवा की भावना उत्पन्न करना है : ओमप्रकाश गुप्ता

ओमप्रकाश गुप्ता जिलाध्यक्ष व प्रमिला खंडेलवाल बने जिला उपाध्यक्ष

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय टोंक के तत्वावधान में रानी लक्ष्मी बाई कन्या महाविद्यालय में जिला स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। संघ के सचिव विष्णुकांत शर्मा ने बताया कि समारोह में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया।

उन्होंने बताया कि जिला अध्यक्ष के पद पर ओमप्रकाश गुप्ता का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। इसी प्रकार जिला उपाध्यक्ष पद पर प्रमिला खंडेलवाल का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। उन्होंने बताया कि जिला अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का स्काउट परंपरानुसार स्वागत किया गया। जिला अध्यक्ष के पद पर ओमप्रकाश गुप्ता ने कहा कि स्काउट गाइड अनुशासित होते है तथा सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा में मदद करते है। स्काउट गाइड का उद्देश्य पहला चरित्र का गठन है, दूसरा ध्वनि स्वास्थ्य की आदतों का निर्माण करना, तीसरी हस्तकला में प्रशिक्षण और उपयोगी कौशल प्राप्त करना व चौथा कार्य कुशलता से समाज सेवा की एक उचित भावना उत्पन्न करना है। जिससे समाज के बालक बालिकाओं में अच्छी नागरिकता का विकास होता है।

समारोह में जिला सचिव गिर्राजप्रसाद गर्ग व सीओ आचू मीना ने स्काउट गाइड के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर राजेंद्र आचार्य नागौर, गजानंद वर्मा, महेश सिंह, पदमचंद सौगाणी, महेश सिंह, धर्म सिंह, उमाशंकर गुर्जर, मांगीलाल, अलका शर्मा, अंजू यादव, संतरा बाई, सत्य सुंदर, शंकरलाल बलाई, विक्रम सिंह व अजय कुमार सहित 198 स्काउट व 138 गाइड उपस्थित रहे।

कर्तव्य बोध अभियान : कुकिंग प्रतियोगिता में हिमांगी अव्वल

उपभोक्ताओं को हमारी रसोई, हमारी जिम्मेदारी के बताए गुर

राकेश शर्मा

सवाई माधोपुर (बढ़ता राजस्थान)। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से गत 5 मार्च को तेल विपणन कंपनियों द्वारा शुरू किए गए बुनियादी सुरक्षा जांच अभियान के तहत देश भर में रविवार को जिला मुख्यालयों पर एक दिवसीय 'हमारी रसोई, हमारी जिम्मेदारी' सेमिनार आयोजित की गई। सेमिनार में आइओसी एलजी के सेल्स ऑफिसर आशीष भंडारी ने बताया कि देश भर में कर्तव्य बोध अभियान का उद्देश्य प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा घर-घर निरीक्षण के माध्यम से 12 करोड़ से अधिक परिवारों तक पहुँचना है। यह निरीक्षण ग्राहकों के लिए एलपीजी इंस्टॉलेशन में किसी भी सुरक्षा खामी के लिए मुफ्त में किया जा रहा है। पुराने या गैर-मानक होज़ की जगह नई होज़ रियायती मूल्य पर उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक, 8 करोड़ से अधिक घरों का निरीक्षण किया जा चुका है, जिसमें लगभग 3.5 करोड़ होज़ बदले गए हैं। इस अभियान के तहत, तेल विपणन कंपनियों द्वारा हमारी रसोई हमारी जिम्मेदारी थीम पर आधारित कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को रणथम्भौर सवाई पैलेस में सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एलपीजी हैंडलिंग और कुकिंग में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और साथ ही पाक कला का जश्न मनाना था। कार्यक्रम का संचालन आकाश भंडारी जी, आईओसी सेल्स ऑफिसर एलपीजी ने किया । प्रतियोगिता में 20 महिला प्रतिभागियों ने अपने पाक कौशल का प्रदर्शन करते हुए सुरक्षित एलपीजी हैंडलिंग प्रथाओं का पालन किया। मुख्य अतिथि श्रीमती मंजू शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी , विशिष्ट अतिथि गिर्राज प्रसाद गर्ग, अध्यक्ष अग्रवाल समाज आवासन मंडल एवं आकाश प्रजापत, शेफ रणथम्भौर रिजोर्ट समेत निर्णायकों के पैनल ने प्रतिभागियों को एलपीजी सुरक्षा, व्यंजन की गुणवत्ता, प्रस्तुति और सफाई जैसे मापदंडों पर मूल्यांकन किया।

ये रहे प्रतियोगिता के विजेता

प्रथम स्थान : हिमांगी गौतम
द्वितीय स्थान :अलका यदुवंशी
तृतीय स्थान : अनीता जैन

इस मौके परकार्यक्रम में प्रतिभागियों और दर्शकों को जिम्मेदार एलपीजी उपयोग के महत्व बताया। सेल्स ऑफिसर आकाश भंडारी ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों और उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया! साथ ही इस आयोजन को सफल बनाने और अभियान के उद्देश्य को बढ़ावा देने में योगदान के लिए सराहना व्यक्त की! समारोह में रेनू इंडेन गैस एजेंसी, सवाई माधोपुर की ओर से लक्की, अजय मीना सहित अन्य गैस एजेंसी संचालक एवं उनके कार्मिक उपस्थित थे।

04.60 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए (मौली) सहित एक आरोपी गिरफ्तार

भीनमाल पुलिस की अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्रवाई

बढ़ता राजस्थान

जालोर (नि.स.)। भीनमाल स्थानीय पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए (मौली) बरामद की गई। जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे गिरफ्तारी व धरपकड़ अभियान के तहत भीनमाल पुलिस उप निरीक्षक गनी मोहम्मद मय पुलिस जाब्ता द्वारा भीनमाल शहर के जाकोब तालाब के पास बैठे एक संदिग्ध को दस्तयाब कर पूछताछ कर तलाशी ली गई जिसके कब्जे से प्लास्टिक थैली में 04.61 ग्राम अभी मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए (मौली) बरामद कर मुलजिम घांचियों का चोहटा,भीनमाल निवासी पारसमल पुत्र डूंगराराम घांची को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

पुलिस टीम में ये रहे शामिल : पुलिस उप निरीक्षक गनी मोहम्मद, हेड कांस्टेबल बाबूलाल ,कांस्टेबल दिनेश कुमार, मानाराम,दिनेश कुमार

फिर से बने भाजपा का प्रधान व चैयरमेन : श्रवणसिंह

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवणसिंह बगड़ी का भाजपा शहर महामंत्री करणसिंह राजावत के नेतृत्व में स्वागत किया गया। महामंत्री श्रवणसिंह बगड़ी ने कहा कि आने वाले पंचायतीराज व निकाय के चुनाव में अधिक से अधिक भाजपा के प्रत्याशी को जिताएं जिससे पंचायत समिति व नगरपालिका में फिर से भाजपा का प्रधान च चैयरमेन बने और कढी से कढी जुड़ेगी और ग्रामीण व शहरी क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने आह्वान किया कि भाजपा के सदस्यता अभियान को ओर गति प्रदान करके अधिक से अधिक सदस्य बनाएं। इस अवसर पर भाजपा नेता रामप्रसाद शर्मा, पार्षद नितिन छाबड़ा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य एडवोकेट डॉ. तेजभंवर सिंह नटवाड़ा, भंवरसिंह खेड़ा, लक्ष्मण चौधरी व सीताराम बेनीवाल सहित कई कार्यकर्ताओं मौजूद थे।

दो अंतरराज्यीय वाहन चोर अरेस्ट, तीन वाहन जब्त

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। सीएसटी टीम और शिवदासपुरा पुलिस ने दो अंतरराज्यीय वाहन चोर पकड़े है। उनके पास से दो चोरी के चौपहिया वाहन और एक वारदात में उपयोग किए जाने वाले वाहन को जब्त किया है। आरोपियों ने मानसरोवर और शिवदासपुरा थाना इलाके में वाहन चोरी की कई वारदातें करना कबूल किया है। पुलिस के अनुसार वाहन चोरी के मामले में इमरान खान और सद्दामुद्दीन को पकड़ा है। बदमाश वाहन चोरी के बाद उनके चैचिस नम्बर बदलकर उन्हें सस्ते में बेच देते थे।

मेघवाल युवा परिषद जिला सांचौर की बैठक में कार्यकारिणी का हुआ गठन

बढ़ता राजस्थान

जालोर (नि.स.)। सांचौर में मेघवाल युवा परिषद की बैठक आयोजित हुई, जिसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष जवारा राम गोयल लाछड़ी ने अपनी नई कार्यकारिणी का गठन किया। बैठक में उपस्थित वरिष्ठजनों ने सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का समर्थन किया।

कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर रिडमलराम गुन्दाऊ,लीलाधर डांगरा एवं पोपटलाल आमली को मनोनीत किया गया। महासचिव पद पर धनाराम परिहार, प्रचार मंत्री के रूप में जोगाराम सांकड़, जयंतीलाल धोरावत (आमली), गणेश मनुवेर और विजाराम कांटोल को जिम्मेदारी दी गई। प्रवक्ता के रूप में बेचाराराम पातलिया और जयंतीलाल परावा, विधि सलाहकार के रूप में रमेश बाजक और अमृतलाल भाटवास, कोषाध्यक्ष पद पर जवारा राम पांचाल और संगठन मंत्री के रूप में घेवाराम रामपुरा को चुना गया। अध्यक्ष जवारा राम गोयल ने संबोधित करते हुए कहा कि शीतकालीन अवकाश के दौरान मेघवाल समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करते हुए समाजहित में आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

बैठक में रमेश बोस (अगार), छगनलाल बावरला, केसाराम मनुवेर, थानाराम पहाड़पुरा, नरेंद्र डांगरा, पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल खानवत, शांतिलाल नागवंशी, पारसाराम गुलसर,जय कृष्ण मीरपुरा,रूपा राम काँटोल,लाडूराम पांचाल (मालवाड़ा), पूर्व महासचिव तगाराम पहाड़पुरा, कमलेश मूलनिवासी, मोहन कारोला सहित कई वरिष्ठजन उपस्थित रहे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि भरत भाटिया जिलाध्यक्ष भीम आर्मी द्वारा बनाए गए विवादित वीडियो, जिसमें सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई है, की परिषद घोर निंदा करती है। यह स्पष्ट किया गया कि समाज का इस तरह के कृत्यों से कोई संबंध नहीं है, और समाज ऐसे लोगों को स्वीकार नहीं करेगा।

एडिलेड में नहीं खेलेंगे ऋषभ पंत, सरफराज खान करेंगे विकेटकीपिंग! एक विडियो से उठे सवाल

नई दिल्ली।

पर्थ टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को धूल चटाने के बाद टीम इंडिया को अब एडिलेड में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच का इंतजार है। ये टेस्ट मैच छह दिसंबर से शुरू हो रहा है। इससे पहले टीम इंडिया इस समय कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री -11 के खिलाफ दो दिन का अभ्यास मैच खेल रही है और इस दौरान कुछ हैरान करने वाली बात देखने को मिली जिसके बाद ऋषभ पंत को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। दो दिन का ये अभ्यास मैच कल से शुरू होना था, लेकिन शनिवार को बारिश आने के बाद दिन का खेल खत्म हो गया था। दूसरे दिन सोमवार को मैच शुरू हुआ। टीम इंडिया ने पहले गेंदबाजी की और इस दौरान पंत के हाथों में दस्ताने नहीं दिखे। उनकी जगह सरफराज खान विकेटकीपिंग करते नजर आएं।

इसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि पंत विकेटकीपिंग क्यों नहीं कर रहे क्या पंत को चोट लग गई है क्या एडिलेड में पंत खेलते नजर नहीं आएंगे हालांकि इसकी संभावनाएं नहीं हैं। पंत ने इस मैच में विकेटकीपिंग की थी, लेकिन कुछ देर बाद वह बाहर चले गए थे और इसी कारण सरफराज खान ने विकेटकीपिंग की। पंत इस बीच ड्रेसिंग रूम में आराम कर रहे थे। सरफराज ने अपनी विकेटकीपिंग से निराश किया। 23वें ओवर में उन्होंने एक आसान सा कैच छोड़ दिया जिसके बाद पहली स्लिप में खड़े रोहित ने उन्हें पीठ में मुक्का मारा। हालांकि ये मजाक में मारा था।

रोहित ने नहीं की ओपनिंग

रोहित टीम इंडिया में बतौर ओपनर खेलते हैं। पर्थ टेस्ट मैच में वह खेले नहीं थे क्योंकि अपने बेटे के जन्म के कारण रोहित मुंबई में ही थे। दूसरे मैच में उनका खेलना कंफर्म है लेकिन उनकी बैटिंग पोजिशन बदल सकती है। रोहित ने अभ्यास मैच में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। विराट कोहली इस मैच में नहीं उतरे हैं। एडिलेड में वह चौथे नंबर पर ही खेलेंगे। इसी के साथ अंदाजा लगाया जा रहा है कि रोहित एडिलेड में ओपनिंग की जगह पांचवें नंबर पर आ सकते हैं। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने पर्थ में बतौर ओपनर शानदार बल्लेबाजी की थी। रोहित संभवत: इन दोनों को छेड़ना नहीं चाहते हैं और इसलिए पांचवें नंबर पर खेलने का फैसला कर चुके हैं।

इंजरी के कारण जोश हेजलवुड एडिलेड टेस्ट से बाहर : सीन एबॉट और ब्रेंडन डोगेट को स्क्वॉड में शामिल किया, 6 दिसंबर से मुकाबला

एडिलेड।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड एडिलेड में 6 दिसंबर से शुरू हो रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उन्हें लो ग्रेड लेफ्ट साइड इंजरी (पेट के निचले हिस्से में दर्द) है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार रात को बताया कि हेजलवुड की जगह सीन एबॉट और ब्रेंडन डोगेट को स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हेजलवुड ने पर्थ टेस्ट में 5 विकेट लिए थे। उन्होंने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में एक विकेट लिया था।

मार्श भी चोटिल, दूसरा टेस्ट खेलने में संशय ऑस्ट्रेलियाई टीम के ऑलराउंडर मिचेल मार्श भी चोटिल हैं। उनकी मांसपेशियों में खिंचाव है। मार्श के दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय है। उनकी जगह ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को टीम में शामिल किया है।

पर्थ टेस्ट के बाद मार्श की मांसपेशियों में खिंचाव था। मार्श की चोट पर ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड ने कहा था- मार्श की फिटनेस पर थोड़ा संदेह है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भी मार्श की फिटनेस पर चिंता जताई थी।

प्रैक्टिस मैच में बोलैंड खेल सकते हैं हेजलवुड की जगह आज से शुरू हो रह दूसरे प्रैक्टिस मैच में स्कॉट बोलैंड को मौका दिया जा सकता है। बोलैंड पीएम इवेलन के लिए दो दिवसीय अभ्यास मैच के दौरान खेलेंगे। बोलैंड ने अपना आखिरी टेस्ट मैच 2023 में लीड्स में एशेज टेस्ट में खेला था।

बीजीटी में 1-0 से आगे है भारत भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 1-0 से आगे चल रही है। टीम ने पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को चार दिनों के भीतर 295 रनों से हराया था। बॉर्डर-गास्कर ट्रॉफी का दूसरा मुकाबला 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा।

क्राइस्टचर्च टेस्ट में न्यूजीलैंड की हार : इंग्लैंड ने 104 रन के टारगेट को 2 विकेट पर हासिल किया, डब्ल्यूटीसी में भारत को फायदा

इंग्लैंड ने क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हर दिया है। चौथे दिन इंग्लिश टीम ने मिले 104 रनों के टारगेट को 2 विकेट के नुकसान पर महज 12.4 ओवर में ही बना लिया।

इसके साथ ही इंग्लैंड ने सबसे कम ओवरों में टेस्ट क्रिकेट में 100 से ज्यादा रनों के टारगेट चेज करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इससे पहले न्यूजीलैंड ने इसी ग्राउंड पर 18.4 ओवर में 109 रनों के टारगेट को हासिल किया था।

तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में इंग्लिश टीम 1-0 से आगे हो गई है। इंग्लैंड ने इस मैच को जीतकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत का फायदा करा दिया है।

इंग्लैंड के जीत के हीरो हैरी ब्रूक और ब्रायडन कार्स रहे इंग्लैंड के जीत के हीरो हैरी ब्रूक और ब्रायडन कार्स रहे। कार्स ने पूरे मैच में कुल 10 विकेट हासिल किया। उन्होंने पहले पारी में 19 ओवर गेंदबाजी की और 64 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 19.1 ओवर गेंदबाजी की और 42 रन देकर 6 विकेट लिए। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। वहीं हैरी ब्रूक ने पहली पारी में 197 गेंदों पर 171 रन की शानदार पारी खेली।

चौथे दिन कीवी टीम 99 रन ही बना पाई चौथे दिन कीवी टीम अपनी पारी में 99 रन ही जोड़ पाई। इससे पहले तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक कीवियों ने 6 विकेट खोकर 155 रन बनाए थे। स्टंप्स तक डेरियल मिचेल 31 और नाथन स्मिथ 1 रन बना कर क्रीज पर थे। कीवी ने चौथे दिन 155/6 आगे खेलते हुए अपनी पारी में 35 रन ही जोड़ कर सातवां विकेट खो दिया। नाथन स्मिथ 190 के स्कोर पर आउट हो गए। वहीं आठवां विकेट भी 2 रन के बाद गिर गया। नौवां विकेट 209 और न्यूजीलैंड ने अपना आखिरी विकेट 254 रन पर खो दिया। वहीं इंग्लिश टीम ने पहली पारी में 499 रन बनाए थे, जबकि न्यूजीलैंड ने 348

रन बनाए थे और दूसरी पारी में 254 रन बनाए थे। इस तरह इंग्लैंड को दूसरी पारी में 104 रन का टारगेट मिला। जिसे इंग्लैंड ने 2 विकेट खोकर बना लिए। जैकब बैथल ने नाबाद 50 और जो रूट 23 रन पर नॉटआउट रहे।

इंग्लैंड की इस जीत से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत को फायदा मिला। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के फाइनल की रेस फिलहाल 5 टीमों के बीच जंग है। भारत, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका और न्यूजीलैंड डब्ल्यूटीसी फाइनल के सबसे बड़े दावेदार हैं। इंग्लैंड के हाथों मिली हार से न्यूजीलैंड को टेबल में रैंकिंग पर कोई नुकसान नहीं हुआ, वे 4 नंबर पर ही बरकरार रहे, लेकिन उसका परसेंटेज पॉइंट घटकर 5 नंबर पर खड़ी श्रीलंका के बराबरी पर आ गया है। दोनों के 50-50 परसेंटेज पॉइंट रह गए हैं।कीवी टीम को सीधे फाइनल में जाने के लिए सीरीज के सभी मैच जीतने जरूरी थे, लेकिन अब उसे अगले दो मैच जीतकर भी दूसरी टीमों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

वहीं टीम इंडिया को इससे बड़ा फायदा हो सकता है। हाल ही में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पर्थ टेस्ट में हराकर प्वॉइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल किया था। वहीं साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका को हराया और ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर सीधे नंबर 2 पर है. जबकि नंबर 3 पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है।

जय शाह ने आईसीसी चैयरमैन का पद संभाला

सबसे कम उम्र के चीफ बने, बोले- क्रिकेट को ग्लोबल पहचान दिलाएंगे

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने आईसीसी चेयरमैन का पद रविवार को संभाल लिया है। उनका कार्यकाल आज 1 दिसंबर से शुरू हो गया है। ग्रेग बार्कले की जगह लेने वाले 35 साल के जय शाह आईसीसी के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बन गए हैं।

जय शाह ने कहा- मुझे आईसीसी का चेयरमैन चुनने के लिए सभी का धन्यवाद। मैं क्रिकेट को ग्लोबली बढ़ाने के लिए काम करता रहूंगा। फिलहाल क्रिकेट के मल्टिपल फॉर्मेट को बढ़ावा देना जरूरी है। मैं खेल में नई टेक्नोलॉजी लाने की कोशिश करूंगा, साथ ही वर्ल्ड कप जैसे इवेंट्स को ग्लोबल मार्केट तक भी पहुंचाऊंगा।

क्रिकेट का ओलिंपिक 2028 में शामिल होना बड़ी उपलब्धि है। इसे हम ओलिंपिक के जरिए ग्लोबल पहचान दिलाएंगे और ज्यादा देशों तक पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

आईसीसी के 5वें भारतीय चीफ होंगे जय शाह शाह से पहले 4 भारतीय आईसीसी चीफ का पद संभाल चुके हैं। जगमोहन डालमिया 1997 से 2000 तक, शरद पवार 2010 से 2012 तक, एन श्रीनिवासन 2014 से 2015 तक और

शशांक मनोहर 2015 से 2020 तक आईसीसी प्रमुख रहे। 2015 से पहले आईसीसी चीफ को प्रेसिडेंट कहा जाता था। अब इसे चेयरमैन कहा जाने लगा।

सबसे युवा चेयरमैन होंगे जय शाह 35 साल के जय शाह इसी साल 22 सितंबर को 36 साल के हो जाएंगे। वह 1 दिसंबर को 36 साल की उम्र में आईसीसी चेयरमैन का पद संभालेंगे। वह आईसीसी के 16वें बन गए हैं, उनसे पहले सभी 15 चेयरमैन की उम्र 55 साल से ज्यादा ही रही। शाह से पहले 2006 में साउथ अफ्रीका के पर्सी सोन 56 साल की उम्र में प्रेसिडेंट बने थे।

उनसे 20 साल छोटे शाह अब 36 साल की उम्र आईसीसी के सबसे युवा चेयरमैन बनेंगे। 30 नवंबर को खत्म हुआ था बार्कले का कार्यकाल आईसीसी के चेयरमैन न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले का कार्यकाल 30 नवंबर को खत्म हुआ था। आईसीसी ने 20 अगस्त को बताया था कि बार्कले लगातार तीसरी बार चेयरमैन नहीं बनेंगे। वह 2020 से इस पद पर थे।

जय शाह आईसीसी चेयरमैन पद पर निर्विरोध चुने गए थे। नॉमिनेशन फाइल करने की आखिरी तारीख मंगलवार, 27 अगस्त थी। जय के अलावा पद के लिए किसी भी उम्मीदवार ने नॉमिनेशन नहीं भरा था।

स्वास्थ्य समाचार

घर पर अपने बच्चों को अकेले छोड़ने से पहले जरूर सिखाएं ये बातें, रहेंगे सुरक्षित

आज के समय में ज्यादातर कामकाजी पेरेंट्स की सबसे बड़ी परेशानी ये होती है कि कामकाज के समय घर से बाहर जाते समय बच्चे को अकेला कैसे छोड़ें। कभी-कभी माता-पिता दोनों के सामने ये स्थिति आ जाती है जिसकी वजह से उन्हें बच्चों को न चाहते हुए भी घर में अकेले छोड़कर जाना पड़ता है। ऐसे में बच्चों की घर पर सेफ्टी सबसे बड़ी चिंता होती है। अगर आप भी कामकाजी पेरेंट्स हैं और कामकाज के चलते आपको बच्चों को घर पर अकेले छोड़कर जाना पड़ता है तो उन्हें कुछ जरूरी बातों के बारे में बताना चाहिए। आप कुछ सेफ्टी टिप्स और जरूरी बातें सिखाकर बच्चों को सुरक्षित तरीके से घर पर छोड़कर जा सकते हैं। शहरों में रहने वाले ज्यादातर पेरेंट्स अक्सर इस परेशानी से गुजरते हैं और इसकी वजह से कामकाज में भी उनका दिमाग घर पर बच्चे की सेफ्टी को लेकर लगा रहता है। बच्चों को घर पर सुरक्षित तरीके से अकेले छोड़ने के लिए आपको अपने बच्चे को कुछ बातें जरूर सिखानी चाहिए। बच्चों की परवरिश के दौरान कई ऐसे मौके आते हैं जब पेरेंट्स को किसी जरूरी काम के चलते घर से बाहर जाना पड़ता है और ऐसे में बच्चों को घर पर अकेले छोड़ना पड़ता है। बच्चों को घर पर अकेले छोड़ते समय पेरेंट्स की चिंता उनकी सेफ्टी को लेकर हमेशा बनी रहती है।

इमरजेंसी नंबर देकर जाएं :

अगर आपका बच्चा खुद से फोन इस्तेमाल कर सकता है तो उसे घर में अकेले छोड़ने से पहले उसे कुछ इमरजेंसी नंबर जरूर देना चाहिए। ऐसे नंबर पर वे किसी भी मुश्किल में पड़ने पर या जरूरत पड़ने पर संपर्क कर सकते हैं। इमरजेंसी नंबर इसलिए भी जरूरी है कि आपका फोन न लगने की स्थिति में वह इस नंबर पर कॉल कर आपकी स्थिति के बारे में जान सकते हैं।

घर में बच्चे के लिए खाने का सामान जरूर रखकर जाएं :

घर में बच्चे को अकेला छोड़कर जाते समय आपको इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि घर में बच्चे के लिए खाने का सामान जरूर हो। ऐसे में उसे भूख लगने पर किन चीजों का सेवन करना चाहिए इसके बारे में भी बच्चे को जानकारी देनी चाहिए। ऐसा करने से बच्चे को भूख लगने पर वह खुद से घर में मौजूद खाने-पीने की चीजों का इस्तेमाल कर सकता है।

अनजान व्यक्ति से बात न करें :

बच्चों को घर पर अकेला छोड़कर जाने से पहले उन्हें इस बारे में जरूर समझाना चाहिए कि घर पर अकेले रहते समय वे अनजान व्यक्ति से किसी भी

तरह की कोई बातचीत न करें। अनजान व्यक्ति से मेल-मिलाप बच्चे के लिए परेशानी कड़ी कर सकता है। बच्चों को ये सिखाएं कि अगर कोई घर पर आता है तो सबसे पहले वे आपसे संपर्क करें।

बच्चों की पहुंच से धारदार सामान दूर करें

घर में बच्चों को अकेले छोड़कर जाने से पहले आपको ये जरूर सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों की पहुंच से धारदार सामान जैसे चाकू, छूरी आदि को दूर रखना चाहिए। इसके अलावा बहुत जरूरी यह है कि बच्चों को इन चीजों के बारे में जरूर बताएं कि इनके गलत इस्तेमाल से उन्हें चोट पहुंच सकती है।

बच्चों को घर में कुछ एक्टिविटी करने की सलाह दें

बच्चों को घर में अकेला छोड़कर जाने से पहले आपको उन्हें खाली छोड़कर नहीं जाना चाहिए। बच्चों की रूचि के आधार पर उन्हें कुछ न कुछ काम जरूर देकर जाना चाहिए। ऐसा करने से बच्चे उसमें व्यस्त रहेंगे।

बच्चों को कमरे में लॉक न करें

बच्चे को घर पर अकेले छोड़कर जाते समय उन्हें घर में लॉक नहीं करना चाहिए और उन्हें जरूर हिदायत दें कि वे खुद को किसी कमरे में लॉक न करें।

छत पर खेलने न जाएं

अगर आप किसी कामकाज की वजह से घर से बाहर जाते हैं तो उन्हें घर में अकेले रहने पर ये जरूर सिखाना चाहिए कि वे अकेले रहने पर छत पर खेलने न जाएं। ऐसा करना उनके लिए खतरनाक हो सकता है।

बाहर न निकलने की हिदायत

बच्चों को घर पर अकेला छोड़कर जाते समय आपको इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि वे ऐसे में अकेले घर से बाहर न निकलें। इसके लिए आप बच्चे को इस बारे में जरूर समझाएं कि अकेले रहते समय वे घर से बाहर न निकलें।

बिजली के बोर्ड में टेप लगाएं

घर में इलेक्ट्रिसिटी के बोर्ड जो खुले हुए होते हैं उनमें टेप जरूर लगाना चाहिए। ऐसा करने से बच्चे उसके संपर्क में नहीं आएंगे और उन्हें किसी भी तरह के नुकसान का खतरा नहीं होगा।

रसोई में गैस के सारे स्विच जरूर ऑफ करें

घर में बच्चे को अकेला छोड़कर जाने से पहले आपको गैस की सभी स्विच जरूर ऑफ कर देनी चाहिए। कई बार पेरेंट्स जल्दबाजी में ऐसा करना भूल जाते हैं जिसकी वजह से कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है।

स्किन के लिए तिल का तेल होता है बहुत फायदेमंद, चेहरे पर रेगुलर लगाने से दूर हो सकती हैं ये समस्याएं

तिल के तेल का इस्तेमाल करने से हमारे स्वास्थ्य को कई फायदे मिलते हैं। इसमें कई औषधीय गुण भी पाए जाते है, जो कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं और कमजोरी को दूर करने में कारगर है लेकिन क्या आपको पता है तिल का तेल स्किन पर लगाने से आपकी त्वचा की दमकती और निखरी हुई नजर आ सकती है। कई लोग बहुत तरह के प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करके थक चुके होते है लेकिन उनकी स्किन प्रॉब्लम्स ठीक नहीं होती है। ऐसे में तिल के तेल का इस्तेमाल आपकी स्किन को एक्सफोलिएट करने और सूर्य की हानिकारक किरणों से भी बचाता है। तिल के तेल में एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल और एंटी एजिंग गुण पाए जाते है, जिससे त्वचा की कई समस्याएं दूर हो सकती है। तिल के तेल में विटामिन ई होता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को यूवी किरणों, प्रदूषण और विषाक्त पदार्थों जैसे पर्यावरणीय कारकों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद कर सकता है। इसमें कई आवश्यक फैटी एसिड भी होते हैं। ये एसिड मॉइस्चराइज़र के रूप में काम करते हैं, जो आपकी त्वचा को कोमल, मुलायम और हाइड्रेटेड रखने में मदद कर सकते हैं।

सूर्य की हानिकारक किरणों से बचाए : तिल के तेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते है, जिसकी मदद से यूवी किरणों के प्रभाव को कम करने और फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद मिलती है। इसमें पाया जाने वाले सेसमोल आपको सनबर्न से बचा सकता है और स्किन को हाइड्रेट रखने में मददगार साबित हो सकता है। इससे आपकी स्किन खूबसूरत और जवां नजर आती है। साथ ही धूप से खुजली और जलन की समस्या भी तिल का तेल लगाने से कम हो सकता है।

मुँहासे कम करे : स्किन के दाग-धब्बे आपकी खूबसूरती खराब कर सकते हैं और आपकी स्किन बेजान नजर आने लगती है। इससे बचने के लिए आप अपनी स्किन पर तिल के तेल लगा सकते है। इसमें एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो चेहरे के कील-मुहांसों को कम करने और दर्द से आराम दिलाने में मदद करते है। इससे फुंसी, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स से छुटकारा पाने में मदद मिल सकती है।

स्किन को मॉइस्चराइजर करे : तिल का तेल क्षतिग्रस्त त्वचा कोशिकाओं की मरम्मत करता है। वहीं इसमें मौजूद फैटी एसिड और विटामिन की सहायता से झुर्रियों, महीन रेखाओं और बढ़े हुए छिद्रों को कम कर सकते हैं। तिल में मौजूद पॉलीफेनोल्स त्वचा को तैलीय होने से रोकते हैं और प्राकृतिक रूप से स्किन को ऑयल फ्री बनाता है ताकि स्किन ग्लोइंग और निखरी नजर आए।

नैचुरल एक्सफोलिएटर : तिल का तेल प्राकृतिक रूप से त्वचा से गंदगी, तेल और बैक्टीरिया को साफ करता है। तिल के तेल से आप रोज अपने चेहरे की मसाज कर सकते हैं। इससे चेहरा नैचुरली कोमल, मुलायम और खूबसूरत नजर आता है।

स्किन को डैमेज होने से बचाए : डैमेज स्किन रूखी और बेजान नजर आती है। ऐसे में आप अपनी स्किन पर तिल का तेल इस्तेमाल करें। इससे त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और क्षतिग्रस्त कोशिकाओं में अच्छे तरीके से ऑक्सीजन पहुंचता है। इसमें पाए जाने वाले जिंक और कॉपर की मदद से ऊतकों की मरम्मत में मदद मिलती है।

इन तरीकों से करें तिल के तेल का इस्तेमाल : ● नहाने से पहले अपने शरीर पर गर्म तिल का तेल लगाएं और करीब 10 मिनट तक मसाज करें। इसे पांच मिनट के लिए छोड़ दें और नहा लें। इससे स्किन के काले धब्बे ठीक हो सकते हैं।

दैनिक
बढ़ता राजस्थान
www.badhatarajasthan.in
RNI NO. RAJHIN/2010/35060

समय के साथ जीवन में परिवर्तन कीजिये ,
वरना वक्त बदलने के लिए समय नही लगेगा।
-हर्षित विजयवर्गीय, बढ़ता राजस्थान

अमेरिकी आईलैंड में ताइवानी राष्ट्रपति के वेलकम से चीन नाराज

कहा- हमारी पूरे मामले पर बारीक नजर, जवाबी कार्रवाई करेंगे

बढ़ता राजस्थान

हवाई (एजेंसी)। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते एक हफ्ते के पैसिफिक आईलैंड्स के दौरे पर हैं। उन्होंने इसकी शुरुआत अमेरिका के हवाई प्रांत से की, जहां रेड कार्पेट बिछाकर उनका स्वागत किया गया। इसके साथ अमेरिका ने ताइवान को और अधिक हथियार बिक्री के प्रस्ताव को मंजूरी दी। अमेरिका का ये फैसला चीन को नागवार गुजरा है। अमेरिकी विदेश विभाग ने ताइवान को स्न-16 जेट विमानों और राडार के लिए स्पेयर पार्ट्स और सपोर्ट की लगभग 385 मिलियन डॉलर की बिक्री को मंजूरी दी है। अलजजीरा के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखेगा और अपने देश की देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बचाने के लिए ठोस कदम उठाएगा। हथियार बिक्री के मुद्दे पर चीन ने कहा- अमेरिका का यह फैसला ताइवान इन्डेपेन्डेन्ट फोर्स को गलत मैसेज देगा। हम इस पर जवाबी कार्रवाई करेंगे।

मार्शल आइलैंड, तुवालु और पलाऊ भी जाएंगे

लाई चिंग-ते ने पर्ल हार्बर में USA एरिजोना मेमोरियल का दौरा किया। यहां उन्होंने कहा कि अमेरिका और ताइवान को युद्ध को रोकने के लिए एक साथ लड़ना चाहिए। शांति अमूल्य है और युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। हवाई के बाद लाई चिंग-ते मार्शल आइलैंड, तुवालु और पलाऊ का दौरा करेंगे। पैसिफिक रीजन में ये राष्ट्र ही ताइवान को एक स्वतंत्र देश के तौर पर मान्यता देते हैं। ताइवान पर चीन के कब्जे का डर 1940 के दशक में जब चीन का शासन कम्युनिस्ट पार्टी के हाथ में आया तो बचे हुए राष्ट्रवादी देश छोड़ ताइवान द्वीप पर जा बसे थे। इन राष्ट्रवादियों ने ताइवान में लोकतांत्रिक शासन लागू किया था। चीन ताइवान को अपना ही हिस्सा मानता है। जबकि ताइवान खुद को एक स्वतंत्र देश मानता है। चीन इसलिए ताइवान पर कब्जा करना चाहता है। ताइवान पर कब्जा करके चीन पश्चिमी प्रशांत महासागर इलाके में अपना दबदबा दिखाने के लिए आजाद हो जाएगा। इससे गुआम और हवाई जैसे अमेरिकी मिलिट्री बेस के लिए खतरा पैदा हो जाएगा। इसके अलावा ताइवान अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर का सबसे बड़ा निर्माता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन नहीं : आप अकेले चुनाव लड़ेगी : केजरीवाल

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव आम आदमी पार्टी अकेले अपने दम पर लड़ेगी। कांग्रेस पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। दिल्ली में विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है। यानी अगले साल जनवरी में किसी भी समय विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। फरवरी में चुनाव होंगे और नई सरकार का गठन होगा। लोकसभा चुनाव से पहले आप और कांग्रेस विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा हैं। दिल्ली में लोकसभा चुनाव दोनों एक साथ लड़े थे। हालांकि इसमें दोनों पार्टियों को कोई भी सीट नहीं मिली। अक्टूबर में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले आप और कांग्रेस सीट-बंटवारे के समझौता नहीं हो सका। इसके बाद दोनों अलग-अलग चुनाव लड़े थे। केजरीवाल बोले- पानी फेंके जाने की घटना के लिए शाह जिम्मेदार केजरीवाल ने शनिवार को उनके ऊपर पदयात्रा के दौरान पानी फेंके जाने की घटना के लिए भी बीजेपी और गृह मंत्री अमित शाह को दोषी ठहराया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगा थी कि अमित शाह दिल्ली की कानून व्यवस्था सुधारने ठोस कदम उठाने के निर्देश देंगे लेकिन उन्होंने मुझपर ही हमला करा दिया। दिल्ली की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए केजरीवाल ने दिल्ली की कानून व्यवस्था के लिए फिर एक बार केंद्र सरकार पर हमला किया। उन्होंने कहा- दिल्ली में बिजनेसमैन को फिरोती के कॉल आते हैं। पैसे न देने पर दुकान के बाहर फायरिंग हो जाती है।पिछले 2-3 साल में दिल्ली की कानून व्यवस्था बद से बत्तर होती जा रही है।

सीरिया में विद्रोहियों ने 4 दिन में कब्जाया अलेप्पो शहर

सेना भागी, लोगों को घरों में रहने के आदेश ; रूसी हमले में 300 की मौत

बढ़ता राजस्थान

दमिश्क (एजेंसी)। सीरिया में विद्रोही गुटों ने 4 दिन के भीतर अलेप्पो शहर के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा कर लिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला बुधवार को शुरू हुआ था और शनिवार तक आस-पास के गांवों पर कब्जा करते हुए लड़ाकों ने अलेप्पो का बड़ा हिस्सा अपने कंट्रोल में ले लिया। इससे सीरियाई सेना को अपनी पोस्ट से पीछे हटना पड़ा। हमले में कई दर्जन सैनिकों की मौत हो गई। विद्रोहियों ने एयरपोर्ट के साथ शहर के सभी मुख्य इलाकों पर कब्जा कर लिया है।

कब्जा करने के बाद लड़ाके सड़कों पर हवाई फायर करते और अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगाते नजर आए। इसके बाद नागरिकों की सुरक्षा के लिए शनिवार को 24 घंटे तक घरों के भीतर रहने के आदेश दे दिए गए। बीबीसी के मुताबिक अब तक इन हमलों में अब तक 300 से ज्यादा लोगों मारे जा चुके हैं, जिसमें से 20 आम नागरिक हैं।

साल 2016 में असद की सेना ने इन विद्रोहियों को अलेप्पो से खदेड़ दिया था। अब 8 साल बाद यहां वापस विद्रोहियों का कब्जा हो गया है। हालांकि, अलेप्पो के उत्तरी हिस्से के कुछ इलाकों पर अभी भी सीरियाई सेना और ईरानी मिलिशिया का कंट्रोल है।

रूस ने सीरियाई सेना की मदद के लिए विद्रोही गुटों के काफिलों और ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। अल-जजीरा के मुताबिक रूस ने दावा किया है कि इन हवाई हमलों में 300 विद्रोही मारे जा चुके हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक विद्रोही गुट में हयात तहरीर अल-शम और उसके सहयोगी संगठन शामिल हैं। इन्हें अलकायदा का समर्थन हासिल है।

जहां हिंदू अल्पसंख्यक वहां समस्या, धर्मांतरण पर रोक लगे, इसके लिए भजनलाल सरकार बिल लाई : घनश्याम तिवाड़ी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि देश में जहां-जहां सनातन और हिन्दू धर्म के मानने वाले लोग बहुसंख्यक हैं, वहां सब धर्मों के लोगों को अपना-अपना आचरण और अपनी उपासना करने का पूरा अधिकार है। जहां हिन्दू व सनातनी अल्पसंख्यक हैं, वहां समस्या आती है। ऐसे में भविष्य में अधिक धर्मान्तरण नहीं हो, इसके लिए कानून की सख्त आवश्यकता थी। इसी को ध्यान में रखकर प्रदेश की भजनलाल सरकार %दी राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ अनलॉफुल कनवर्जन ऑफ रिलीजन बिल 2024% लेकर आई हैं। सरकार ने शनिवार को ही इस बिल को कैबिनेट से पास करवाया है।

पहले कांग्रेस ने बिल को लागू नहीं होने दिया

सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के राज में इस बिल को लाया गया था, लेकिन तत्कालीन राज्यपाल ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किया और राष्ट्रपति के साइन के लिए भेजा। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने इस बिल को लागू नहीं किया, लेकिन अब भाजपा की डबल इंजन सरकार ने इस बिल को कैबिनेट में पास कर ऐतिहासिक फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह अवैध धर्मान्तरण पर प्रहार कर लव जिहाद पर रोक लगाने की दिशा में उठाया गया कदम है।

10 साल तक की सजा का प्रावधान

घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि इस बिल में प्रावधान किया गया है कि अगर कोई लोभ, प्रलोभन, डर, कपटपूर्वक, बलपूर्वक, अनुचित प्रभाव का इस्तेमाल कर धर्म परिवर्तन करवाता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा कोई लव जिहाद के नाम पर, प्रेम के नाम पर, विवाह के लिए या फिर धोखा देकर किसी का धर्म परिवर्तन करवाता है तो उसे भी 10 साल तक की सजा होगी। इसमें व्यक्ति के साथ संस्था को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के भरतपुर सहित कई जिलों में सामूहिक धर्म परिवर्तन कराने की घटनाएं

सामने आई थीं। इस कानून की राजस्थान में बहुत ही महत्ती आवश्यकता थी। इस कानून में कहीं पर भी किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन नहीं है। अगर कोई व्यक्ति स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करता है तो वह जिला कलेक्टर को सूचित कर एक प्रक्रिया के माध्यम से आसानी से कर सकता है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर फिर से महंगा हुआ कंपनियों ने 19 किलोग्राम के सिलेंडर पर 16.50 रुपए बढ़ाए; घरेलु के दाम स्थिर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। तेल-गैस कंपनियों ने एलपीजी कीमतों का रिव्यू करते हुए राजस्थान में कॉमर्शियल उपयोग के सिलेंडर की कीमतों में इजाफा किया है। वहीं, घरेलु उपयोग के सिलेंडर के दाम स्थिर रखे है। इस साल ये 9 वां मौका है जब कंपनियों ने कीमतों का रिव्यू करते हुए उनमें बदलाव किया है। राजस्थान एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष दीपक गहलोत ने बताया- कंपनियों की ओर से जारी रेट लिस्ट में आज से राजस्थान में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 16.50 रुपए बढ़ाए हैं। इस बढ़ोतरी के बाद आज से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर बाजार

में 1829.50 रुपए की जगह 1846 रुपए में मिलेगा। इससे पहले कंपनियों ने नवंबर की शुरुआत में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 62 रुपए बढ़ाए थे। वहीं, अक्टूबर में 48.50 रुपए बढ़ाए, सितंबर में 39 रुपए और अगस्त में 12 रुपए की बढ़ोतरी की थी। जुलाई में कंपनियों ने सिलेंडर पर 30 रुपए की कमी भी की थी। जून में 69.50 रुपए, मई में 19 रुपए और अप्रैल में 31.50 रुपए की कटौती की थी।

जांच जारी रहेगी, कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायिक आयोग के सदस्यों ने किया संभल में हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले महीने शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच चल रही है। इसके लिए तीन सदस्यीय न्यायिक जांच समिति गठित की गयी थी, जिसमें रविवार को इलाके का दौरा किया। आयोग के प्रमुख एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अरोड़ा और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अरविंद कुमार जैन ने कड़ी सुरक्षा के बीच मस्जिद सहित शहर के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

आयोग के तीसरे सदस्य पूर्व आईएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद रविवार के दौरे के दौरान मौजूद नहीं थे। अरोड़ा और जैन के साथ मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज जी, संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार भी थे। संभल का दौरा पूरा होने के बाद अरविंद कुमार जैन ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जांच जारी रहेगी, यह दो महीने तक जारी रहेगी। बता दें, आयोग को दो महीने के भीतर अपनी जांच पूरी करने का निर्देश दिया गया है। आयोग इस बात की जांच कर रहा है कि क्या पिछली 24 नवंबर को हुई हिंसक झड़पें स्वत:स्फूर्त थीं या किसी सुनियोजित आपराधिक साजिश का हिस्सा थीं। इसके साथ ही स्थिति को संभालने में पुलिस और प्रशासन की तैयारियों की भी जांच होगी। आयोग हिंसा के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों का भी विश्लेषण करेगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपायों की सिफारिश करेगा। संभल में 24 नवंबर को अदालत के आदेश पर मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान चार लोगों की मौत हो गई थी और अनेक अन्य घायल हो गए थे। सर्वेक्षण का आदेश एक याचिका पर दिया गया था।

जिसमें दावा किया गया था कि मस्जिद स्थल पर कभी हरिहर मंदिर हुआ करता था।

इमरान खान 9 मई की हिंसा में दोषी करार : पूर्व पीएम के लिए सैन्य दफ्तरों में घुस गए थे समर्थक, आग लगाई थी

बढ़ता राजस्थान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लाहौर की एक आतंकवाद विरोधी कोर्ट ने 9 मई 2023 को हुई हिंसा के आरोप में शनिवार को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने इमरान खान की 8 मामलों में जमानत भी रद्द कर दी है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक जज मंजर अली गिल ने अपने लिखित फैसले में कहा कि इमरान खान के खिलाफ हिंसा से जुड़े जो ऑडियो और वीडियो सबूत पेश किए गए हैं। वो उन्हें दोषी साबित करने के लिए पर्याप्त हैं। कोर्ट ने अपने फैसले में इमरान के

खिलाफ दी गई गवाहियों का हवाला भी दिया। इनमें जमान पार्क में इमरान खान पर उनके समर्थकों को भड़काने का साजिश का आरोप था।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र
मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण | किफायती मुद्रण लागत
Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

बढ़ेगी सर्दी.... प्रदेश में कोहरा छाने की संभावना

पारा गिरने से दिन-रात में सर्दी बढ़ी, जैसलमेर-बाड़मेर में अधिकतम तापमान 30 डिग्री से नीचे आया

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में तापमान में गिरावट होने के साथ रात में सर्दी बढ़ गई है। कोटा, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालोर में कल रात का मिनिमम तापमान 2 डिग्री तक गिर गया। भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, डूंगरपुर में सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज हुआ। जैसलमेर-बाड़मेर समेत पश्चिमी राजस्थान के तमाम जिलों में दिन का अधिकतम तापमान कल 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ।

वहीं, मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने आज और कल राजस्थान के उत्तरी हिस्सों में कहीं-कहीं हल्का कोहरा छाने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे ज्यादा तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज हुआ।

सीकर में रविवार को तापमान में 2.7 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यहां आज न्यूनतम तापमान 8 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह हल्का कोहरा छाने के साथ ही ठिठुरन रही। सर्दी से बचाव के लिए फतेहपुर सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अलाव तापते हुए नजर आए। अभी दो से तीन दिन में पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी होने के बाद सर्दी का असर बढ़ेगा और तापमान में गिरावट होगी।

जैसलमेर में 29.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। इन दोनों ही शहरों में पिछले दो-तीन दिन से अधिकतम तापमान 30 से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच रहा था। बीकानेर, फलोदी, चूरू में भी कल दिन का अधिकतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया।

इन शहरों में सीजन का सबसे कम तापमान

उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर में कल इस सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज हुआ। उदयपुर, चित्तौड़गढ़ में कल न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस, भीलवाड़ा में 8.8 और कोटा में 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इसी तरह टोंक के पास निवाई में भी न्यूनतम तापमान 10.1, फलोदी में 15, डूंगरपुर-धौलपुर में 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो इस शहर का सीजन का सबसे कम तापमान रहा।